THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 239 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.5 2082 मंगलवार, 25 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

"भारत की शालीनता उसकी कमजोरी नहीं"

कुरुक्षेत्र, 24 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आज (सोमवार) हरियाणा के कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। रक्षा मंत्री ने सबसे पहले ब्रह्मसरोवर पर पूजन किया, जिसके बाद वो हरियाणा पवेलियन का अवलोकन करने पहुंचे और फिर कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार में भाग लिया। यहां उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर बात की। पहलगाम की घटना आज भी विचलित करती है, जब पर्यटन के लिए गए हमारे निर्दोष यात्रियों को धर्म पूछकर मारा गया। आतंकियों ने न केवल भारत की शांतिप्रियता को चुनौती दी थी, बल्कि वे यह मान बैठे थे कि भारत की शालीनता उसकी कमजोरी है, लेकिन हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' से इसका माकूल जवाब दिया।

नहीं रहे अभिनेता धर्मेंद्र

भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया है। 89 साल के धर्मेंद्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ, जिसमें सलमान खान, संजय दत्त, अमिताभ बच्चन, आमिर खान समेत कई सेलेब्स पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन को एक युग के अंत का संकेत कहा है। दोपहर में उनके घर के बाहर एम्बुलेंस पहुंची थी और विले पार्ले श्मशान भूमि में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई थी। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से श्मशान घाट पहुंचाया गया।

धर्मेंद्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। 10 नवंबर को उन्हें सांस लेने में दिक्कत आई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान उन्हें वैंटिलेटर में रखा गया। मीडिया में उनके निधन की खबर भी आई, जिसे परिवार ने नकार दिया। 12 नवंबर को धर्मेंद्र को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया था और डॉक्टरों ने घर पर ही उनके आगे के इलाज की बात कही थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने धर्मेंद्र के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जाने-माने एक्टर और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। सबसे पॉपुलर एक्टर्स में से एक, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार परफॉर्मेंस दीं। भारतीय सिनेमा की एक बड़ी हस्ती के तौर पर, वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की नई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने एक्स पर लिखा, मशहूर हिंदी फिल्म एक्टर और पूर्व सांसद धर्मेंद्र के निधन से बहुत दुख हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर दुख जताते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, अपने बेहतरीन अभिनय से 6 दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सामान्य परिवार से आकर उन्होंने फिल्म जगत में अपनी अमिट पहचान बनाई।

धर्मेंद्र जी उन चुनिंदा अभिनेताओं में से एक रहे, जिन्होंने जिस किरदार को छुआ, वह जीवंत हो उठा और अपनी इसी कला के माध्यम से उन्होंने हर आयु-वर्ग के करोड़ों दर्शकों का दिल जीता। अपने अभिनय से वे सदैव हमारे बीच रहेंगे। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों व प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, धर्मेंद्र देओल के निधन से भारतीय सिनेमा ने अपना एक अमिट, स्नेही और दिलों में बसने वाला सितारा खो दिया।

(विस्तृत खबर पेज 8 पर)

53वें सीजेआई बने जस्टिस सूर्यकांत

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत को लगाया गले अपनी आधिकारिक कार भी उनके लिए छोड़ी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। देश में 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जस्टिस सूर्यकांत ने आज राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, उनके शपथ ग्रहण की खास बात ये रही कि उन्होंने ये हिंदी में ली। इस दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मौजूद रहे।

इस शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व सीजेआई बीआर गवई और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ समेत तमाम केंद्रीय मंत्री समेत कई अन्य गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए। बता दें कि, सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक रहेगा।

पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने पेश की नई मिसाल :

वहीं इस शपथ ग्रहण समारोह के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने समारोह के बाद अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के लिए अपनी आधिकारिक कार भी राष्ट्रपति भवन परिसर में छोड़ी। पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने आज तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए उन्हें दी गई आधिकारिक कार में सफर न करके एक ऐतिहासिक नई मिसाल कायम की है। इसके बजाय, जस्टिस गवई ने मुख्य न्यायाधीश के लिए मिली कार अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह के बाद राष्ट्रपति भवन में उनके लिए छोड़ दी, ताकि यह पक्का हो सके कि नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए आधिकारिक कार उपलब्ध रहे।

>14

ममता बनर्जी ने ईसी को फिर लिखा पत्र

इन दो मामलों में तत्काल दखल देने की मांग की

कोलकाता, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने दो हालिया मामलों में तत्काल दखल देने की मांग की है। पत्र में उन्होंने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के उस निर्देश का जिक्र किया है, जिसमें जिलाधिकारियों को अनुबंध पर काम करने वाले डाटा-एंट्री ऑपरेटर्स और बांग्ला सहायता केंद्र के कर्मचारियों को एसआईआर या किसी अन्य चुनावी कार्य में न लगाने को कहा गया है। दूसरा मुद्दा निजी आवासीय परिसरों के अंदर मतदान केंद्र बनाने के चुनाव आयोग के प्रस्ताव से जुड़ा है।

उन्होंने इस पत्र को एक्स पर भी साझा किया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि क्या ये कदम किसी राजनीतिक दल की मदद के लिए उठाए जा रहे हैं। पत्र में लिखा है, हाल ही में यह सामने आया है कि पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी ने जिला चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर या अन्य चुनावी आंकड़े से जुड़े कार्यों के लिए अनुबंध पर काम करने वाले डाटा एंट्री ऑपरेटर्स और बांग्ला सहायता केंद्र (बीएसके) के कर्मचारियों को न लगाएं।

मुख्यमंत्री ने पूछा- आउटसोर्स करने की जरूरत क्यों पड़ रही :

पत्र में कहा गया, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय ने एक वर्ष की अवधि के लिए एक हजार डाटा एंट्री ऑपरेटर्स और 50 सॉफ्टवेयर डेवलपर नियुक्त करने के लिए एक प्रस्ताव जारी किया था।

कर्नाटक सीएम बदलने पर हाईकमान का फैसला अंतिम : खड़गे

बीजेपी ने पूछा- राष्ट्रीय अध्यक्ष हाईकमान नहीं, तो कौन? गृह मंत्री बोले- मैं दावेदार

नई दिल्ली/बेंगुलूरू, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस मामले में निर्णय पार्टी हाईकमान ही करेगा और इस पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। उन्होंने यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से शनिवार को हुई उनकी एक घंटे से अधिक की बैठक के बाद की।

खड़गे ने मीडिया के सवालों पर कहा- जो भी होगा, हाईकमान करेगा। आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। वहीं, खड़गे के बयान पर बीजेपी विधायक सुरेश कुमार ने एक्स पर लिखा- अगर कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष हाईकमान नहीं है, तो कौन है? इधर, राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने संकेत दिया कि अगर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन होता है तो वे भी सीएम पद की रेस में हैं। हालांकि हाईकमान से सीएम बदलने पर चर्चा नहीं हुई, न ही कांग्रेस विधायक दल में इस पर विचार हुआ।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने सोमवार को चिक्काबल्लापुर में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कहा- डीके शिवकुमार और मुझे, पार्टी हाईकमान के फैसले का पालन करना चाहिए। हाईकमान जो भी फैसला करेगा, उससे हमें सहमत होना चाहिए। हम पार्टी हाईकमान के फैसले के अनुसार काम करेंगे। सिद्धारमैया ने कहा- जब हाईकमान ने पांच महीने पहले बैठक की थी, तो उन्होंने कैबिनेट में फेरबदल का निर्देश दिया था। मैंने उनसे कहा था कि हम ढाई साल पूरे होने के बाद ऐसा करेंगे। अब, हम जो भी निर्देश दिए जाएंगे, उसके अनुसार काम करेंगे।

सिद्धरमैया के करीबी नेता भी खड़गे से मिले :

रविवार को सिद्धारमैया के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों एच सी महादेवप्पा और के. वेंकटेश ने भी रविवार को खड़गे से मुलाकात की। महादेवप्पा ने कहा कि कर्नाटक में इस समय सीएम बदलने की कोई स्थिति नहीं है और यदि कभी ऐसा हुआ तो हाईकमान ही फैसला करेगा।

2.5 साल पूरे होने पर बढ़ी खींचतान :

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का 20 नवंबर को 2.5 साल का कार्यकाल पूरा हुआ है। अब सत्ता संतुलन को लेकर बयानबाजी जारी है। कुछ विधायक जो डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के समर्थक माने जाते हैं, वे दिल्ली जाकर खड़गे से मिले थे। हालांकि, शिवकुमार ने ऐसे किसी कार्यक्रम की जानकारी होने से इनकार किया।

सूत्रों के मुताबिक सिद्धारमैया कैबिनेट फेरबदल के पक्ष में हैं। जबकि शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी अंदरूनी हलकों में यह भी माना जा रहा है कि यदि हाई कमान कैबिनेट विस्तार को मंजूरी देता है, तो इससे सिद्धारमैया के पूरे कार्यकाल (5 साल) तक टिके रहने का संकेत मिल सकता है, जो शिवकुमार की सीएम बनने की संभावनाओं को कम कर देगा।

रुपये की गिरती कीमत को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

पीएम मोदी का वीडियो साझा कर याद दिलाए पुराने बयान

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरती कीमत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया और 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए यूपीए सरकार पर किए गए उनके ही पुराने बयान की याद दिलाई।

गौरतलब है कि सोमवार को रुपया 89.46 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में तेजी दिखाते हुए 89.1 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 49 पैसे की बढ़त थी। हालांकि, इससे पहले शुक्रवार को रुपया 98 पैसे की गिरावट के साथ 89.66 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ था। घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की भारी मांग, स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं ने इस गिरावट को और बढ़ाया।

सरकार पर निशाना साधते हुए जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, डॉलर के मुकाबले रुपये का 'फ्री फॉल' जारी है। यह अब 90 रुपये प्रति डॉलर का स्तर पार करने वाला है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री को जुलाई 2013 में दिया अपना बयान याद है, जिसके साथ उन्होंने उस समय का वीडियो भी साझा किया। उस वीडियो में मोदी ने कहा था, देखिए रुपया कितनी तेजी से गिर रहा है। कभी-कभी लगता है कि रुपया और दिल्ली की सरकार में कोई मुकाबला चल रहा है कि किसकी इज्जत ज्यादा जल्दी गिरती है।

बीते शुक्रवार को घरेलू मुद्रा में तीन वर्षों में एक दिन सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई, जब यह 98 पैसे लुढ़ककर 89.66 प्रति डॉलर पर बंद हुई।

भारतीय नौसेना में स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे शामिल

समुद्र में दुश्मन पनडुब्बियों को तलाशेगा, इसे कहा जाता है 'साइलेंट हंटर'

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस माहे सोमवार को भारतीय नौसेना में कमीशन किया गया। यह माहे-क्लास का पहला पनडुब्बी रोधी (एंटी सबमरीन) और उथले पानी (जहां पानी की गहराई कम हो) में चलने वाला युद्धपोत है, जो तटीय इलाकों के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है।

मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में हुए समारोह में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। द्विवेदी ने तीनों सेनाओं की संयुक्त ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा- सशस्त्र बलों की सबसे बड़ी शक्ति सिनर्जी है। ऑपरेशन सिंदूर इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह जहाज उथले पानी में ऑपरेशन, तटीय इलाकों में गश्त, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और दुश्मन पनडुब्बियों की

तलाश जैसे कामों में बड़ी भूमिका निभाएगा। ये काम बिना शोर के करने की काबिलियत के चलते इसे 'साइलेंट हंटर' नाम दिया गया है।

आईएनएस माहे का 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में ही बना :

आईएनएस माहे को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने तैयार किया है, जो नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का एक मजबूत कदम माना जा रहा है। नौसेना ने इसे नए दौर का तेज, फुर्तीला और आधुनिक भारतीय युद्धपोत कहा है।

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना की नई पीढ़ी का युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से एंटी-सबमरीन वॉरफेयर के लिए तैयार किया गया है। यह शैलो वॉटर यानी कम गहराई वाले समुद्री क्षेत्रों में भी उच्च सटीकता (हाई-प्रिसिजन) के साथ ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसका 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में ही बना है।

यह एक मल्टी-रोल वॉरशिप है, जो कोस्टल डिफेंस, अंडरवॉटर सर्विलांस और सर्च-एंड-रेस्क्यू जैसे कई महत्वपूर्ण मिशन में तैनात किया जा सकता है। इसमें माइन ले-ड्रॉपिंग की क्षमता भी है, जिससे यह समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने और दुश्मन की गतिविधियों को रोकने में सक्षम है।

पटना में 3 लोगों की हत्या

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में सोमवार को 3 लोगों की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि प्रॉपर्टी विवाद में ये तीनों मर्डर हुए हैं। पहले बाइक से आए 2 अपराधियों ने कारोबारी की 6 गोली मारकर हत्या कर दी। मर्डर के बाद दोनों भागने लगे। इसी दौरान भीड़ ने दोनों को हत्या वाली जगह से 200 मीटर दूर घेर लिया और पीट-पीटकर मार डाला। अपराधी भूपतिपुर के रहने वाले 65 साल के अशरफी राय की हत्या कर बाइक से भाग रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल मृतक अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में यह मामला 20 करोड़ रुपए के जमीनी विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही है। मौके से 10 से ज्यादा खोखे मिले हैं।

तमिलनाडु में 2 बसों की आमने-सामने टक्कर, 6 की मौत

30 यात्री घायल, पुलिस बोली- ड्राइवर की गलती से हादसा, ओवरस्पीड में चला रहा था

तेनकासी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं।

मरने वालों में 5 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही बस में सोमवार सुबह 11 बजे टकरा गईं।

पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि गलती ड्राइवर की थी। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही और तेज स्पीड में गाड़ी चला रहा था।

घायल यात्रियों का नजदीकी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कुछ पीड़ितों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है।

25 एम्बुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया

बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। कटर की मदद से बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर यात्रियों को बाहर निकालना पड़ा।

इसके बाद उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए 25 से ज्यादा एम्बुलेंस बुलाई गईं। जब हादसा हुआ तब दोनों बसों में कम से कम 55 लोग सवार थे।

पुलिस पर मिर्ची स्प्रे छिड़कने के मामले पर एक्शन

> दो एफआईआर दर्ज और अब तक 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रदूषण पर प्रदर्शन में हुए हंगामे पर पुलिस ने कड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली पुलिस ने दो थानों में एफआईआर दर्ज की है और 22 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कर्तव्यपथ थाने में छह मेल प्रोटेस्टर्स को गिरफ्तार किया है तो वहीं दूसरी एफआईआर संसद मार्ग थाने में दर्ज की गई है। जिसमें 17 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। ताजा अपडेट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने कर्तव्यपथ थाने में दर्ज की गई एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत छह पुरुष प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर बीएनएस की धारा 74, 79, 105(2), 132, 221, 223, और 6(2) के तहत आरोप लगाए गए हैं।

इन धाराओं में सार्वजनिक शांति भंग करने, सरकारी आदेशों का उल्लंघन करने और अन्य संबंधित अपराधों का उल्लेख है। प्रदूषण को लेकर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संभावित पेशी से पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के विरोध में इंडिया गेट के पास प्रदर्शन कर रहे 15 लोगों को रविवार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। प्रदर्शनकारियों के ऊपर पुलिस टीम पर पेपर स्प्रे करने का आरोप है, जिसमें तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हुए। सभी घायलों का इलाज राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 4.30 बजे कुछ प्रदर्शनकारी इंडिया गेट के सी-हेक्सागन क्षेत्र में एकत्र हुए। उनका प्राथमिक उद्देश्य वायु गुणवत्ता में लगातार हो रही गिरावट के प्रति अपना विरोध दर्ज कराना था। हालांकि, कुछ समय बाद प्रदर्शनकारियों ने नक्सली हिड़मा के पक्ष में नारेबाजी शुरू कर दी। मौजूद पुलिस टीम ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटने का निर्देश दिया, लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया और नारेबाजी जारी रखी। इसके बाद, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस टीम पर पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया, जिससे अफरा-तफरी मच गई और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की झड़प हुई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पेपर स्प्रे के कारण तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हुए, जिन्हें आंखों में जलन की शिकायत थी। उन्हें तत्काल पास के आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

एफआईआर दर्ज होने से पहले पुलिस की कार्रवाई

प्रदर्शन के कारण इंडिया गेट के आसपास ट्रैफिक व्यवस्था में भी काफी बाधा उत्पन्न हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया था कि हिरासत में लिए गए 15 प्रदर्शनकारियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने हिंसक व्यवहार और पुलिस बल पर हमला करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज करने की बात कही है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी शिकायतों और विरोध प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से व्यक्त करें, ताकि सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा और व्यवस्था प्रभावित न हो। इस घटना के बाद इंडिया गेट क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

संसद मार्ग थाने में दूसरी एफआईआर और गिरफ्तारियां

वहीं, एक अन्य एफआईआर संसद मार्ग थाने में दर्ज की गई है। इस एफआईआर के तहत 17 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर बीएनएस की धारा 223A, 132, 221, 121 A, 126 (2), और 3 (5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इन धाराओं में भी सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या अन्य गंभीर अपराधों का प्रावधान हो सकता है।

अहमदाबाद में 925 अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

एक हजार से ज्यादा लोग हुए बेघर, लोगों ने तालाब पर भी कर लिया था निर्माण

अहमदाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में चंडोला झील के बाद एक और मेगा डिमोलिशन की कार्रवाई हो रही है। शहर के पूर्वी इलाके में स्थित इसनपुर तालाब के आसपास का बने मकान-दुकान ढहाए जा रहे हैं। सोमवार सुबह से शुरू हुई अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई चार चरणों में होगी।

इसके तहत तालाब किनारे के 925 अवैध मकान-दुकान ढहाई जाएंगी। इन मकानों में 1 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच 20 जेसीबी मशीनों और 500 नगर निगम कर्मचारियों व मजदूरों की टीम लगाई गई है। हालांकि, लोगों का कहना है कि उनके रहने की व्यवस्था किए बिना ही यह कार्रवाई की जा रही है, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

तालाब के बड़े हिस्से पर भी कर लिया था निर्माण

इसनपुर अहमदाबाद की तीसरा सबसे बड़ी झील है। लोगों ने बांस-बल्लियों से तालाब के बड़े हिस्से पर भी निर्माण कर लिया था। नगर निगम ने मानसून से पहले यहां रहने वालों को नोटिस भेजे थे। लेकिन, नवरात्रि, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के चलते तोड़फोड़ न कर लोगों को और वक्त दे दिया गया था। इससे पहले यह कार्रवाई 20 नवंबर को होनी थी, लेकिन स्थानीय लोगों ने और चार दिन का वक्त मांगा था। इसी के चलते कार्रवाई आज सुबह से शुरू हुई।

'दशकों से आरोप लगने के बावजूद मुझ पर कोई कर्ज नहीं'

विवादित टिप्पणी के बाद बोले अजित पवार

संभाजीनगर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने विवादित 'वोट दो, फंड मिलेगा' वाले बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन पर भले ही 35 वर्षों से तरह-तरह के आरोप लगते रहे हों, लेकिन उनका 'किसी पर कोई कर्ज नहीं है' और वे कानून तथा आचार संहिता का सम्मान करते हैं। सोमवार को परभणी जिले के जिंतूर में 2 दिसंबर को होने वाले नगर परिषद चुनाव के लिए आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अजित पवार ने कहा कि मीडिया उनके हर शब्द पर नजर रखता है और किसी भी मुद्दे को तुरंत उनसे जोड़ दिया जाता है। उन्होंने माना कि काम के दौरान गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उनकी नीयत हमेशा विकास की रही है।

अजित पवार के बयान पर विपक्ष हमलावर

पिछले हफ्ते पुणे जिले की मालेगांव नगर पंचायत के चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनके उम्मीदवारों को चुनेगी तो फंड की कमी नहीं होगी, लेकिन अगर उन्हें नकार दिया गया, तो वे भी नकार देंगे। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरते हुए माफी की मांग की थी।

'मीडिया मेरे हर शब्द की कर रहा निगरानी'

सोमवार को स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, 'मीडिया मेरे फंड से जुड़े हर शब्द की निगरानी कर रहा है। कोई भी बात होती है तो तुरंत उन्हें अजित पवार याद आते हैं। मैं आचार संहिता की पूरी इज्जत करता हूं। जिसने काम किया है उससे गलती हो सकती है, लेकिन 35 साल में बहुत आरोप झेले हैं, और फिर भी मैं किसी पर कोई कर्ज नहीं रखता।' जिंतूर नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया। अजित पवार ने कहा, 'यहां के विकास के लिए मैं हमेशा साथ खड़ा रहूंगा। जिन लोगों पर विकास कार्यों का असर पड़ेगा, उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।'

चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग

उन्होंने चुनाव आयोग से निष्पक्ष कार्रवाई की भी मांग की। अजित पवार ने आरोप लगाया कि कुछ गैर-सरकारी संगठन के लोग घर-घर जाकर मतदाताओं से उनके परिवार और कामकाज की जानकारी ले रहे हैं, लेकिन चुनाव आयोग इस पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा, 'कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। हर राजनीतिक दल को एक जैसे नियमों के आधार पर परखा जाना चाहिए।' इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य की कई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देना चाहिए। उनका कहना था कि उपलब्ध संसाधनों को सही दिशा में इस्तेमाल कर क्षेत्र का विकास किया जा सकता है।

'मुंबई हमारे हाथ से छूट गई, तो ये लोग'

बीएमसी चुनाव से पहले मराठी समुदाय को लेकर बोले राज ठाकरे

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनावों से पहले राज्यभर की सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने चरम पर है। ऐसे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव से पहले महाराष्ट्र के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने इसे मराठी समुदाय के लिए आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव बताया है।

मनसे के कोकण महोत्सव के उद्घाटन के दौरान राज ठाकरे ने कहा कि बीएमसी चुनाव के आसपास का राजनीतिक माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से कहा कि वे सावधान रहें। राज ठाकरे ने कहा कि मराठी लोगों के लिए यह बीएमसी चुनाव आखिरी महत्वपूर्ण चुनाव है। अगर हम लापरवाह बने तो यह चुनाव हमारे हाथ से चला जाएगा। अगर मुंबई हमारे हाथ से

छूट गई, तो ये लोग यहां उथल-पुथल मचा देंगे। इस दौरान राज ठाकरे ने मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि वोटर असली हैं या नकली। उन्होंने चुनाव आयोग की मतदाता सूची को लेकर भी कड़ी आलोचना की।

राज ठाकरे की राजनीतिक चाल

बता दें कि राज ठाकरे ने 2024 के लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन का समर्थन किया था। लेकिन राज्य चुनावों में मनसे को हार मिलने के बाद उनका राजनीतिक रुख थोड़ा बदल गया है। अब वे ज्यादा आक्रामक और स्पष्ट हो गए हैं। दूसरी ओर राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पहले राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी थे। हालांकि अब वे धीरे-धीरे राजनीतिक और पारिवारिक तौर पर करीब आते दिख रहे हैं।

अब समझिए क्या है कांग्रेस का रुख

बात अगर निकाय चुनाव में अब कांग्रेस के रुख की करें कांग्रेस मनसे को महाविकास आघाड़ी में शामिल करने में हिचकिचा रही है। कांग्रेस की मुंबई प्रमुख वर्षा गायकवाड़ का कहना है कि वे केवल उन पार्टियों के साथ गठबंधन करेंगे, जो संविधान के रास्ते का पालन करें। कई लोगों का मानना है कि कांग्रेस का यह बयान मनसे के भाषा विवाद में 'अवैध' तरीकों की ओर इशारा है। दूसरी ओर शरद पवार की एनसीपी मनसे के साथ गठबंधन के विचार के लिए खुली है। उनका मानना है कि इससे मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में मराठी वोटरों को जोड़ने में मदद मिलेगी।

राज्य मंत्री मुंडे के निजी सहायक अनंत गारजे गिरफ्तार

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां मुंबई में राज्य मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक अनंत गारजे को उनकी पत्नी डॉ गौरी पालवे की आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस के अनुसार पालवे ने शनिवार को वर्ली स्थित अपने फ्लैट में घरेलू झगड़े के कारण फांसी लगा ली। पालवे के पिता की शिकायत पर वर्ली पुलिस ने गारजे और उनके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था।

बता दें कि इस साल फरवरी में अनंत गारजे और गौरी पालवे की शादी हुई थी। पालवे केईएम अस्पताल में डेंटिस्ट के रूप में कार्यरत थीं। परिवार का आरोप है कि गारजे द्वारा उनकी बेटी को परेशान और प्रताड़ित किया जाता था, जिसकी वजह से उसने यह कदम उठाया।

पालवे के परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

मामले में पालवे के परिवार ने यह भी दावा किया कि गारजे का विवाहेतर संबंध था और पालवे ने उसे किसी अन्य महिला के साथ मोबाइल पर बातचीत करते पकड़ा था। इस मुद्दे पर दोनों के बीच अक्सर लड़ाई- झगड़ा हुआ करता था और गारजे कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देता थे। दूसरी ओर पालवे के चाचा ने इस पूरे मामले में गारजे पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है और गारजे व उनके परिवार के सदस्य जिम्मेदार हैं।

आगे बढ़ा राज्य निर्वाचन आयोग, चुनाव सामग्री का वितरण सोमवार से

शिमला, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनावों की तैयारियों के बीच चुनाव सामग्री और बैलेट पेपरों के वितरण की तिथियां तय कर दी हैं। आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्धारित समय पर चुनाव सामग्री प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुरजीत सिंह राठौर ने बताया कि 24 नवंबर से चुनाव सामग्री वितरण शुरू होगा। पहले दिन किन्नौर, लाहौल-स्पीति, केलांग व कुल्लू के अधिकारियों को चुनाव सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी। 25 नवंबर को सिरमौर व ऊना, 26 नवंबर को शिमला, 27 नवंबर को कांगड़ा, 28 नवंबर को मंडी, 29 नवंबर को सोलन व चंबा और 1 दिसंबर को बिलासपुर व हमीरपुर को चुनाव सामग्री वितरित की जाएगी।

एसआईआर के डर से बांग्लादेशी प्रवासियों में भगदड़

दो हफ्तों में करीब 26,000 लोग हो गए गायब

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर इन दिनों असामान्य हलचल है। एनआरसी और नागरिकता सत्यापन प्रक्रियाओं के बाद अब एसआईआर की संभावित कार्रवाई की चर्चा के बीच बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अवैध प्रवासी राज्य छोड़कर वापस बांग्लादेश की ओर लौट रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस के अनुसार पिछले दो सप्ताह में हजारों लोग सीमा पार कर चुके हैं, जबकि कई गांवों में घर और झुग्गियां लगभग खाली हो गई हैं।

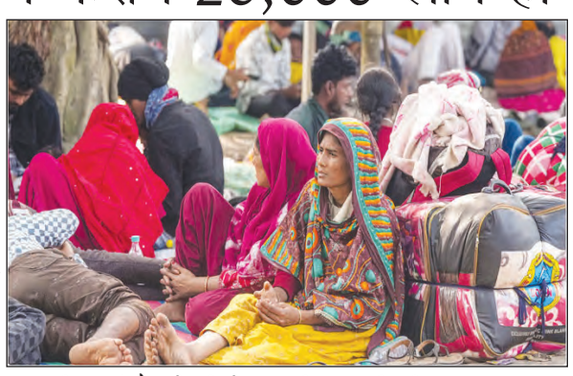

हकीमपुर पोस्ट, चपईनवाबगंज, मालदा, मूर्शिदाबाद, उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के सीमा क्षेत्रों में सबसे अधिक गतिविधि देखी गई है।बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार केवल मालदा सेक्टर में ही लगभग 8,000 से 9,000 लोगों के सीमा पार करने का अनुमान है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि कुल मिलाकर 26,000 के आसपास लोग पिछले दो हफ्तों में पश्चिम बंगाल से गायब हुए हैं, जिनमें से अधिकांश बांग्लादेश में प्रवेश कर चुके हैं। एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि न कोई औपचारिक डिपोर्टेशन आदेश जारी हुआ है और न ही बड़े पैमाने पर पुलिस की कार्रवाई। लेकिन एसआईआर की चर्चा फैलते ही ये प्रवासी खुद ही सीमा पार कर रहे हैं। मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना के सीमावर्ती स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति अचानक घट गई है। कुछ स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पुराने ग्राहक अचानक गायब हो गए। सीमा के आसपास के शहरों और कस्बों में काम करने वाले मजदूर अचानक घट गए हैं।

एसआईआर के बाद गिरफ्तारी और डिटेंशन का डर

पश्चिम बंगाल के सीमा-इलाकों से पकड़ में आए या लौटते हुए कई प्रवासियों ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा कि पहचान-पत्र नहीं है, कागज नहीं है।अगर एसआईआर शुरू हुआ तो हम बच नहीं पाएंगे, इसलिए हम लौट रहे हैं। कुछ ने कहा हमारे पास नकली कागज है और वह पकड़ में आ जाएंगे। सोशल मीडिया और अवैध प्रवासियों के व्हाट्सएप ग्रुप में भी यह संदेश तेजी से फैलाए जा रहे हैं कि एसआईआर में सब अवैध प्रवासी पकड़े जाएंगे। रजिस्ट्रेशन नहीं होने, दस्तावेज न होने या पहचान-पत्र में असंगति होने पर डिटेंशन कैंप भेजे जाने का डर भी बताया गया है। स्थानीय बिचौलियों ने चेतावनी दी है कि बार-बार वेरिफिकेशन होने वाला है और उनके नाम सूची में आ सकते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम बंगाल सीमा हमेशा से घुसपैठ और अवैध माइग्रेशन का सबसे सक्रिय कॉरिडोर रही है। एनआरसी, वेरिफिकेशन और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं की चर्चा से भी प्रवासियों में पहले से मौजूद असुरक्षा फिर बढ़ गई है। दक्षिण एशिया मामलों के विश्लेषक डॉ असीम मक्खन के अनुसार अगर यह प्रवाह कुछ हफ्तों तक जारी रहता है तो बंगाल बॉर्डर की जनसांख्यिकीय स्थिति में बड़ा बदलाव हो सकता है। एसआईआर की चर्चा और दस्तावेज जांच के डर ने अवैध प्रवासियों के पलायन को स्वतः तेज कर दिया है।

खबरे जरा हटके

दुनिया की इकलौती जगह, जहां बंद हो जाती है घड़ी! रात 3 बजे फुटबॉल खेलते हैं लोग

कल्पना कीजिए एक ऐसी जगह जहां घड़ी देखकर कोई काम ना करना पड़े. सुबह 10 बजे सोकर उठो तो कोई बोले नहीं, रात 3 बजे फुटबॉल खेलो तो कोई रोके नहीं. और तो और सूरज 69 दिन तक आसमान से ढले ही ना. नहीं, नहीं, हम आपको कोई काल्पनिक दुनिया की सैर नहीं करवा रहे हैं. बल्कि सच में एक ऐसी जगह है, जहां ये सब होता है. हम बात कर रहे हैं नॉर्वे का सोम्मारॉय आइलैंड की. ये दुनिया की इकलौती टाइमलेस जगह है, जहां समय का कोई मतलब नहीं है. सोम्मारॉय आर्कटिक सर्कल से थोड़ा ऊपर बसा 300 लोगों का छोटा सा द्वीप है. इस जगह पर रहने वालों को समय से कोई लेना-देना नहीं होता. गर्मियों में यहां 20 मई से 18 जुलाई तक "मिडनाइट सन" रहता है मतलब 69 दिन और 69 रातें सूरज डूबता ही नहीं है. ऐसे में आपका जब मन करे आप बाहर आ-जा सकते हैं.

रात में भी दिखता है ऐसा नजारा

जहां आम जगहों पर लोग समय के पाबंद होते हैं, वहीं इस जगह पर लोग रात 2-3 बजे बीच पर फुटबॉल खेलते हैं, बच्चे सुबह 5 बजे मछली पकड़ने निकल जाते हैं, दुकानें जब मन करे तब खुलती हैं. लोकल लोग यहां घड़ी नहीं देखते. वो जरुरत के हिसाब से चीजें करते हैं. जिसे भूख लगे तब खाओ, जब नींद आए तब सो जाओ. टाइम तो बस यहां टूरिस्ट्स के लिए होता है. 2019 में तो सोम्मारॉय ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था. लोकल लोगों ने "टाइम-फ्री ज़ोन" कैंपेन चलाया था, जिसमें द्वीप के पुल पर सैकड़ों घड़ियां बांधकर मैसेज दिया गया कि यहां टाइम नहीं चलता.

8 महीने में पाकिस्तान-अफगानिस्तान समेत 4 देशों की यात्रा

15000 किमी उड़कर लौटा ये गिद्ध

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के हलाली डैम से 29 मार्च 2025 को छोड़ा गया गिद्ध अब वापस अपने वतन आ गया है. करीब 15 हजार किलोमीटर की यात्रा कर गिद्ध 8 माह बाद वापस लौट आया है. वन विभाग ने गिद्ध को सेटेलाइट रेडियो कॉलर लगाया था, जिसके चलते गिद्ध की लगातार लाइव मॉनिटरिंग की जा रही थी. वन विभाग की ओर से पिछले 8 माह से इस यूरेशियन ग्रिफिन गिद्ध की ट्रेकिंग की जा रही थी. इस दौरान गिद्ध ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देशों की यात्रा की है. वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह गिद्ध राजस्थान के धौलपुर जिले के पास मौजूद है.

बता दें, यूरेशियन ग्रिफिन गिद्ध को विदिशा के हलाली डैम से 29 मार्च को छोड़ा गया था. इससे पहले गिद्ध का करीब 2 माह तक भोपाल के वन विहार में इलाज भी चला. दरअसल, गिद्ध 29 जनवरी को सतना जिले के नागौद में घायल अवस्था में मिला था. इसके बाद इसे इलाज के लिए पहले मुकुंदपुर चिड़ियाघर लाया गया. यहां आराम नहीं लगने पर इसे भोपाल स्थित वन विहार लाया गया. यहां गिद्ध के इलाज-देखरेख के बाद पूरी तरह से स्वस्थ होने पर 29 मार्च को खुले आसपान में छोड़ा गया. वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर का कहना है कि गिद्ध को सेटेलाइट रेडियो कॉलर पहनाया गया था, ताकि इनके प्रवास और संरक्षण से जुड़ी जानकारी जुटाई जा सके. साथ ही इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा सके. हलाली डेम से छोड़े जाने के एक महीने में ही यह गिद्ध कजाकिस्तान पहुंच गया था. मई में कजाकिस्तान पहुंचने के बाद 4 महीनों तक गिद्ध ने वहीं डेरा डाले रहा. इसके बाद पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान होता हुआ वापस भारत आ गया है. फिलहाल, यह गिद्ध राजस्थान के पास धौलपुर में डेरा डाले हुए है. यूरेशियन ग्रिफिन गिद्ध मूल रूप से एशिया के पर्वतीय और एशिया इलाकों के अलावा उत्तर अफ्रीका और यूरोप में भी पाए जाते हैं. करीबन 6 से 11 किलो वजनी इस गिद्ध की पहचान इसके पंख होते हैं, जिस पर सफेद रंग इस तरह होता है, जैसे गले में सफेद माला हो. इसके पंखों का फैलाव 2.5 से 2.8 मीटर तक होता है.

भारत में पिंक सिटी, लेकिन इस देश में बसा है सफेद शहर, दूध-सी सफेदी देख चौंधिया जाएगी नजर!

भारत का जयपुर पूरी दुनिया में "पिंक सिटी" के नाम से मशहूर है. 1876 में महाराजा राम सिंह ने महारानी विक्टोरिया के स्वागत में पूरा शहर गुलाबी रंग से रंगवा दिया था. लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा शहर भी है जहां हर इमारत, हर सड़क, हर फुटपाथ, यहां तक कि बस स्टॉप और लैंप पोस्ट तक दूध जैसे सफेद हैं? जी हां, हम बात कर रहे हैं तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात की, जिसे "व्हाइट मार्बल सिटी" या "सफेद शहर" भी कहा जाता है. सूरज निकलते ही पूरा शहर चमकने लगता है. इतनी सफेदी है कि धूप में बिना काले चश्मे के 5 मिनट भी नहीं टिका जा सकता. विदेशी पर्यटक बताते हैं कि जब वो यहां पहली बार आते हैं ऐसा लगता है जैसे किसी ने पूरा शहर मार्बल की चादर से ढक दिया हो. इस शहर में आंखें चौंधिया जाती है. खास बात ये है कि यहां सिर्फ सफेद रंग की गाड़ियां ही चलाने की इजाजत है. काली, लाल, नीली, हरी– कोई भी दूसरी गाड़ी सड़क पर दिखी तो तुरंत पुलिस पकड़ लेती है और मोटा जुर्माना ठोक देती है. 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति गुरबंगुली बेर्दिमुहामेदोव ने साफ आदेश दिया था कि राजधानी में सिर्फ सफेद गाड़ियां ही चलेंगी. लाखों लोग रातों-रात अपनी गाड़ियां सफेद रंग करवाने कोशिश करने लगे. आखिर सफ़ेद रंग को लेकर इतना जूनून क्यों? आपको बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति गुरबंगुली बेर्दिमुहामेदोव पहले डेंटिस्ट थे. लोग मज़ाक में कहते हैं कि डेंटिस्ट को दांत सफेद रखने का शौक था, राष्ट्रपति बन गए तो पूरा शहर ही सफेद कर दिया. उन्होंने 2000 के बाद से अश्गाबात को पूरी तरह बदल दिया. पुरानी सोवियत स्टाइल इमारतें तोड़ दीं और उनकी जगह सफेद मार्बल की चमचमाती बिल्डिंग्स खड़ी कर दी गई. शहर में आज 550 से ज्यादा इमारतें सफेद मार्बल से बनी हैं. दुनिया में सबसे ज्यादा सफेद मार्बल का इस्तेमाल यहीं हुआ है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 25 नवंबर, 2025 3

युविचार

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो, समय समय पर सबकी परीक्षा लेती है!

सरकार स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को ब्याज-मुक्त ऋण : उपमुख्यमंत्री

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने घोषणा की कि राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों की 3.50 लाख महिलाओं को कुल 304 करोड़ रुपये के ब्याज-मुक्त ऋण वितरित करेगी।

उपमुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और एसईआरपी की सीईओ दिव्या देवराजन को निर्देश दिए कि वे मंत्रियों और विधायकों को पहले से सूचित करें और समन्वय सुनिश्चित करें। संसदीय क्षेत्र स्तर पर, उन्होंने कहा कि मंडल समिति और ग्राम समिति के सदस्य तथा प्रमुख नेता भी ब्याज-मुक्त ऋण वितरण कार्यक्रम में भाग लें। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भव्य रूप से और सभी निर्वाचन क्षेत्रों के मुख्यालयों पर एक साथ आयोजित किया जाए। भट्टी विक्रमार्का ने सोमवार को हैदराबाद से जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित किया और अधिकारियों को इस संबंध में पर्याप्त उपाय करने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने ब्याज-मुक्त ऋण कार्यक्रम को छोड़ दिया था। जनता की सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने इसे बड़े पैमाने पर फिर से शुरू किया। इस पहल ने राज्य भर की महिलाओं में आत्मविश्वास और साहस पैदा किया है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्याज-मुक्त ऋण पहले ही राज्यव्यापी दो-तीन चरणों में वितरित किए जा चुके हैं, और 25 नवंबर को महिलाओं के एसएचजी के लिए एक और बड़े पैमाने पर वितरण कार्यक्रम

आयोजित किया जाएगा। भट्टी विक्रमार्का ने राज्यभर में साड़ी वितरण कार्यक्रम के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए जिलाधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें प्रत्येक मंडल से जानकारी मिली।

उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को बधाई दी कि उन्होंने विशेष ध्यान देकर सुनिश्चित किया कि इंदिरम्मा साड़ियां हर गांव तक पहुंचें। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में मंत्री सीतक्का, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, प्रधान सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुलतानिया, एसईआरपी की सीईओ दिव्या देवराजन और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

ईडी ने तेलंगाना अवैध खनन घोटाले में 80 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एम/एस संतोष सैंड एंड ग्रेनाइट सप्लाई से जुड़े एक बड़े अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 80.05 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है।

पठानचेरुवु पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने पाया कि स्वामी गुदेम माधुसूदन रेड्डी और उनके सहयोगियों ने अधिक और अवैध खनन किया, जिससे सरकार को रॉयल्टी में 39.08 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि कथित रूप से उन्होंने 300 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की।

छानबीन के दौरान, ईडी ने कई मूल संपत्ति दस्तावेज जब्त किए और पाया कि कई संपत्तियां बेनामी नामों पर थीं, जबकि वास्तविक मालिक रेड्डी था। कंपनी ने सरकारी अनुमति के बिना एम/एस जीवीआर एंटरप्राइजेज को खनन कार्यों के अवैध सब-कॉन्ट्रैक्ट पर भी सौंपा था। कुल 81 संपत्तियां, जिनकी कीमत 78.93 करोड़ रुपये है और एफडी के रूप में 1.12 करोड़ रुपये, जिन्हें अपराध से प्राप्त लाभ के रूप में वर्गीकृत किया गया है, अटैच की गई हैं। आगे की जांच जारी है ताकि अन्य शामिल व्यक्तियों की पहचान की जा सके और पीएमएलए, 2002 की धाराओं के तहत आगे कार्रवाई की जा सके।

सरकारी अस्पतालों में सूई, दवाइयां तक गायब : बंडी संजय

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने सरकारी अस्पतालों में जनता का भरोसा घटने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कई अस्पतालों में सूई, दवाइयां और कॉटन जैसी बुनियादी सामग्री भी उपलब्ध नहीं है। कलेक्टर पामेला सत्पर्थी के साथ जमालकुंटा सरकारी अस्पताल के दौरे के दौरान, मंत्री ने 1 करोड़ रुपये मूल्य के चिकित्सीय उपकरण सौंपे और मरीजों एवं डॉक्टरों से बातचीत की। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत केंद्र द्वारा जारी बड़े पैमाने पर फंड होने के बावजूद, राज्य सरकार उनका उचित उपयोग करने में विफल रही है। संजय ने चेतावनी दी कि अस्पतालों को उपलब्ध कराए गए उपकरण यदि सही तरीके से उपयोग नहीं किए गए, तो उन्हें वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में पड़ी बेकार एंबुलेंसों की शिकायतों की ओर भी ध्यान दिलाया और लगातार सरकारों पर चेक डैम के निर्माण में भ्रष्टाचार कर उन्हें बार-बार ढहने देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जमालकुंटा रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण और एक खेल स्टेडियम के निर्माण के प्रस्तावों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

एसीबी मामलों का अंबार : एफजीजी ने देरी पर तेलंगाना सरकार को घेरा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) मामलों के निपटारे में हो रही 'चौंकाने वाली देरी' को लेकर तेलंगाना सरकार की आलोचना की है। संगठन का आरोप है कि इस धीमी प्रक्रिया ने भ्रष्ट अधिकारियों को सजा से बच निकलने का मौका दे दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में, एफजीजी के अध्यक्ष एम. पद्मनाभा रेड्डी ने बताया कि एसीबी हर महीने लगभग 30 मामले दर्ज करती है, जिनमें कई दिनों में अनेक ट्रैप केस भी शामिल होते हैं। इसके बावजूद, भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है क्योंकि अभियोजन प्रक्रिया बेहद धीमी गति से चलती है। एसीबी महानिदेशक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 621 मामले दर्ज हुए, जिनमें से 519 जांच रिपोर्टें सरकार को भेजी जा चुकी हैं। लेकिन अभियुक्त अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति मिलने में देरी के कारण ये फाइलें सचिवालय में अटकी हुई हैं। बिना अनुमति चार्जशीट दाखिल नहीं की जा सकती, जिसके कारण मामले 8-10 साल तक लंबित रहते हैं, और कई मामलों में 15 साल तक, जिससे अधिकारी बिना किसी कार्रवाई के सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

नई श्रम संहिता से तेलंगाना के 1.5 करोड़ श्रमिकों को लाभ : बिश्वभूषण

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के उप मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), बिश्वभूषण ने सोमवार को घोषणा की कि तेलंगाना के अनौपचारिक क्षेत्र के लगभग 1.5 करोड़ श्रमिकों, जिसमें प्रवासी मजदूर भी शामिल हैं, को केंद्रीय सरकार द्वारा हाल ही में अधिसूचित नई श्रम संहिताओं से लाभ मिलेगा। वेतन संहिता, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए डीसीएलसी ने कहा कि यह सुधार- केंद्र सरकार द्वारा 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने की पहल का हिस्सा, पूरे देश में 50 करोड़ श्रमिकों के लिए लाभकारी होंगे। प्रत्येक संहिता के तहत शिकायत निवारण बोर्ड बनाए जाएंगे ताकि श्रमिकों की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यान्वयन क्षेत्राधिकार पर निर्भर करेगा, जिसमें केंद्रीय और राज्य प्राधिकरण अपने-अपने क्षेत्रों में कानूनों को लागू करेंगे। 21 नवंबर को अधिसूचित ये संहिताएं श्रम नियमों को आधुनिक बनाने, अनुपालन को सरल बनाने और श्रमिक कल्याण को बढ़ाने के साथ-साथ व्यवसाय करने में आसानी बढ़ाने का उद्देश्य रखती हैं।

स्कूल बस में आग, ड्राइवर ने बच्चों की जान बचाई

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले में सोमवार शाम को जहीराबाद शहर में एक स्कूल बस ड्राइवर ने इंजन से धुआं निकलते देखकर तुरंत बच्चों को उतारकर एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। बस एक स्टूडेंट के उतरने के लिए बीदर क्रॉस रोड पर रुकी थी, तभी ड्राइवर ने इंजन से धुआं निकलता देखा और आग धीरे-धीरे गाड़ी को अपनी चपेट में लेने लगी। बिना देर किए, उसने पक्का किया कि सभी स्टूडेंट्स बस से सुरक्षित नीचे उतर जाएं। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। रावस इंटरनेशनल स्कूल के स्टूडेंट्स को बाद में दूसरी बस में शिफ्ट किया गया और उनके घरों पर छोड़ दिया गया।

पेट-बशीरबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 105 सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेट-बशीरबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कुल 105 सीसीटीवी कैमरों का सोमवार को उद्घाटन पुलिस उपायुक्त, मेडचल जोन, साइबराबाद एन. कोटी रेड्डी द्वारा किया गया। ये कैमरे निगरानी को सुदृढ़ करने, अपराध रोकथाम को बढ़ाने, सड़क सुरक्षा सुधारने और क्षेत्र में घटनाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए गए हैं। कुल स्थापित कैमरों में से 75 कैमरे गुंडलपोचंपल्ली नगर पालिका सीमा के भीतर लगाए गए हैं, जिन्हें गुंडलपोचंपल्ली नगरपालिका, मेडचल-मलकाजगिरी जिले के नगर आयुक्त वेंकटा वेणुगोपाल द्वारा वित्तपोषित और सुविधाजनक बनाया गया।

ये कैमरे दूरदराज के क्षेत्र, दुर्घटना प्रवण जोन, अलग-थलग बस्तियों और रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों को कवर करते हैं। अतिरिक्त 30 सीसीटीवी कैमरे सुचित्रा जंक्शन, केवी रेड्डी नगर जंक्शन और कोम्पल्ली नगरपालिका की वार्ड 11 एवं 12 में लगाए गए हैं, जो सभी पेट-बशीरबाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह प्रमुख ट्रैफिक चौराहों और अधिक जनसैलानी क्षेत्रों में केंद्रित निगरानी प्रदान करता है। उद्घाटन के दौरान, एन. कोटी रेड्डी ने कहा कि विस्तारित सीसीटीवी नेटवर्क निवासियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में काफी मदद करेगा। उन्होंने नागरिकों, कल्याण संघों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपने-अपने क्षेत्रों में सीसीटीवी अवसंरचना के विस्तार में सहयोग जारी रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर के. पुरुषोत्तम, अतिरिक्त डीसीपी मेडचल जोन, ए.सी. बालगांगी रेड्डी, एसीपी पेट-बशीरबाद डिवीजन, वेंकटा वेणुगोपाल, नगर आयुक्त गुंडलपोचंपल्ली नगरपालिका, सार्वजनिक प्रतिनिधि और सामुदायिक सदस्य उपस्थित थे।

ऑडिट वीक 2025 हैदराबाद में शुरू, एआई-आधारित सार्वजनिक जवाबदेही पर जोर

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय ऑडिट एवं लेखा विभाग (आईएएडी) ने सोमवार को हैदराबाद स्थित अकाउंटेंट्स जनरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स में ऑडिट वीक 2025 का उद्घाटन किया। यह सप्ताह-भर चलने वाला कार्यक्रम पेशेवर क्षमता, नवाचार और सार्वजनिक जवाबदेही को मजबूत करने पर केंद्रित है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं डॉ.सी. सुवर्णा, प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स एवं एचओएफएफ, तेलंगाना ने ऑडिट दिवस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र ऑडिट पारदर्शी और जवाबदेह शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने फील्ड ऑडिट और परफॉर्मेंस ऑडिट की भूमिका को रेखांकित किया, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सार्वजनिक खर्च वास्तविक विकास में परिवर्तित हो। उन्होंने आईएएडी के अंतरराष्ट्रीय संस्थानो आईसीईडी और आईसीआईएसए की भी प्रशंसा की, जिन्होंने पेशेवर मानकों को ऊंचा उठाया है और आईएनटीओएसएआई जैसे वैश्विक ऑडिट संगठनों में भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया।

इस अवसर पर तेलंगाना की प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल (एई) चंदा पंडित ने हाल ही में आयोजित एजी सम्मेलन की प्रमुख बातों को साझा किया। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने लीडिंग चेंज एंड रिइफर्मिंग वैल्यूज ट्रस्ट, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, अकाउंटेबिलिटी विषय पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विभाग अब गहन डेटा एकीकरण, एआई-आधारित विश्लेषण और सततता-केंद्रित ऑडिटिंग की ओर बढ़ रहा है। उद्घाटन का एक प्रमुख आकर्षण सीएजी-एलएलएम की घोषणा थी, एक स्वदेशी लार्ज लैंग्वेज मॉडल, जिसे पूर्वानुमान विश्लेषण, विसंगति पहचान और जोखिम मूल्यांकन के माध्यम से ऑडिट प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए विकसित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यह उपकरण सार्वजनिक ऑडिट की सटीकता और प्रभावशीलता को काफी बढ़ाएगा।

पूर्व मंत्री प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोला

बिना कटौती के मछली के बीज मुफ्त आपूर्ति की मांग की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि पिछले वर्ष मछुआरों को मुफ्त मछली के बीज की आपूर्ति में भारी कटौती की गई और पूरी तरह से प्रॉन (झींगा) बीज का वितरण नहीं किया गया। एसआरएसपी परियोजना में बालकोंडा में 'मुफ्त मछली बीज' वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, वेमुला ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार हर उस योजना को 'कट' कर रही है जो पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के कार्यकाल में शुरू की गई थी। उन्होंने याद दिलाया कि केसीआर द्वारा शुरू की गई मुफ्त मछली और प्रॉन बीज योजना मछुआरा समुदाय को सशक्त बनाने के लिए थी और पिछले दशक में उनके आय को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। पूर्व बीआरएस सरकार ने लगातार मछली और झींगा बीज की आपूर्ति की, बिना किसी रुकावट के, और मछुआरों का "अपने पुत्रों की तरह" समर्थन किया, उन्होंने दावा किया। उन्होंने बताया कि केवल बालकोंडा निर्वाचन क्षेत्र में ही, केसीआर सरकार ने 1.74 करोड़ मछली के बीज और 68 लाख झींगा बीज वितरित किए- जिनकी कीमत लगभग 3.7 करोड़ रुपये थी। लगभग दस वर्षों में मुफ्त बीज आपूर्ति 35 करोड़ यूनिट तक पहुंची, जिसकी लागत लगभग 35 करोड़ रुपये थी, उन्होंने जोड़ा। बीज वितरण के अलावा, पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कई कल्याणकारी उपाय भी किए, जिनमें मॉपेड, टीवीएस स्कूटी, मछली पकड़ने के जाल, डीसीएम वाहन, 8 करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फिश मार्केट वैन और आठ मत्स्य सहकारी भवनों का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 72 लाख रुपये थी। बालकोंडा में 10.77 करोड़ रुपये लागत वाला मछली बाजार भी विकसित किया गया।

तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार, 41 किलो गांजा बरामद

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कल्लूर पुलिस स्टेशन और एसओटी, माधापुर जोन, साइबराबाद कमिश्नरेट की टीम ने तल्लापुर गांव से तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया और 41.9 किलो गाजा जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों में मिथुन बरमान, निवासी, इस्नापुर, पठानचेरूवु, सुदेन रॉय, निवासी लेबर कैंप, कोकापेट, रेजाउल शेख, निवासी लेबर कैंप, लिंगमपल्ली शामिल है। ये सभी मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले है। इस मामले में तपन बिस्वास, निवासी दिनहाटा, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल फरार है। पुलिस के अनुसार विशेष जानकारी के आधार पर, कल्लूर पुलिस और एसओटी, माधापुर जोन की टीम ने तीन गांजा तस्करों मिथुन बरमान, सुदेन रॉय और रेजाउल शेख को गिरफ्तार किया, जो तल्लापुर में छोटे पैमाने पर मजदूरों को गांजा बेच रहे थे। आरोपियों से कुल 41.9 किलो गांजा और 3 मोबाइल फोन जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे फरार आरोपी तपन बिस्वास से गांजा प्राप्त कर रहे थे।

एसीबी ने सहायक श्रम अधिकारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम रेंज के भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को सहायक श्रम अधिकारी के. चंदर को 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता के पिता की मृत्यु से संबंधित लाभार्थी आवेदन को आगे बढ़ाने और तेलंगाना बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड के तहत प्राकृतिक मृत्यु अंतिम संस्कार खर्च के लिए 1.30 लाख रुपये की मंजूरी दिलाने के लिए यह राशि मांगी थी। जालसाजी की कार्रवाई लगभग 5:10 बजे सरकारी जूनियर कॉलेज, खम्मम में की गई, जहां चंदर को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से संदूषित मुद्रा बरामद की गई। एसीबी ने कहा कि अधिकारी ने अनुचित और बेईमानी से अनुचित लाभ प्राप्त करने का कार्य किया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

अमेरिका का वीजा नहीं मिला तो सुसाइड किया

हैदराबाद में महिला डॉक्टर की फ्लैट में लाश मिली, सुसाइड नोट में लिखा- तनाव में हूं

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में रहने वाली महिला डॉ. रोहिणी (38) ने अमेरिका का वीजा नहीं मिलने पर सुसाइड कर लिया। उसकी लाश फ्लैट से बरामद हुई। पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें वीजा नहीं मिलने के कारण डिप्रेशन होने और इसी वजह से सुसाइड करने की बात लिखी हुई है।

चिलकलगुडा थाना पुलिस ने बताया कि घटना 21 नवंबर की रात की है। रोहिणी ने या तो नींद की गोलियां की ओवरडोज की थी या किसी तरह का इंजेक्शन लिया था। मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी। मामले की जांच दूसरे एंगल से भी की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि रोहिणी आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली थी। हैदराबाद में पदमा नगर में फ्लैट लेकर रहती थी। 22 नवंबर की सुबह रोहिणी की मेड फ्लैट पर पहुंची थी। उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन रोहिणी ने

दरवाजा नहीं खोला। काफी देर वो दरवाजा खुलने का प्रयास करती रही। कॉल भी किए लेकिन रोहिणी ने रिसीव नहीं किए। परेशान होकर मेड ने रोहिणी के परिवार वालों को इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद हैदराबाद में रहने वाले रोहिणी के परिवार का शख्स फ्लैट पहुंचा। उसने दरवाजा तोड़ा। अंदर रोहिणी का शव था।

अमेरिकी से मेडिसिन की पढ़ाई करना चाहती थी रोहिणी :

रोहिणी की मां लक्ष्मी ने बताया कि बेटी ने 2005 से 2010 के बीच किर्गिस्तान में एमबीबीएस किया था। इंटरनल मेडिसिन की पढ़ाई के लिए अमेरिका जाना चाहती थी। इसलिए वो लगातार अमेरिका के वीजा के लिए प्रयास कर रही थी। लक्ष्मी ने कहा कि करिअर के कारण रोहिणी ने शादी भी नहीं की थी। वीजा के काम के चलते वो गुंटूर से आकर हैदराबाद में रहने लगी थी। यहां पर कई लाइब्रेरी भी हैं। उसके यहां रहने की एक वजह यह भी थी। रोहिणी की मां ने कहा कि बार-बार अमेरिकी वीजा रिजेक्ट होने से रोहिणी परेशान रहने लगी थी। उसे डिप्रेशन भी होने लगा था। उसका मन मेडिसिन की पढ़ाई करने के बाद अमेरिका में ही काम करने का था।

रोहिणी कहती थी- अमेरिका में मरीज कम, सैलरी ज्यादा :

पीड़ित मां के मुताबिक हमने बेटी को कई बार कहा कि वह भारत से ही मेडिसिन की पढ़ाई करे और यहां पर प्रैक्टिस करे। रोहिणी इस पर कहती थी कि भारत में एक डॉक्टर पर मरीज की संख्या ज्यादा होती है और पैसे भी कम मिलते हैं। जबकि अमेरिका में कम मरीज होते हैं और सैलरी भी अच्छी मिलती है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shehnamol, Spouse of JC 782335N, Nb Sub, Sajeev M, R/o, Dist : Kollam, Kerala, changed my name from Shehnamol to Shehna Mol vide Affidavit No.282594 dt.22.11.2025 before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

वाई.वी.एस. सुधींद्र ने साइबराबाद विशेष शाखा के डीसीपी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाई.वी.एस. सुधींद्र, 2012 बैच के ग्रुप-I अधिकारी, ने साइबराबाद विशेष शाखा के उप पुलिस आयुक्त (डीसीपी) के रूप में पदभार संभाला है, साथ ही उन्हें डीसीपी साइबर क्राइम्स का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। हैदराबाद के मूल निवासी वाई.वी.एस. सुधींद्र ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उनके पूर्व के असाइनमेंट में हैदराबाद सिटी टास्क फोर्स में सेवा, भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो में कार्य, तेलंगाना स्टेट पुलिस अकादमी में उप निदेशक के रूप में कार्य और कुमुरम भीम आसिफाबाद जिले में एडीसीपी (प्रशासन) के रूप में कार्य शामिल हैं। पदभार संभालने के बाद, उन्होंने कहा कि डीसीपी साइबर क्राइम्स के रूप में उनकी प्राथमिकता डिजिटल जांच क्षमताओं को मजबूत करना, तकनीकी प्रतिक्रिया तंत्र को बेहतर बनाना और साइबर अपराधों का तेजी से पता लगाना होगा। उन्होंने जोर दिया कि ध्यान उभरते ऑनलाइन खतरों से निपटने, तकनीकी एजेंसियों के साथ समन्वय सुधारने और नागरिकों को वित्तीय धोखाधड़ी, ऑनलाइन शोषण और अन्य तकनीक-आधारित अपराधों से सुरक्षित रखने पर रहेगा।

सरकार बनते ही एक्शन मोड में आए सीएम नीतीश

हाजीपुर इंडस्ट्रियल पहुंचकर किया निरीक्षण, शूज फैक्ट्री भी देखी

हाजीपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद सरकार गठन के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सोमवार की सुबह उन्होंने वैशाली जिले के हाजीपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र पहुंचकर कई कारखानों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुबह हाजीपुर पहुंचकर बिस्कुट फैक्ट्री, शूज फैक्ट्री और चीटर (जैकेट) फैक्ट्री का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने मजदूरों, तकनीशियनों और प्रबंधन से विस्तार से बातचीत की। बता दें कि इस शूज फैक्ट्री से निर्मित जूते रूसी सैनिकों के लिए निर्यात किए जाते हैं। इसकी जानकारी भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उपलब्ध कराई गई।

बिस्कुट फैक्ट्री में काम करने वाले स्थानीय कामगारों से भी मुख्यमंत्री ने बात की और उनकी समस्याओं को भी जाना। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी भी मौजूद रहे। दरअसल, इस चुनाव में बिहार में रोजगार, पलायन और उद्योग बड़ा मुद्दा बना रहा। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर एनडीए सरकार को घेरती रही। एनडीए सरकार ने इन पांच सालों में एक करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा किया है। चुनाव से पहले वादा किया गया है कि उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, नई कंपनियों को आकर्षित किया जाएगा और पलायन की त्रासदी को खत्म किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बिहार के उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने भी रविवार को किशनगंज में कहा था कि हमारी प्राथमिकता बिहार में कानून का राज स्थापित करना और युवाओं को रोजगार देना है। उद्योग मंत्री होने के नाते हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि बिहार के सभी युवाओं को सरकारी नौकरी मिले, यह संभव नहीं है। ऐसे में, हमारी प्राथमिकता प्रदेश में उद्योग लगाने की होगी। उद्योग विभाग जल्द ही एक रोडमैप तैयार करेगा और उस पर काम किया जाएगा। हमारी कल्पना है कि लोगों के दैनिक कार्य में जो भी सामान उपयोग में आते हैं, उनका निर्माण बिहार में हो और यहां कुटीर उद्योग की बहुतायत हो।

जनपद में प्रत्येक पीड़ित की शिकायत सुन समाधान करें डीएम-एसएसपी : सीएम योगी

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 52 से अधिक फरियादी पहुंचे। सीएम योगी हर फरियादी के पास स्वयं पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और एसएसपी को निर्देशित किया कि वह पीड़ितों की शिकायतें सुनकर जनपद में ही उनका निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा, उन्हें चॉकलेट दी और कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, बिजली, शिक्षा, पुलिस आदि से जुड़ी शिकायतों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वह जनपद स्तर पर सभी फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनका निराकरण कराएं। जिलाधिकारी देखें कि जनपदों में सभी विभागों के द्वारा पीड़ितों की शिकायतें सुनकर निर्धारित समयावधि में समाधान कराया जाए।

'जनता दर्शन' में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज आदि जनपदों से पीड़ित पहुंचे थे। सभी ने अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। जिस पर सीएम योगी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की सेवा और सुरक्षा ही सरकार का संकल्प है। सरकार हर जरूरतमंद की सहायता के लिए खड़ी है। सरकार के स्तर पर प्रदेशवासियों की हर उचित परेशानी का निरंतर निदान कराया जा रहा है और आगे भी कराया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दो टूक में कहा है कि किसी भी गरीब व्यक्ति को कोई भी परेशानी नहीं होनी चाहिए। सबको न्याय और योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी मुलाकात की।

सारण में तीन बच्चों की पोखर में डूबकर मौत

सीएम ने की पीड़ित परिवारों को मुआवजे की घोषणा

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सारण जिले में मछली पालन के लिए बनाए गए पोखर में डूबने से तीन बच्चों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है। उन्होंने ईश्वर से पीड़ित परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। दरअसल, सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र के धनौती गांव में मछली पालन के लिए बनाए गए निजी पोखर में यह हादसा हुआ। बताया गया कि गांव के तीन बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र से वापस आने के बाद पोखर के पास खेल रहे थे। खेलते समय पहले तान्या कुमारी नाम की बच्ची का पैर फिसल गया और वह पानी में जा गिरी। उसे बचाने के प्रयास में अन्य दो बच्चे भी दौड़े और गहरे पोखर में गिर पड़े। हादसे का पता तब चला, जब ग्रामीणों ने पोखर में एक शव उतराता दिखा। उसे निकलते समय गोताखोर को दो और शव मिले। पानी से निकालकर ग्रामीण बच्चों को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही एकमा पुलिस भी पहुंच गई और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेजा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है।

हाईवे से गिरी ब्रेजा कार, डॉक्टर की मौत

गौतमबुद्ध नगर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में डॉक्टर की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह ड्यूटी करके ब्रेजा कार से घर लौट रहे थे, तभी कार का संतुलन बिगड़ गया। कार हाईवे से नीचे गिर गई। एयरबैग भी खुल गए, लेकिन डॉक्टर की जान नहीं बची। कार की स्पीड इतनी तेज थी कि नीचे गिरने के बाद 2-3 बार पलटी खाई। 20 फीट दूर मंदिर से टकराकर कार उलटी हो गई। धमाके की आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।तुरंत कार के अंदर फंसे डॉक्टर को निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी है।

घटना सोमवार सुबह बादलपुर थाना क्षेत्र में NH-91 पर हुई। हादसे में कार बुरी तरह डैमेज हो गई है। पुलिस के अनुसार, डॉ. अमित कुमार की पत्नी पूनम देवी हाउसवाइफ हैं। उनकी 2 साल की एक बेटी है, जिसका नाम गुड़िया है।

भदोही में दर्दनाक हादसा-जहरीली गैस से तीन लोगों की मौत

भदोही, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जिले की एक कालीन कंपनी में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब डाइंग हाउस के केबिन में उतरकर मोटर ठीक करने गए तीन मैकेनिकों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है। दयालापुर निवासी शितला मिश्र (55), सहसेपुर के शिवम दुबे (32) और मध्यप्रदेश के राजकिशोर तिवारी (52), औराई स्थित एक कालीन कंपनी में इलेक्ट्रिशियन व मोटर मैकेनिक थे। डाइंग हाउस में बिगड़ी मोटर को ठीक करने के लिए केबिन में उतरे थे। बताया जा रहा है कि केबिन में कुछ समय पहले वॉशिंग और ई.टी.पी. प्लांट से जुड़ी प्रक्रिया के दौरान जहरीली गैस भर गई थी।

उत्पाद अधीक्षक के ठिकानों से 12.43 करोड़ की संपत्ति मिली

कहा-मैं बेकसूर हूं, मुझे फंसाया गया

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद के उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार आजाद को बेहतर काम के लिए विभाग से तीन-तीन मेडल दिया गया था। किसी से सोचा नहीं होगा कि उन्होंने अपने पास इतनी संपत्ति रखी होगी। स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने जब उत्पाद अधीक्षक के पटना, जहानाबाद, औरंगाबाद समेत चार ठिकानों पर छापेमारी की तो सब लोग दंग रह गए। कैश इतना मिला कि टीम को नोट गिनने के लिए मशीन मंगानी पड़ी। सभी ठिकानों पर मिली संपत्तियों को जोड़ा गया तो 12.43 की चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ।

दो माह बाद होना था रिटायर

उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार आजाद की 20 माह पहले औरंगाबाद में इसी पद पर हुई थी और दो माह बाद ही उन्हे रिटायर होना था। इसके पहले ही एसवीयू ने एक साथ उनके चार ठिकानों पर छापेमारी कर दी। अनिल कुमार आजाद ने फोन पर बताया कि यह सब सप्रिट माफियाओं की साजिश है। उनलोगों ने साजिश कर निगरानी में शिकायत की है। उनके ऊपर जो भी आरोप लगाया जा रहा है, वह सरासर गलत और बेबुनियाद है। उन्होने खुद निगरानी की टीम को छापेमारी में सहयोग किया है।

बेहतर काम के लिए मिलें हैं तीन-तीन मेडल

अनिल कुमार आजाद ने कहा कि उत्पाद विभाग में बेहतर काम की बदौलत तीन-तीन मेडल मिले है। बदले की भावना से छापेमारी की गई है। कल उनके भतीजे की शादी थी और आज ही बारात से लौट कर पटना पहुंचा हूं। इसके बाद छापेमारी टीम पहुंची। जांच में मैं सहयोग कर रहा हूं।'

औरंगाबाद के उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार आजाद पर आरोप है कि उन्होंने विभिन्न सरकारी पदों पर रहते हुए पद का दुरुपयोग कर एक करोड़ 58 लाख, 45 हजार 888 रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की है। इसी आरोप के आलोक में पुख्ता जानकारी जुटाने के बाद विशेष निगरानी इकाई ने अनिल कुमार आजाद के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जन के साथ अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

वाराणसी में मंडप में दुल्हन ने शादी से किया इनकार

पिता के अपमान को देख गुस्साई, लड़के वालों ने दहेज में 25 हजार कम होने पर हंगामा किया

वाराणसी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में एक शादी के मौके पर ऐसा बवाल हुआ कि पूरा समारोह चर्चा का विषय बन गया। खूबसूरती से सजाए गए लॉन में मंडप तैयार था, मेहमानों की भीड़ थी, दुल्हन स्टेज पर जयमाल के लिए सजी-धजी पहुंच चुकी थी। ठीक इसी वक्त दूल्हे पक्ष की डिमांड ने पूरी खुशी को बदल दिया। दहेज में मात्र 25 हजार रुपए बकाया को लेकर दूल्हे और उसकी मां ने ऐसा हंगामा किया कि दुल्हन ने पुलिस बुला ली। शादी से मना कर दिया। यह घटना शिवपुर के बसही स्थित मंगल मंडपम में हुई। नई बस्ती पांडेपुर निवासी चांदनी जायसवाल की शादी भदोही के सुरियावा निवासी रोहित जायसवाल से तय हुई थी। लड़का मुंबई में प्राइवेट नौकरी करता है। मुंबई में उसका फ्लैट भी है। लड़की ने काशी विद्यापीठ से एमए किया है।

ऐसा केस बनाएंगे दिमाग सही हो जाएगा

प्रयागराज में ब्लो सुपरवाइजर ने वोटर को धमकाया, बोला-कुछ कर नहीं पाओगे

प्रयागराज, 24 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में एसआईआर के दौरान हंगामा, कहासुनी या विवाद आए दिन सामने आ रहे हैं। अब करेली क्षेत्र के एक ब्लो के सुपरवाइजर पर धमकी देने का आरोप लगा है। धमकी देते हुए सोमवार को एक वीडियो भी सामने आया है।

वोटर के सवाल पर वह भड़क जाते हैं। भोजपुरी में कहते हैं कि ई सब धमकी न देव, गीदड़ भभकी कहीं और देव... चलो जाओ... तुमरे खिलाफ ऐसा केस बना देंगे कि दिमाग सही होई जाई। उखाड़ न पाओगे एक रोंवा। चलो जाओ। तुम्हारी आरती उतारें न हम। बात न करो, कौन हो चलो जाओ। मामला करेली क्षेत्र के यूनिटी पब्लिक स्कूल पर बने बूथ का है। यहां 10 बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। यहां एक सुपरवाइजर भी तैनात है। सुपरवाइजर का नाम मेरविंन लाटियर है। यहां करीब 18 से 19 हजार वोटरों को लेकर एसआईआर होना है।

दरअसल, उस स्कूल में ही बूथ संख्या 121 पर जिस ब्लो की

मेरविंन लाटियर, BLO सुपरवाइजर

ड्यूटी लगी है, वह कई दिनों से बूथ पर नहीं पहुंचा था। बीएलओ के नहीं पहुंचने से परेशान लोगों ने हंगामा कर दिया। सुपरवाइजर से सवाल किए थे तो वह भड़क गए।

वोटर बोले-ब्लो आ नहीं रहे, 5 दिन से दौड़ाया जा रहा

मो. मुस्तकीम ने बताया-लोग भटक रहे हैं। कोई बताने वाला नहीं है। ब्लो तो फॉर्म कतई नहीं भर रहे। पाठक जी नाम के एक ब्लो हैं, वो आ ही नहीं रहे हैं। लोग परेशान होकर वापस जा रहे। मुन्ना का कहना है कि फॉर्म नहीं दिया जा रहा है। यूनिटी में मैं पांच दिन से दौड़ रहा हूं। उदयजी आ ही नहीं रहे हैं। फोन काट दे रहे हैं।

एफआईआर भी हुई, लेकिन हर तरफ शिकायतें

प्रयागराज में एसआईआर को लेकर लोग काफी परेशान हैं। ब्लो पर एफआईआर भी हो चुकी है। इलाहाबाद उत्तर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के दौरान निर्वाचन काम में लापरवाही बरतने के आरोप में ब्लो के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। तहसीलदार सदर की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया।

निर्देशों का उल्लंघन, लापरवाही का आरोप

आरोप है कि ब्लो जानबूझकर शिथिलता और लापरवाही बरत रहे हैं। साथ ही उच्च अधिकारियों और निर्वाचन आयोग के निर्देशों की लगातार अवहेलना कर रहे हैं, जिससे संशोधन का काम प्रभावित हो रहा है।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केस दर्ज

शिकायत के आधार पर कर्नलगंज पुलिस ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। उधर, प्रशासनिक अफसरों का कहना है कि पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि संशोधन के काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

टीचर बने ब्लो, वोटर लिस्ट अपडेट कराने में ड्यूटी

दरअसलख्यूपी में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन यानी एसआईआर चल रहा। वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए सरकारी स्कूलों के टीचर्स की ब्लो की ड्यूटी लगी है। इनको घर-घर जाकर लिस्ट का सत्यापन करना है। बताया जा रहा कि इसके चलते टीचरों पर काम का दवाब बहुत बढ़ गया है। कई जगहों से मौत होने की भी खबरें आई हैं।

चिट फंड कंपनी के नाम पर नौकरी का झांसा देकर ठगी

चार गिरफ्तार; लाखों की ठगी का हुआ खुलासा

मुज्जफरपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र स्थित कोल्हुआ पैगंबरपुर इलाके में फर्जी चिट फंड कंपनी के नाम पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि गिरोह के सदस्यों ने कई बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाया है। ठगी का खुलासा तब हुआ जब नेपाल के मोरतहरी जिला के गोसल्ला थाना क्षेत्र के औरोही निवासी रंजीत कापड़ ने अहियापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि सुजन दुनगाना, हेमराज मल्ला, यशराम तमांड और भरत अधिकारी ने नौकरी दिलाने का लालच दिया। इसके बाद उसे कोल्हुआ पैगंबरपुर स्थित राहुल कुमार के मकान पर बुलाया गया और बैरिया में संतोष कुमार के एक मकान में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) की व्यवस्था की गई।

आरोपियों ने नौकरी पक्की कराने के नाम पर पीड़ित से नकद और बैंक खाते के माध्यम से कुल 2 लाख 20 हजार रुपये ऐंठ लिए। सप्ताहभर तक ट्रेनिंग देने के बाद उनसे यह भी कहा गया कि यदि वे तीन–चार अन्य लोगों को अपने साथ जोड़ेंगे तो उनकी नौकरी स्थायी कर दी जाएगी और उन्हें वेतन भी मिलना शुरू हो जाएगा। अन्य पीड़ितों ने भी लगभग साढ़े चार लाख रुपये ठगे जाने की बात बताई है।

संभल हिंसा का एक साल : हिंदू पक्ष का दावा पेश होने के बाद शुरू हुआ था जामा मस्जिद का सर्वे, हो गया था बवाल

संभल, 24 नवंबर (एजेंसियां)। संभल में पिछले साल 24 नवंबर को भीड़ जामा मस्जिद तक पहुंचना बड़ी चूक साबित हुई थी। भीड़ ज्यादा हुई और बवाल का रूप ले लिया। इससे चूक से अधिकारियों ने सबक लिया और सुरक्षा को मजबूत किया है। जामा मस्जिद के नजदीक ही सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। हिंदूपुरा खेड़ा और दीपा सराय में पुलिस चौकियों का निर्माण किया है। संभल में जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष ने चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए 19 नवंबर को दावा पेश किया था। हिंदू पक्ष का कहना था कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

हिंदू पक्ष द्वारा दावा पेश करने के दिन ही न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया था। उसी दिन कोर्ट कमिश्नर ने मस्जिद पहुंचकर सर्वे भी किया था। सर्वे पूरा नहीं होने के चलते कोर्ट कमिश्नर लौट गए थे। इसके बाद वह 24 नवंबर की सुबह पहुंचे थे।

इस सर्वे के दौरान ही बवाल हुआ था। हालांकि मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद टीले पर बनी है। किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनाई गई है।

भविष्य में चूक न हो, इसलिए मजबूत की शहर की सुरक्षा

संभल में पिछले साल 24 नवंबर को भीड़ जामा मस्जिद तक पहुंचना बड़ी चूक साबित हुई थी। भीड़ ज्यादा हुई और बवाल का रूप ले लिया। इससे चूक से अधिकारियों ने सबक लिया और सुरक्षा को मजबूत किया है। जामा मस्जिद के नजदीक ही सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण किया गया है। हिंदूपुरा खेड़ा और दीपा सराय में पुलिस चौकियों का निर्माण किया है। इन इलाके में ही भीड़ एकत्र हुई और जामा मस्जिद तक पहुंची। इसकी भनक पुलिस को नहीं लगी। क्योंकि इन इलाके में चेक पोस्ट तक नहीं था। अब पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। रायसत्ती पुलिस चौकी को थाना बना दिया गया है। इससे भी शहर में सुरक्षा मजबूत हुई है। एसपी का कहना है कि जिले में दो थाने और 33 पुलिस चौकियां और पांच पोस्ट बनाए गए हैं। संभल शहर की सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। शहर के अंदर भी पूरी निगरानी है। बवाल के बाद शहर में चौकसी बढ़ाई गई है। जिससे किसी भी हलचल का तत्काल पता किया जा सके।

एटीएस यूनिट के कार्यालय के लिए जमीन तय

एटीएस की यूनिट संभल में अस्थाई तौर पर चल रही है। स्थायी कार्यालय बनाने के लिए हयातनगर थाने से करीब दो किलोमीटर दूरी पर जमीन चिह्नित कर ली गई है। जल्द ही यूटिन के कार्यालय का काम शुरू किया जाएगा। एटीएस की यूनिट भी बवाल के बाद ही स्थापित करने का निर्णय शासन ने लिया है। क्योंकि संभल में आतंकी गतिविधियों के कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं। इसको देखते हुए यह निर्णय लिया गया। इससे भी सुरक्षा को मजबूती मिली है। एसपी ने बताया कि जमीन चिह्नित कर ली गई है। जल्द ही यूनिट के कार्यालय का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। अभी अस्थायी तौर पर कार्यालय बनवा दिया गया है।

जिले में इस समय तीन आईपीएस अधिकारी हैं। एसपी के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा और सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार भाटी। पहली बार ऐसा है कि जिले में तीन आईपीएस अधिकारियों को तैनाती मिली है।

एसआईआर प्रक्रिया में देरी, 17 बीएलओ पर एफआईआर दर्ज

नोएडा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची के एसआईआर में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जेवर क्षेत्र में एसआईआर में देरी और गणना प्रपत्रों की प्रक्रिया को धीमा करने के आरोप में 17 बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। यह कार्रवाई एसडीएम के आदेश पर की गई। जानकारी के अनुसार, मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म्स भरवाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा था, जिससे निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। प्रशासन के बार-बार निर्देशों के बाद भी बीएलओ अपने निर्धारित दायित्वों को सही ढंग से पूरा नहीं कर रहे थे। एसआईआर अभियान के तहत लोगों से गणना प्रपत्र भरवाने का काम 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चल रहा है। लेकिन अब तक 1 लाख से कम लोग, यानी कुल संख्या का केवल 25 प्रतिशत ही अपना विवरण जमा कर सके हैं। निर्देशों के अनुसार बीएलओ को घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की जिम्मेदारी दी गई थी, ताकि कोई भी मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और सभी जानकारी सही तरीके से अपडेट हो सके।

एसआईआर को लेकर राहुल गांधी जानबूझकर मचा रहे शोरः राजीव रंजन प्रसाद

पटना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर राजनीति धमने का नाम नहीं ले रही है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और विपक्ष के लोग जानबूझकर शोर मचा रहे हैं। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, एसआईआर पर कहीं से कोई दिक्कत नहीं है।

बिहार में यह पूरी तरह से सफल रहा था। बिहार की जनता ने एसआईआर और एनडीए पर विश्वास जताया है। इसका परिणाम सभी ने बिहार विधानसभा चुनाव में देख लिया है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए राजीव रंजन ने कहा कि एसआईआर को लेकर राहुल गांधी बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं क्योंकि उनके पास करने के लिए और कुछ नहीं है। कांग्रेस पार्टी में नेता और कार्यकर्ता दोनों असहज हो गए हैं और इसके साथ ही इन लोगों के पास कोई और मुद्दा नहीं बचा है, जिससे वह जनता को गुमराह कर सकें।

रामजन्मभूमि के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे पीएम

आज पूरी दुनिया देखेगी अद्भुत नजारा

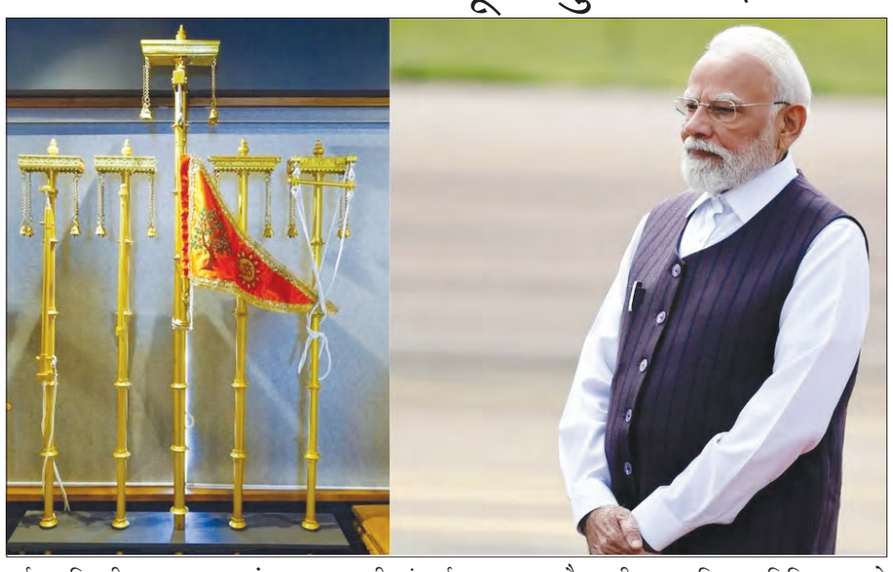

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में रामजन्मभूमि के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे। अयोध्या में पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं। अयोध्या के हर चौराहे पर रामधुन बजाई जा रही है। शहर के मेयर गिरिशपति त्रिपाठी ने शहरवासियों के इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल रामजन्मभूमि के शिखर पर भगवा ध्वज का आरोहण करेंगे।

कैसी होगी ध्वजा?

पीएमओ के एक बयान में कहा गया है कि समकोण त्रिभुजाकार ध्वज की ऊंचाई 10 फुट और लंबाई 20 फुट है। इस पर एक दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर है जो भगवान राम के तेज और वीरता का प्रतीक है। इस पर 'ॐ' अंकित है और कोविदार वृक्ष की तस्वीर भी है। पीएमओ ने कहा कि पवित्र भगवा ध्वज गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा और राम राज्य के आदर्शों का प्रतीक होगा। उसने कहा कि यह ध्वज पारंपरिक उत्तर भारतीय नागर वास्तुशैली में निर्मित 'शिखर' के शीर्ष पर फहराया जाएगा, जबकि इसके चारों ओर 800 मीटर लंबा परकोटा दक्षिण भारतीय वास्तुशैली में डिजाइन किया गया है, जो मंदिर की वास्तुशिल्प विविधता को दर्शाता है।

पीएम नरेंद्र मोदी सप्तमंदिर जाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में अपने प्रवास के दौरान सप्तमंदिर जाएंगे, जहां महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। बयान में कहा गया है कि वह माता अन्नपूर्णा मंदिर भी जाएंगे और राम दरबार गर्भ गृह में दर्शन और पूजन करेंगे, जिसके बाद वह रामलला गर्भ गृह में दर्शन करेंगे। पीएमओ के एक बयान में कहा गया है कि दोपहर करीब 12 बजे, प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के 'शिखर' पर भगवा ध्वज फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नये अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री भी लोगों को संबोधित करेंगे।

कल पूरी दुनिया अद्भुत नजारा देखेगी- ब्रजेश पाठक

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल ध्वजारोहण करने वाले हैं। गत 22 जनवरी 2024 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या धाम में प्रभु राम लाल के मंदिर का लोकार्पण किया था, तब दुनिया सनातन संस्कृति को स्थापित होते देख रही थी, हजारों साल का संघर्ष पूरा हो रहा था। उन्होंने आगे कहा कि कल जब ध्वजा गर्भगृह के सर्वोच्च शिखर पर फहराई जाएगी, तब पूरी दुनिया सनातन धर्म का चरमोत्कर्ष अपनी आंखों से देखेगी। ध्वजा के बारे में हम सब जानते हैं कि ब्रह्मांड की जो ऊर्जा है, वह ध्वजा के माध्यम से गर्भगृह की ऊर्जा को एक करने का काम करती है। यह अद्भुत नजारा कल पूरी दुनिया अपनी आंखों से देखेगी।

मोदी सरकार न बनती तो शायद भव्य राम मंदिर न बन पाता- केशव

यूपी के सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या में मंगलवार के कार्यक्रम पर बात करते हुए कहा, "सबसे बड़ा दिन है, हर राम भक्त के लिए, हर पूज्य साधु-संत के लिए, हर राष्ट्र भक्त के लिए, हर कार सेवक के लिए, हर श्रीराम जन्मभूमि के एक-एक कार्यकर्ता और सिपाही के लिए क्योंकि यह जो धर्म ध्वजा लगने जा रही है, यह करोड़ों राम भक्तों ने जो संघर्ष किया, लाखों राम भक्तों ने जो बलिदान दिया, यह उनके त्याग, तप, तपस्या, बलिदान का प्रतीक होगा। इससे पूरा देश अनंतकाल तक गौरव की अनुभूति करेगा।"

उन्होंने आगे कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ये सरकार नहीं बनती तो शायद रामलला के भव्य मंदिर का यह स्वरूप हम देख नहीं पाते। हम लोगों ने नारा लगाया था छोटी आयु से कि सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे। सौगंध राम की खाते हैं मंदिर भव्य बनाएंगे, जो सौगंध खायी गई थी, वह पूरी हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष प्रण पूरा हो गया है।

क्रिसमस को अशोभनीय थीम से जोड़ने पर भड़का विवाद

गोवा पुलिस की बड़ी कार्रवाई; विवादित इवेंट पर लगाई रोक

पणजी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां क्रिसमस को एक अशोभनीय थीम से जोड़ने पर नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बात को ऐसे समझिए कि बीते कई दिनों से 'टेल्स ऑफ कामसूत्र एंड क्रिसमस सेलिब्रेशन' नाम का एक कार्यक्रम सोशल मीडिया पर खुब प्रचारित किया जा रहा था।

इस विज्ञापन में क्रिसमस और कामसूत्र को जोड़कर दिखाया गया, जिस पर लोगों ने भारी नाराजगी जताई। बढ़ते विरोध को देखते हुए गोवा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और कार्यक्रम को रोकने के आदेश जारी किए। पुलिस ने आयोजकों को साफ निर्देश दिया कि वे इवेंट न करें और सभी विज्ञापन सोशल मीडिया से तुरंत हटाएं। साथ ही, राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों को ऐसे आयोजनों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है।

मामले में गोवा के एनजीए 'अर्ज' के संस्थापक अरुण पांडे ने शिकायत दर्ज कराई। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'ओशो' के नाम पर क्रिसमस और मेडिटेशन के नाम पर गोवा को गलत तरह से प्रचारित पर्यटन स्थान दिखाना गलत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने क्राइम ब्रांच में शिकायत दी है और उम्मीद है कि आयोजकों पर सख्त कार्रवाई होगी।

कैथोलिक संगठनों ने भी जताई आपत्ति

इतना ही नहीं मामले में गोवा कैथोलिक एसोसिएशन ने भी पुलिस में शिकायत की, जिसमें कहा गया कि यह कार्यक्रम धार्मिक भावनाओं को आहत करता है और अश्लीलता को बढ़ावा देता है। दूसरी ओर भारत के कैथोलिक बिशप्स सम्मेलन (सीसीबीआई) के अध्यक्ष और गोवा के आर्चबिशप फिलीपे नेरी कार्डिनल फेराओ ने इस विज्ञापन को गैर-जिम्मेदाराना और बेहद आपत्तिजनक बताया।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

1.6 करोड़ रुपए का स्टॉक मार्केट फ्रॉड उजागर, तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच साइबर सेल ने देशव्यापी स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट फ्रॉड के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह ने नकली प्री-आईपीओ स्कीम, फर्जी फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और हाई-रिटर्न के लालच में लोगों से करीब डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा ठग लिए। पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें दो नकली कंपनियों के संचालक शामिल हैं। पूरे मामले की शुरुआत एक पीड़िता की शिकायत के बाद हुई, जिसे सोशल मीडिया पर एक महिला ने यूके के कथित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म 'स्प्रेडेक्स ग्लोबल लिमिटेड' में निवेश का लालच दिया। पीड़िता ने कुल 1.6 करोड़ रुपए गंवा दिए। जब उसने मुनाफा निकालने की कोशिश की तो अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया। जांच में पता चला कि ठगी का पैसा दो फर्जी कंपनियों के खातों में जा रहा था। इन कंपनियों के नाम जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्वी दिल्ली के शकरपुर में फर्जी ऑफिस) और उद्यम विमेन एम्पावरमेंट फाउंडेशन (महाराष्ट्र से संचालित) हैं।

मुंबई की सड़कों से भीड़ कम करने के लिए 'पाताल लोक' योजना-सीएम बोले-सुधरेंगे हालात

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार मुंबई में ट्रैफिक जाम और भीड़ की समस्या को कम करने के लिए एक बड़ा भूमिगत सुरंग नेटवर्क बना रही है। इसे उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में पाताल लोक यानी समानांतर सड़क व्यवस्था बताया।

पाताल लोक शब्द इसी नाम की एक चर्चित वेब सीरीज की वजह से लोकप्रिय हुआ है। फडणवीस ने इसी शब्द का इस्तेमाल प्रस्तावित भूमिगत सड़क नेटवर्क को समझाने के लिए किया। हालांकि, पाताल लोक जमीन से नीचे की एक दुनिया को भी माना जाता है। आईआईएमयूएन (इंडिया जइंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस) के यूथ कनेक्ट सत्र में उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सुरंगों का जाल कई दिशाओं में फैला होगा और पूरे शहर को कवर करेगा। उन्होंने कहा, "हम मुंबई शहर में पूरी तरह से भीड़भाड़ कम करने के लिए एक पाताल लोक, यानी सुरंगों का नेटवर्क बना रहे हैं।" यह नेटवर्क मौजूदा प्रमुख रास्तों के समानांतर व्यवस्था के तौर पर काम करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह व्यवस्था मौजूदा सड़कों के समानांतर चलेगी और बढ़ते मेट्रो कॉरिडोर इस योजना को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिण मुंबई से भायंदर (ठाणे जिले) तक बनने वाली कोस्टल रोड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के लिए बिना रुकावट वाला समानांतर मार्ग बनेगी। उन्होंने कहा, "मुंबई की 60 फीसदी आबादी वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर चलती है। जब तक इस पर भीड़ (वाहनों की) कम नहीं की जाती, समाधान संभव नहीं है।" उन्होंने कहा, "हम समानांतर सड़कों का नेटवर्क बना रहे हैं। जहां आपके वाहन की औसत गति 80 किमी प्रति घंटे होगी।"

फडणवीस ने निर्माणाधीन कई सुरंग परियोजनाओं का जिक्र किया, जिनमें ठाणे-बोरीवली और मुलुंड-गोरगांव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व-पश्चिम के बीच की कनेक्टिविटी सुधरेगी। बोरीवली और गोरेगांव के बीच समानांतर सड़क और अगले वर्ष तक तैयार होने वाला वर्ली-शिवड़ी कनेक्टर अटल सेतु से बांद्रा-वर्ली सी लिंक तक बिना रुकावट की यात्रा सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बताया कि अटल सेतु से गिरगांव चौपाटी तक ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के रास्ते में बनने वाली सुरंग तीन वर्षों में पूरी हो जाएगी।

आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार मामला

राबड़ी देवी ने सुनवाई स्थानांतरित करने के लिए दायर की अर्जी, मंगलवार को सुनवाई

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई स्थानांतरित करने के लिए दिल्ली की एक अदालत में अर्जी दायर की है।

अदालत मंगलवार को याचिका पर सुनवाई कर सकती है। यह मामला अभियोजन पक्ष के साक्ष्य के चरण में है। इस मामले में आरजेडी प्रमुख और बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी आरोपी हैं।

असम में बीएलओ को आदेश

वोटरों की गलत फोटो बदलें:बिहार में मिले थे कुत्ते-बिल्ली के फोटो

राहुल बोले-एसआईआर रिफॉर्म नहीं, थोपा हुआ जुल्म

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में वोटर लिस्ट में बिल्लियों–कुत्तों की तस्वीरें मिलने के दावों के बाद निर्वाचन आयोग ने असम के बीएलओ को निर्देश दिया है कि वे मतदाता सूची में नॉन-ह्यूमन, ब्लैक एंड व्हाइट, गलत स्पेसिफिकेशन, और बिना फोटो वाली प्रविष्टियों की पहचान कर उन्हें सही तस्वीरों से बदलें।

आयोग ने कहा कि इसके लिए सॉफ्टवेयर-आधारित रिपोर्ट तैयार की जाए और बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन करें।

असम में विशेष पुनरीक्षण (एसआर) 17 नवंबर से शुरू हो चुका है और अंतिम सूची 10 फरवरी 2026 को प्रकाशित होगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि एसआईआर ने देश में अराजकता फैला दी है। 3 हफ्तों में 16 बीएलओ की मौत इससे साबित होती है। नागरिकों को 22 साल पुराने पन्नों में नाम खोजने पर मजबूर किया जा रहा है। हार्ट अटैक, स्ट्रेस, सुसाइड - एसआईआर कोई रिफॉर्म नहीं है, यह थोपा हुआ ज़ुल्म है। इधर, केरल और तमिलनाडु सरकारों के बाद तमिलगा वेत्री कझगम ने तमिलनाडु में एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रोसेस को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

फाइनल इलेक्टर लिस्ट 7 फरवरी 2026 को पब्लिश होगी

जिन 12 राज्यों और यूटीएस में एसआईआर चल रहा है, उनमें अंडमान और निकोबार आइलैंड्स, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कुल 51 करोड़ में से 50.47 करोड़ लोगों को फॉर्म बांटे जा चुके हैं। फाइनल इलेक्टर लिस्ट 7 फरवरी, 2026 को पब्लिश होनी है। एसआईआर के 20वें दिन तक बंगाल में लगभग 7.64 करोड़ एन्यूमरेशन फॉर्म बांटे जा चुके हैं। फॉर्म बांटने के मामले में अब तक 7.66 करोड़ वोटरों में से कुल 99.75 प्रतिशत को कवर किया जा चुका है। अब तक कुल 3.77 करोड़ भरे हुए फॉर्म, या 49.26% ऑनलाइन अपलोड किए जा चुके हैं।

नोएडा में एसआईआर में लापरवाही पर 67 पर एफआईआर

नोएडा में एसआईआर में लापरवाही के आरोप में जिला प्रशासन ने 60 बीएलओ और 7 पर्यवेक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। अधिकारियों पर निर्देशों का पालन न करने और कर्तव्य में लापरवाही के आरोप लगे हैं।

'भाजपा और टिपरा मोथा के बीच दरार पैदा करने की कोशिश'

अगरतला, 24 नवंबर (एजेंसियां)। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) सुप्रीमो प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने आरोप लगाया है कि कुछ 'स्वार्थी लोग' भाजपा और टिपरा मोथा के बीच विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि त्रिपुरा की गठबंधन सरकार को कमजोर किया जा सके। प्रद्योत ने दावा किया कि एक राज्य मंत्री खुद आदिवासी समुदाय के बीच तनाव भड़काने में लगे हुए हैं। उनके बयान ऐसे समय आए हैं जब जंपुइजाला (सेपाहिजाला) और खूमलुंग (पश्चिम त्रिपुरा) में दोनों दलों के समर्थकों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इन दोनों जिलों की सीमाएं एक-दूसरे से लगती हैं। हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री माणिक साहा ने 'कम्युनिस्ट मानसिकता' को जिम्मेदार बताया था। पुलिस ने अब तक चार एफआईआर दर्ज की हैं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। ये घटनाएं 18 से 20 नवंबर के बीच हुईं।

पंजाब में सियासी भूचाल : चंडीगढ़ के फैसले पर केंद्र पर भड़के केजरीवाल, शिअद ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

चडीगढ़, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ को पंजाब राज्यपाल के सांविधानिक दायरे से बाहर लाने की तैयारी की जा रही है। एक दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार इस संदर्भ में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2025 ला रही है। केंद्र सरकार के इस फैसले ने पंजाब में सियासी भूचाल ला दिया है। वहीं अब फैसले का विरोध शुरू हो गया है। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार समेत तमाम विरोधी दल केंद्र सरकार को जमकर हमला बोल रहे हैं। ऐसे में पंजाब की सियासत एक बार फिर से गरमा गई है। आप, कांग्रेस और शिअद नेता इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जता रहे हैं। नेताओं ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर भाजपा सीधा हमला कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा संविधान संशोधन के माध्यम से चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है।

दिल्ली में गलत रनवे पर उतरा अफगानिस्तान का प्लेन

उड़ान भरने वाले रनवे पर हो गई लैंडिंग, गनीमत रही इस पर कोई विमान नहीं था

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अफगानिस्तान का एक विमान उड़ान भरने वाले रनवे पर उतर गया। गनीमत रही कि इस रनवे पर कोई दूसरा विमान नहीं था। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। घटना रविवार दोपहर 12:06 बजे की है, लेकिन सोमवार सुबह मीडिया में आई। अफगानिस्तान की एरियाना एयरलाइंस की यह फ्लाइट एफजी 311 काबूल से आ रहा था।

सूत्रों के मुताबिक, विमान को रनवे 29 लेफ्ट (29एल) पर लैंडिंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन पायलट ने गलती से इसे रनवे 29 राइट (29आर) पर उतार दिया। यह रनवे आमतौर पर टेकऑफ के लिए इस्तेमाल होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय रनवे 29आर पर कोई विमान टेकऑफ के लिए मौजूद नहीं था, वरना गंभीर हादसा हो सकता था। एविएशन अथॉरिटीज ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उनका कहना है कि अफगानिस्तान के एविएशन अधिकारियों को इस गंभीर गलती को लेकर रिपोर्ट भेजी जाएगी।

अधिकारी बोले- ये 'मिरेकल एस्केप'

दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने विमान के गलत रनवे पर उतरने की घटना को 'मिरेकल एस्केप' बताया है। यानी, जब बहुत बड़ा हादसा होने की संभावना हो, लेकिन किसी संयोग या किस्मत से वह टल जाए।

देहरादून में पक्षी से टकराई इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट

186 पैसेंजर सवार, मुंबई से आई; दूसरे विमान से यात्रियों को भेजा

देहरादून, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुंबई से उत्तराखंड के देहरादून आ रहा इंडिगो एयरलाइंस का विमान आसमान में पक्षी से टकराने से क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग करवा कर जांच की गई। फ्लाइट में 186 पैसेंजर सवार थे। फ्लाइट के आगे के हिस्से को कुछ नुकसान पहुंचने की सूचना है। वहीं, इस फ्लाइट से वापस जाने वाले पैसेंजरों को दूसरी फ्लाइट से भेजा गया है। देहरादून एयरपोर्ट डायरेक्टर भूपेश नेगी ने बताया कि शाम 6:40 बजे मुंबई से देहरादून आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या आईजीओ 5032 एयरबस 320 विमान में पक्षी के टकराए जाने की सूचना मिली। इसके बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। रनवे और परिसर को खंगाला गया। मामले की जानकारी रविवार रात को दी गई। एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि लैंडिंग के दौरान संदिग्ध पक्षी के फ्लाइट से टकराने की सूचना मिली। इसके बाद फ्लाइट को लैंडिंग कराकर जांच की गई। लैंडिंग के बाद निरीक्षण करने पर रनवे पर या हवाई अड्डे की परिधि के भीतर कुछ भी नहीं मिला।

जनगणना 2027: पहले चरण में घर–घर पहुंचेगी टीम

मकान से जुड़े 30+ सवाल तय; इंटरनेट-ऊर्जा तक देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नए साल में जनगणना वाले कई सवाल लेकर आपके घर पर दस्तक देंगे। वे घर के निर्माण से लेकर उसके उपयोग के बाबत तमाम जानकारी एकत्र करेंगे। मसलन सौर ऊर्जा से लेकर इंटरनेट के इस्तेमाल तक की जानकारी मांगी जाएगी। घर के फर्श, छत व दीवारें किस चीज से बनीं हैं। मकान का उपयोग आवास के रूप में होता या उसमें कार्यालय, गेस्ट हाउस या पूजा स्थल भी है। पीने का पानी नहर, नदी, कुएं हैंडपंप व नल से मिलता है या सीलबंद पैकेट या बोतल का पानी उपयोग में आता है। यह सब जानकारियां भी हासिल की जाएंगी। टेलीफोन या स्मार्टफोन तक की जानकारी भी साझा करनी है।

इस कवायद का मकसद देश के लोगों के रहन सहन के स्तर को जानना है। इससे निकले आंकड़े विकसित भारत की मुहिम में नई नीतियां बनाने व मौजूदा नीतियों में कमियों को दूर करने में सहायक होंगे। भारत सरकार ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए मकान सूचीकरण व मकान गणना अनुसूची सूची तैयार करने का अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए प्रगणक घर घर दस्तक देंगे। इसके लिए 30 से ज्यादा सवालों की सूची तैयार कर ली गई है। इससे संबंधित अधिसूचना जल्द जारी होगी।

मोटर कार से लेकर मोपेड तक जानकारी दर्ज होगी

मकान मलिक से घर में कार, मोटर साइकिल, साइकिल व मोपेड के बारे में जानकारी ली जाएगी। यह पता किया जाएगा घर में खाना बनाने में लकड़ी, फसल अपशिष्ट , उपले कोयला, गोबर गैस, मिट्टी का तेल, एलपीजी, पीएनजी, बिजली व सौर ऊर्जा में किसका इस्तेमाल होता है। फर्श कच्चा है या पत्थर, टाइल, ईंट या सीमेंट का है। टीवी में डिश व डीटीएच की सुविधा, लैपटॉप, लैंडलाइन व मोबाइल फोन की जानकारी भी देनी है। गेहूं , ज्वार , चावल , बाजरा, मक्के के उपयोग के बाबत भी सवाल होंगे।

ऑनलाइन गणना से जल्द आएंगे आंकड़े

जनगणना 2027 का पहला चरण अगले साल अप्रैल से शुरू होगा। इसमें मकानों व उसमें रहने वालो के रहन सहन के स्तर का ब्यौरा एकत्र होगा। वर्तमान में लद्दाख व पश्चिम बंगाल को छोड़कर पूरे देश में पहले चरण के मकान सूचीकरण के काम का पूर्वाभ्यास चल रहा है।

प्रगणकों को इसमें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह प्रगणक ऑनलाइन व घर घर जाकर दोनों तरह से आंकड़ों को एकत्र करेंगे। पहली बार डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होने से जनगणना के आंकड़े भी जल्द सामने आ सकेंगे। पहले की जनगणनाओं में मुख्य आंकड़े तो आ जाते थे लेकिन विस्तृत आंकड़े आने में कई साल लगते थे। दूसरे चरण के तहत 2027 में पूरे देश की जनगणना कराई जाएगी। इसमें जातिगत जनगणना भी शामिल है। आजादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना होनी है इसलिए इस काम को बहुत ही चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। जनगणना में पहली बार मोबाइल ऐप व पोर्टल का उपयोग होगा। उसके लिए सवाल अलग से तैयार होंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 25 नवंबर- 2025

जरूरतमंद को ही आरक्षण

अपने कार्यकाल के आखिरी दिन भी चीफ जस्टिस बीआर गवई ने आरक्षण से जुड़े उस महत्वपूर्ण मामले को उठाने में कोई संकोच नहीं किया, जिस पर वह अक्सर बोलते रहे हैं। इसके पहले भी उन्होंने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) में भी क्रीमीलेयर लागू करने की वकालत की थी। चीफ जस्टिस गवई ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन भी इस मुद्दे से जुड़े जिन पहलुओं को उठाया, वे अपनी जगह बिल्कुल सही हैं और उन पर गौर किए जाने की जरूरत है। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने साफ कहा कि रिजर्वेशन उसी को मिलना चाहिए, जो उसके लिए जरूरतमंद है। देखा जाए तो आरक्षण का उद्देश्य भी यही रहा है - सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने के लिए, समान अवसर प्रदान करना। लेकिन अक्सर देखने में आ रहा है कि पिछड़े वर्गों के भीतर भी जो आगे बढ़ चुके हैं, उन्हें हमेशा के लिए इस लाभ से वंचित नहीं होना चाहते। जिसकी वजह से कई लोग अपने हक से वंचित रह जाते हैं। देखा जाए तो क्रीमीलेयर का सवाल नया नहीं है, समय-समय पर यह मुद्दा गरमाता रहा है। तमिलनाडु सरकार ने 1969 में पिछड़े वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए सत्तनाथन कमिशन का गठन किया था। इसी कमिशन ने पहली बार क्रीमीलेयर का कॉन्सेप्ट देश के सामने पेश किया था। 1986 में कर्नाटक सरकार से जुड़े एक मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार को आर्थिक आधार पर जांच लागू करनी चाहिए ताकि सही लोगों को आरक्षण का लाभ मिल सके। इसमें किसी की हकमारी नहीं होना चाहिए। इस मामले में इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ का मुकदमा एक नजीर के रूप है। इसी में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50% और ओबीसी में क्रीमीलेयर लागू करने का फैसला दिया था। इसके बाद केंद्र ने एक आयोग गठित किया, ताकि क्रीमीलेयर को परिभाषित किया जा सके। जब एक वर्ग में क्राइटेरिया तय किया जा चुका है, तो इसे दूसरे वर्गों में भी आजमाने में दिक्कत नहीं आनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में एससी/एसटी कैटिगरी के भीतर सब-कैटिगरी को मंजूरी दी थी ताकि वर्ग के भीतर मौजूद हर जाति तक आरक्षण का फायदा पहुंच सके और कोई खास तबका ही लाभान्वित न होता रहे। आज की तारीख में क्रीमीलेयर भी इसी मकसद के लिए जरूरी है। 50 साल पहले जस्टिस कृष्ण अय्यर ने आरक्षण की इसी खामी की ओर ध्यान दिलाया था कि ऊपरी तबका सारे लाभ ले जाता है और कमजोर वर्ग के लोग अपने हिस्से को लुटते-पिटते देखने को मजबूर हो जाते हैं। इस समय पूरे देश में आरक्षण की सीमा को लेकर चर्चा जोरो पर है। सबसे बड़ी मांग तो यही है कि 50% लिमिट हटनी चाहिए। लेकिन, अगर जरूरतमंदों को फायदा नहीं मिल रहा, तो कोई भी लिमिट आरक्षण के उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकती। जो आगे बढ़ चुके हैं, उन्हें दूसरों का रास्ता रोकने के बजाय, आगे से हटकर पीछे वालों को रास्ता देना चाहिए, ताकि समाज के अन्य वर्ग भी इस सरकारी लाभ का फायदा उठा सकें।

जान की दुश्मन बन रही है एसआईआर

ज्ञान चंद पाटनी

भारत के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान इन दिनों जोर-शोर से चल रहा है। चिंताजनक बात यह है कि इस प्रक्रिया के तनाव और चुनौतियों के कारण बीएलओ और मतदाताओं दोनों के स्वास्थ्य—मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है जिससे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है जब मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान इस तरह के दुखद मामले सामने आए हैं। इससे साफ है कि इस प्रक्रिया में गंभीर खामियां हैं जिनको अब तक दूर नहीं किया गया है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण का काम चुनाव प्रक्रिया की अहम कड़ी है। भारत निर्वाचन आयोग ने संविधान अनुच्छेद 324 व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत 9 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों—छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी—में इस अभियान का दूसरा चरण शुरू किया है। इस दौरान मतदाताओं की सूची एक महीने में अपडेट की जानी है।

इस अभियान के तहत प्रत्येक मतदाता को एक गणना प्रपत्र दिया गया है जिसे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) कम से कम तीन बार घर-घर जाकर वितरित और एकत्रित कर रहे हैं। पूरे देश में 5.3 लाख से अधिक बीएलओ, 7.64 लाख बीएलए और हजारों ईआरओ/डीईओ इस प्रक्रिया में लगे हैं। इसका उद्देश्य योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र या मृत व्यक्तियों का नाम हटाना है। बीएलओ मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की रीढ़ हैं लेकिन इस बार समय-सीमा में काम पूरा करने का भारी दबाव है और तकनीकी दिक्कतें भी सामने आ रही हैं। इससे मानसिक तनाव, थकान और कई बार हार्ट अटैक या अवसाद जैसी स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दिक्कतें पैदा हो रही हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्यवार समीक्षा बैठकों में बीएलओ की समस्याएं लगातार सामने आई हैं। दिनोंदिन मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ को ज्यादा मुश्किल हो रही है। इसके चलते आत्महत्या और बीमार पड़ने के कई दुर्भाग्यपूर्ण मामले भी दर्ज हुए हैं। दूसरी तरफ पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सटीक करने की कोशिश के बावजूद कई मतदाता इस आशंका से परेशान हैं कि उनके या परिवार के सदस्य का नाम सूची से कट सकता है। जिन क्षेत्रों, खासतौर पर पश्चिम बंगाल में नागरिकता को लेकर विवाद है, वहां सामाजिक तनाव और अविश्वास की स्थिति ज्यादा है। कुछ घटनाओं में यह देखा गया कि नाम हटने की आशंका या मतदान अधिकार खोने का डर इतना गहरा था कि व्यक्ति ने आत्महत्या तक कर ली।

एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की मौत और मतदाताओं द्वारा आत्महत्या के मामलों ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गहरा चिंता पैदा कर दी है। कुछ राजनीतिक दलों ने भी इस मामले को प्रमुखता से उठाया है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया को "खतरनाक" बताया है। उन्होंने इस हालत के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दबाव और अव्यवस्था के कारण कई बीएलओ आत्महत्या कर चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि और कितनी जानें जाएंगी। उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले में गंभीर समीक्षा करने की मांग की है। वे चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए इस प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की मौतों पर चुनाव आयोग के रवैये पर सवाल उठाए हैं।

दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत की नई चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ

बांग्लादेश की राजनीति में अभूतपूर्व उथल-पुथल के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश के न्यायाधिकरण द्वारा मृत्युदंड सुनाया जाना केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक परिदृश्य को हिला देने वाला ऐतिहासिक घटना-क्रम है। यह सजा उस समय सुनाई गई जब हसीना पहले से ही भारत में राजनीतिक शरण जैसी स्थिति में रह रही थीं और बांग्लादेश में उनकी सरकार के विरोध में विस्तृत जन-आक्रोश तथा हिंसक आंदोलनों की पृष्ठभूमि मौजूद थी। इस फैसले ने बांग्लादेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और शासन की स्थिरता को तीव्र विवाद के केंद्र में ला दिया है। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह स्थिति भारत को किस प्रकार गहरे कूटनीतिक द्वंद्व में धकेल रही है, जहाँ हर कदम क्षेत्रीय समीकरणों और द्विपक्षीय हितों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकता है।

भारत के लिए सबसे पहली चुनौती यह है कि वह इस फैसले पर कैसी आधिकारिक प्रतिक्रिया दर्ज करे। भारत बांग्लादेश का सबसे नजदीकी और सबसे बड़ा साझेदार देश है, जिसके साथ सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा, सीमा-प्रबंधन, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक अन्तःसंबंध जैसे अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्र जुड़े हुए हैं। इसलिए भारत किसी भी प्रकार की खुली निंदा या समर्थन का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकार, न्यायिक निष्पक्षता और राजनीतिक स्थिरता के सिद्धांतों को भी साथ में लेकर चलना है, जो उसे क्षेत्रीय नेतृत्व के मानक पर कसते हैं। इसके साथ ही बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप-नही-करने की नीति भी भारत के लिए अनिवार्य वास्तविकता है। यही कारण है कि भारत के कूटनीतिक वक्तव्यों का स्वर अत्यंत संयत, सावधान और संतुलित रहा है। भारत के सामने दूसरी बड़ी चुनौती शेख हसीना की सुरक्षा और उनके प्रत्यर्पण की संभावित मांग है। हसीना लंबे समय से भारत में सुरक्षित हैं और बांग्लादेश की नई सत्ता-व्यवस्था व न्यायाधिकरण द्वारा उनका प्रत्यर्पण माँगा जाना लगभग निश्चित है।

लेकिन भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक अपराध अपवाद का स्पष्ट उल्लेख है, जो भारत को कानूनी आधार देता है कि वह हसीना को बांग्लादेश भेजने से इनकार कर सके। इसके अतिरिक्त, यदि भारत उन्हें प्रतिपक्षीय हिंसा या पक्षपातपूर्ण मुकदमे का शिकार मानता है, तो प्रत्यर्पण देना भारत के मानवाधिकार और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध होगा। किंतु इससे बांग्लादेश सरकार के साथ तनाव बढ़ सकता है, और भारतीय कूटनीति को इसे अत्यंत सावधानी से संभालने की आवश्यकता है।

भारत को इस स्थिति का तीसरा बड़ा आयाम क्षेत्रीय स्थिरता के संदर्भ में देखना आवश्यक है। भारत और बांग्लादेश लगभग चार हजार किलोमीटर लंबी साझा सीमा साझा करते हैं, जहाँ अशांति फैलने या राजनीतिक हिंसा बढ़ने से सीमा सुरक्षा, सीमा-पार अपराध, अवैध आवागमन, शरणार्थी प्रवाह और कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिज़ोरम और असम जैसे राज्यों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ सकता है। बांग्लादेश की स्थिरता भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी किसी अन्य राष्ट्रीय रणनीति के लिए। इसलिए भारत चाहता है कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया, सामाजिक शांति और प्रभावी शासन जितनी जल्दी बहाल हो सके, उतना बेहतर है। एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि बांग्लादेश की राजनीति में अस्थिरता से भारत-बांग्लादेश आर्थिक संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापारिक विनिमय, औद्योगिक सहयोग, बिजली और गैस पाइपलाइन परियोजनाएँ, बंदरगाह विकास समझौते, सीमा-पार रेल और सड़क कनेक्टिविटी, और कई आर्थिक गलियारे चल रहे हैं। यदि बांग्लादेश में राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इन परियोजनाओं की गति धीमी पड़ सकती है, निवेश वातावरण प्रभावित हो सकता है और व्यापार बाधित हो सकता है। यह विशेष रूप से उस समय और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब क्षेत्रीय शक्तियाँ—विशेषतः चीन—बांग्लादेश में सक्रिय रूप से अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हों।

चीन-बांग्लादेश संबंध भारत के लिए लंबे समय से चिंता का विषय रहे हैं। चीन ने बांग्लादेश में बड़े-बड़े बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं, समुद्री समझौतों और सामरिक ठिकानों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया है। यदि राजनीतिक अस्थिरता के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंध कमजोर पड़ते हैं, तो यह चीन को एक बड़ा अवसर प्रदान कर सकता है। इसलिए भारत को ऐसी किसी भी स्थिति से बचना होगा जहाँ उसकी तटस्थता या हसीना के प्रति सहानुभूति को नई बांग्लादेशी सत्ता भारत-विरोधी या अपना-नुकसान समझने लगे। भारत के लिए यह पूर्णतः रणनीतिक चुनौती हैः उसे लोकतंत्र और न्यायिक निष्पक्षता का समर्थन भी करना है और अपनी क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा व सामरिक हितों की रक्षा भी। अमेरिका और पाकिस्तान जैसे देशों की नीतियाँ भी इस घटनाक्रम को और जटिल बनाती हैं। अमेरिका ने कई बार बांग्लादेश में चुनावी पारदर्शिता और मानवाधिकार उल्लंघन पर चिंता जताई है, जबकि पाकिस्तान बांग्लादेश के राजनीतिक उद्देश्यों को भारत-विरोधी दिशा में मोड़ने की कोशिश कर सकता है। भारत इस त्रिकोणीय दबाव के बीच संतुलन साधते हुए एक ऐसी रणनीति अपना रहा है जिसमें वह न तो क्षेत्रीय शक्ति-नीतियों में पीछे हटे और न ही किसी प्रत्यक्ष विवाद में उलझे। भारत का यह संतुलन उसके व्यापक दक्षिण एशिया दृष्टिकोण को भी परिभाषित करता है। लोग-से-लोग संपर्कों और सांस्कृतिक जुड़ावों पर भी इस घटनाक्रम का असर पड़ सकता है। लाखों बांग्लादेशी भारत में कार्यरत हैं, पढ़ते हैं, आते-जाते हैं और सांस्कृतिक विनिमय करते हैं। यदि बांग्लादेश की नई सत्ता भारत के रुख से असंतुष्ट होती है तो इन लोगों पर दबाव बढ़ सकता है, जो दोनों देशों के सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण को अस्थिर कर सकता है। वहीं भारत में रहने वाले बांग्लादेशी शरणार्थियों को भी अधिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

सार रूप में देखा जाए तो शेख हसीना को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा बांग्लादेश के भीतर गहरा राजनीतिक-न्यायिक संकट है, लेकिन इसका प्रभाव केवल वहीं सीमित नहीं रहता; यह पूरे दक्षिण एशिया के कूटनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करता है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश में स्थिरता, लोकतंत्र और न्यायपूर्ण शासन की दिशा में सकारात्मक प्रगति हो। भारत की कूटनीति को धैर्य, सूझबूझ और उच्चतर संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। अंततः, यह घटनाक्रम भारत को यह याद दिलाता है कि पड़ोसी देशों की घरेलू राजनीति कभी अकेली नहीं होती; वह सीमाओं से परे प्रभाव डालती है और शक्ति-संतुलन की नई सिरों पर प्रश्न उठाती है। भारत को ऐसे समय में वही भूमिका निभानी है जिसकी उम्मीद एक जिम्मेदार, लोकतांत्रिक और क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ता शक्ति से की जाती है—संवेदनशील लेकिन दृढ़, संतुलित लेकिन सिद्धांतनिष्ठ, और तटस्थ लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से समृद्ध।

मिराबैल बहनों की शहादत और आज की महिला सुरक्षा

योगेश कुमार गोयल

हर साल 25 नवंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है, जो इस बात का स्मरण है कि दुनियाभर में लाखों महिलाएं आज भी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, साइबर, वैवाहिक, आर्थिक और संस्थागत हिंसा की शिकार हो रही हैं। 21वीं सदी की आधुनिकता, तकनीकी क्रांति और वैश्विक प्रगति के शोर में भी महिलाएं हिंसा से जूझ रही हैं। यह वह वैश्विक संकट है, जो किसी सीमांत, वर्ग, देश, धर्म या समय की सीमा को नहीं मानता। यह सभ्य समाज की नैतिक विफलता का जीवंत प्रमाण है। तीन बहनों पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिकन शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को तीनों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। अन्याय के विरुद्ध उनका साहस महिलाओं का वैश्विक प्रतीक बन गया। 1981 से उनकी शहादत को स्मरण किया जाता रहा और 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र ने 25 नवम्बर को उनकी शहदत के दिन को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' घोषित किया।

महिला हिंसा की जड़ें इतिहास जितनी पुरानी हैं। समाज ने हमेशा शक्ति, नियंत्रण और पितृसत्ता को ही सत्ता का केंद्र माना और इसी केंद्र ने महिलाओं को समान अधिकारों, सम्मान और अवसरों से दूर रखा। यह हिंसा उतनी ही गहरी है, जितने गहरे सामाजिक पूर्वाग्रह। आंकड़ों की भाषा इस त्रासदी को और स्पष्ट करती है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में हर तीन में से एक महिला अपने जीवन में किसी न किसी रूप में हिंसा का सामना करती है। हर घंटे महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों, उत्पीड़न और यातनाओं की अनगिनत कहानियां दुख, अपमान और असुरक्षा की परतों में दब जाती हैं। इतने बड़े पैमाने पर जारी हिंसा न केवल व्यक्तिगत अधिकारों पर हमला है बल्कि विकास, न्याय, समानता और मानवता पर भी सीधा प्रहार है।वास्तविकता यह है कि महिला हिंसा अब किसी एक रूप तक सीमित नहीं रही। यदि आज कोई महिला अपने ही घर में सुरक्षित नहीं है तो वह बाहर की दुनिया में भी सुरक्षित नहीं। कार्यस्थलों पर शोषण, सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न, सोशल मीडिया पर धमकी और बदनामी, रिश्तों में भावनात्मक दमन, ये सब मिलकर हिंसा के रूपों को बहुआयामी, जटिल और खतरनाक बना चुके हैं। तकनीक के विकसित होने के साथ साइबर बुलिंग, मॉर्फिंग, ट्रैकिंग और डिजिटल उत्पीड़न जैसी चुनौतियां और अधिक भयावह रूप ले चुकी हैं। यह हिंसा महिला की स्वतंत्रता को ही नहीं, उसकी पहचान, आत्मसम्मान और अस्तित्व पर भी हमला करती है। समाज अक्सर अपराधी पर नहीं बल्कि पीड़िता पर सवाल उठाता है। 'वह वहां क्यों गई?', 'उसने ऐसा पहनावा क्यों चुना?', 'उसने विरोध क्यों नहीं किया?', ये प्रश्न अपराध को बढ़ावा देने वाले मनोविज्ञान का हिस्सा हैं। यह मानसिकता ही हिंसा को वैधता देती है, पीड़िता को शर्मिंदा करती है और अपराधी को निर्भीक बनाती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि महिला हिंसा केवल शारीरिक आक्रमण नहीं, संस्कृति, परंपरा और मानसिकता में घुसी वह बीमारी है, जिसे उपचार की नहीं, परिवर्तन की आवश्यकता है।

महिला हिंसा को समाप्त करने के लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं। भारत सहित कई देशों में कठोर कानून मौजूद हैं परंतु कानून तभी असरदार होते हैं, जब समाज का चरित्र उनसे मेल खाए। न्यायिक प्रक्रिया में देरी, पुलिस में संवेदनशीलता की कमी, सामाजिक कलंक, राजनीतिक उदासीनता और पीड़ितों के प्रति अविश्वास कानूनों की शक्ति को कमजोर कर देते हैं। यदि समाज इस हिंसा को सामान्य मानता रहेगा तो कोई कानून इसे समाप्त नहीं कर सकता। परिष्कार और सभ्यता के नाम पर गर्व करने वाला समाज उस क्षण शर्मसार हो जाता है, जब किसी महिला को उसके ही घर में जलाया जाता है, जब किसी किशोरी को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है, जब किसी कार्यस्थल पर महिला को अपनी योग्यता के बजाय समझौतों से तौल दिया जाता है, जब इंटरनेट पर किसी लड़की की तस्वीरें उसकी सहमति के बिना वायरल कर दी जाती हैं, जब विवाह के बाद भी उसकी सहमति को महत्व नहीं दिया जाता, जब उसके सपनों और इच्छाओं पर परिवार, समाज और व्यवस्था की तानाशाही थोप दी जाती है। यह हिंसा केवल शारीरिक नहीं बल्कि वह मानसिक जंजीर है, जो महिला को हर पल बांधकर रखती है। महिला हिंसा केवल महिलाओं का नहीं, पूरी मानवता का मुद्दा है। यह लोकतंत्र, समानता, मानवाधिकार, विकास और न्याय के मूल सिद्धांतों पर प्रत्यक्ष हमला है। कोई भी समाज आधी आबादी को भय, अपमान और असमानता में धकेलकर प्रगति का दावा नहीं कर सकता। महिलाओं की स्वतंत्रता और सुरक्षा विकास का मूल आधार है। जो समाज महिलाओं को सुरक्षित वातावरण नहीं दे सकता, वह खुद अपनी प्रगति की संभावनाओं को खत्म करता है। आर्थिक दृष्टि से भी महिला हिंसा एक बड़ा अवरोध है। जहां महिलाएं असुरक्षित हों, वहां उनकी शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के अवसर सीमित हो जाते हैं। विश्व बैंक की रिपोर्टें स्पष्ट करती हैं कि महिला सुरक्षा में निवेश, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास, उत्पादकता और सामाजिक स्थिरता को मजबूत बनाता है अर्थात यह मुद्दा केवल भावनात्मक या सामाजिक नहीं, आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दुनियाभर में लोगों ने महिला हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने की पहल की है। समाज में गहरे परिवर्तन के लिए निरंतर संघर्ष, जागरूकता, शिक्षा और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। परिवार से लेकर स्कूल, मीडिया से लेकर राजनीति और कानून से लेकर धर्म, हर क्षेत्र को यह समझना होगा कि महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा कोई उपकार नहीं बल्कि मूल अधिकार है। हमें उन महिलाओं को भी सलाम करना चाहिए, जो हिंसा के खिलाफ खड़ी हुई और जिन्होंने अपनी चुप्पी को हथियार में बदल दिया। वे महिलाएं, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद न्याय की मांग करती रही, जो समाज के तानों और अविश्वास के बावजूद लड़ती रही, वे इस परिवर्तन की वास्तविक प्रेरणा हैं। उन कार्यकर्ताओं, पत्रकारों, शिक्षकों, न्यायविदों और संगठनों की भूमिका भी अतुलनीय है, जो महिला अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। इसके साथ ही पुरुषों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पितृसत्ता के ढ़ांचे को केवल महिलाएं नहीं, पुरुष भी तोड़ सकते हैं। जब पुरुष हिंसा को सामान्य बनाने से इन्कार करते हैं, जब वे महिलाओं के अधिकारों के सहयोगी बनते हैं, जब वे अपने घरों और समाज में सम्मान और समानता के मूल्य स्थापित करते हैं, तभी एक प्रभावी परिवर्तन संभव हो सकता है। महिला हिंसा का मुद्दा पुरुष बनाम महिला नहीं बल्कि असमानता बनाम मानवता का है।

आज आवश्यकता है कि समाज अपनी सोच को बदलने का साहस करे। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, ऑनलाइन हिंसा रोकने के लिए कठोर नीतियां बनाना और संस्थाओं में लैंगिक संवेदनशीलता का प्रशिक्षण अनिवार्य करना होगा। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बार जब किसी महिला के साथ हिंसा होती है, तब केवल एक महिला नहीं बल्कि पूरी मानवता घायल होती है। हर बार जब किसी पीड़िता को न्याय मिलने में देरी होती है, तब न्याय व्यवस्था कमजोर होती है। हर बार जब कोई समाज पीड़िता को दोष देता है, तब वह भविष्य के अपराधों की नींव रखता है।

छोटे कदम, बड़ा बदलाव मांसाहार छोड़ने का प्रभाव

आरके जैन

हर वर्ष, जब विश्व मांसाहार निषेध दिवस की ओर कदम बढ़ते हैं, यह केवल एक दिन नहीं, बल्कि मानवता की संवेदना, प्रकृति की संतुलन-शक्ति और सभी प्राणियों के सहअस्तित्व की जीवंत चेतना का प्रतीक बन जाता है। यह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी दुनिया केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि हर जीवित प्राणी की साझा धरोहर है। मांसाहार न केवल निर्दोष प्राणियों के जीवन के लिए एक घातक खतरा है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता और नैतिक जिम्मेदारियों पर भी गहन असर डालता है। यह दिवस हमें अपने आहार और जीवनशैली पर गंभीर प्रश्न उठाने, सोचने और संवेदनशील बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है। जब हम मांसाहार के पर्दे के पीछे छिपे दर्द, हिंसा और प्रकृति पर पड़े संकट को समझते हैं, तब यह केवल व्यक्तिगत चुनाव नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और वैश्विक चेतना का शक्तिशाली संदेश बन जाता है।

पशु जीवन की पीड़ा को अनदेखा करना आज की मानवता की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक बन चुका है। खेती-बाड़ी, मांस उत्पादन और बाज़ार तक पहुँचने की प्रक्रिया में हजारों निर्दोष जीव अनैसर्गिक और जकड़े हुए हालात में जीवन यापन करने को मजबूर होते हैं, जहां उन्हें असहनीय दर्द, मानसिक आतंक और शारीरिक दबाव सहना पड़ता है। उनके जीवन का मूल्य केवल उत्पादक इकाई के रूप में आँका जाता है। क्या हम सच में ऐसे जीवन के समर्थन में अपनी नैतिकता को रख सकते हैं? यह सवाल हर संवेदनशील हृदय को झकझोर देता है। मांसाहार निषेध दिवस हमें यह स्पष्ट करता है कि प्रत्येक प्राणी मशीन नहीं है; प्रत्येक के भीतर प्रेम, पीड़ा और स्वतंत्रता का अधिकार समाया है। हमारे हाथों की छोटी-छोटी हरकतें उनके जीवन की दिशा और गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखें तो मांसाहार सिर्फ पशुओं के लिए ही खतरा नहीं, बल्कि हमारे अपने शरीर और जीवन के लिए भी घातक है। वैज्ञानिक अनुसंधान बार-बार यह प्रमाणित कर रहे हैं कि अत्यधिक मांसाहार हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मोटापा, और विभिन्न प्रकार के कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। इसमें मौजूद विषाक्त पदार्थ, हार्मोन और संक्रमण फैलाने वाले जीवाणु सीधे हमारे स्वास्थ्य पर आघात करते हैं। इसलिए यह दिवस केवल पशु हितैषी चेतना का प्रतीक नहीं है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य, दीर्घायु और जीवन की गुणवत्ता के प्रति हमारी जिम्मेदारी का सशक्त संदेश भी है। जब हम मांसाहार को त्यागने या सीमित करने का निर्णय लेते हैं, हम केवल अपने आहार को बदलते नहीं, बल्कि अपनी सोच, दृष्टिकोण और जीवनशैली को भी नया आकार देते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से मांसाहार का असर और भी विनाशकारी है। पशुपालन से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि-चाहे वह भोजन उत्पादन हो या चारे की खेती-कार्बन उत्सर्जन, जल संकट और भूमि के अपव्यय में योगदान करती है। मांसाहार केवल उपभोग की आदत नहीं, बल्कि पृथ्वी की संसाधनों की अविवेकपूर्ण खपत का प्रतीक बन जाता है। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और जैव विविधता का नुकसान-इन सभी संकटों में मांसाहार की भूमिका अनदेखी नहीं की जा सकती। विश्व मांसाहार निषेध दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हमारी छोटी-छोटी आदतें कैसे वैश्विक स्तर पर बड़े और सकारात्मक बदलाव की चिंगारी बन सकती हैं।

इस दिवस की सबसे बड़ी सीख है-सहानुभूति और संवेदनशीलता की ताकत। जब हम मांसाहार का त्याग या सीमित करने का साहस दिखाते हैं, हम केवल निर्दोष प्राणियों के जीवन की रक्षा नहीं करते, बल्कि मानवता की अपनी दृष्टि और नैतिक आधार को भी पुनर्परिभाषित करते हैं। यह निर्णय हमारे भीतर छिपी करुणा, परोपकार और नैतिक चेतना को जगाता है, और हमें याद दिलाता है कि हर जीवन, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, समान रूप से मूल्यवान है। प्रत्येक शाकाहारी भोजन, प्रत्येक मांस छोड़ने का कदम, समाज में एक अनजाने बदलाव की लहर पैदा करता है, जो दूसरों के विचारों, आदतों और विकल्पों को भी प्रभावित करता है। यह केवल व्यक्तिगत परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक क्रांति की पहली झलक हो सकती है।

विश्व मांसाहार निषेध दिवस यह भी संदेश देता है कि बदलाव कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। हमारे चारों ओर विकल्प मौजूद हैं-फल, सब्जियां, दालें, अनाज और पौष्टिक शाकाहारी भोजन।

ये विकल्प न केवल हमारे स्वास्थ्य को सशक्त बनाते हैं, बल्कि पृथ्वी के सीमित संसाधनों की रक्षा भी करते हैं। छोटे-छोटे कदम, जैसे धीरे-धीरे मांसाहार छोड़ना या सप्ताह में एक दिन मांस रहित रखना, समाज में बड़े संदेश के रूप में गूंजते हैं। यह आंदोलन सिर्फ पशुओं के लिए नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों, पर्यावरण और स्वयं हमारे भविष्य के लिए भी है। यह दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि मानवता की असली शक्ति तकनीकी या आर्थिक सामर्थ्य में नहीं, बल्कि हमारी संवेदनशीलता, करुणा और विवेक में निहित है। हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वह केवल हमारे उपभोग के लिए नहीं, बल्कि सभी प्राणियों का साझा जीवनस्थल है।

भगवान भरोसे चले घर

डॉ टी महादेव राव

ठंड से बचने बरामदे बैठ धूप सेंकते हुये अखबार में बिहार के गृहमंत्री और ए आई पर ज्ञान बांटते बड़े भैया के समाचारों के साथ बजट के पहले ही बढ़ती महंगाई और त्रस्त मध्यम वर्ग का रुदन के समाचार पढ़ रहा था कि अंदर से श्रीमती जी ने आवाज दी कुछ पैसे दे दो बाजार से सामान मंगवाना है। मैंने कहा अभी दो दिन पहले तो तुम्हे अपना सारा वेतन सौंप चुका हूं और तुम फिर पैसे मांग रही हो? इस तरह तो देश का बजट भी नहीं चलता।

महोदय जी! आपको अपनी तनखाह मुझे दिए दो नहीं बाईस दिन हो गए। दो और बाईस में बीस का फर्क है। पैसे खत्म हो गए। पैसे तो देने ही पड़ेंगे। खाना बनाना है न?

पूरे माह की तनखाह बीस दिन में फूंक डाली। हे राम! क्या होगा बाकी दस दिनों का?

अब देश के अगुवाओं की तरह परेशान होने का नाटक मत करो। गला फाड़ फाड़ कर चिल्लाते हो और कहते हो कि मैं तुम्हारा गला दबा रही हूं। पैसे दो। अरे यार! तुम्हारी फिजूल खर्ची कुछ ज्यादा नहीं हो रही है? अपनी वित्त मंत्री को देखो पूरे देश को पूरे साल के लिए संभाली फिरती हैं। उनके जैसी बढ़िया बनारसी साड़ी, उतने सारे सहायक और फ्री हैंड दिया जाय तो मैं भी उनसे बढ़िया कर सकती हूं। याद है न मैं भी अर्थशास्त्र में एम ए गोल्ड मेडलिस्ट हूं।

औरतों का ध्यान सबसे पहले साड़ी, गहनों पर ही क्यों जाता है? मेरी समझ में नहीं आता। व्यक्तित्व और गुणों पर क्यों नहीं?

यह तुम पुरुष कह रहे हो? तुम्हीं कहो गहनों और अच्छी साड़ी पहनी नारी पर पहले नजर जाती है या उनके गुणों और व्यक्तित्व पर? अपने दिग्गज नेताओं की तरह व्हाट्सप्प यूनिवरसिटी का ज्ञान मत बांटो।

हां हां। जानता हूं। शायद महिलाएं घर को बहुत अच्छा चलाती हैं सोचकर उन्हें फिर से वित्त मंत्री बनाया गया।

पैसे देने की बात चल रही थी। बात को टालो मत। जब देश की अर्थ व्यवस्था को आगे बढ़ाना होता है कोई सेस, कोई टैक्स और कुछ महंगाई बढ़ाकर संतुलन किया जाता है। समझो यह भी ऐसा ही है। एक तरफ सरकार टैक्स के नाम पर और चीजों के दाम बढ़ाकर जेब खाली करती है दूसरी तरफ तुम हर महीने दो बार पैसे मांगोगी तो मुश्किल होगी कि नहीं।

लेकिन मैं भी क्या करूं। मजबूरी है। मजबूरी का नाम महात्मा गांधी है। जिन नोटों पर गांधीजी हैं, उन्हें तुरत मुझे दो वरना दोपहर को भूखे ही रहोगे। जैसे वित्त मंत्री ने अपनी सरकार को बचाने के लिए बैसाखी बने दोनों बाबुओं के राज्यों को अच्छे अच्छे आर्थिक तोहफे दिए हैं वैसे ही तुम्हें भी कुछ पैसे खाने और जीने के लिए देने ही होंगे।

लगता है गांधीजी के साथ गोडसे की चर्चा ज्यादा होने से पर्स में गांधी जी छापे नोटों के साथ गोडसे भी है जो बापू को पर्स में रहने नहीं दे रहा। खैर ! जो जो मंगाना हो मंगा लो। भुगतान मेरे क्रेडिट कार्ड से कर देना। यह लो। कहते हुए मैं टीवी देखने के लिए उठ गया। क्रेडिट कार्ड लेकर श्रीमती जी अंदर चली गईं। भगवान भरोसे चले गाड़ी जिन्दगी की। अब राखो लाज हरी।

अयोध्या में केसरिया ध्वजारोहण का महापर्व आज

सुरेश गांधी

और न्याय का उजाला एक साथ मिला, अब 25 नवंबर 2025 को एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने जा रही है, भव्य राम मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज का ऐतिहासिक ध्वजारोहण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस दिव्य समारोह में शामिल होंगे। योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, देश के प्रमुख संत, विद्वान, काशी-अयोध्या के आचार्य, और पाँच दिवसीय वैदिक अनुष्ठानों में शामिल सैकड़ों ऋषि-महर्षि परंपरा के प्रतिनिधि इस दिन को एक राष्ट्रीय-सांस्कृतिक पर्व का रूप देने वाले हैं। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है। यह सभ्यता की पुनःस्थापना, हिंदू अस्मिता का शंखनाद, और भारतीय संस्कृति की अनंत शक्ति का प्रतीक है।

राम मंदिर के प्रथम शिखर पर स्थापित होने वाला यह ध्वज वैदिक परंपरा, सूर्यवंशीय गौरव और त्याग की तपस्या का प्रतीक है। भारत में ध्वज सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं होता। वह पहचान है, किसी युग का, किसी विचार का, किसी आस्था का। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा (2024) ने जहां भावनाओं का महासंगम रचा था, वहीं यह ध्वजारोहण उस ऊर्जा को स्थायी रूप से स्थापत्य पर अंकित करेगा। जैसे किसी युग का हस्ताक्षर किसी शिला पर खुद जाए। मतलब साफ है यदि 22 जनवरी 2024 की प्राण-प्रतिष्ठा भावनाओं का महासंगम थी, तो 25 नवंबर 2025 का ध्वजारोहण उस संकल्प का पूर्णगान है। अयोध्या की सड़कों पर इन दिनों अनगिनत दीपों की रोशनी, पुष्पवर्षा, तोरण, घंट-नाद और भजन-संकीर्तन का वातावरण है। भक्तों के बीच एक ही भाव, "अब राम युग आया।" वैसे भी भारत में ध्वज केवल पहचान नहीं, वह किसी संकल्प का अवतार होता है। मतलब साफ है 22 जनवरी 2024 की प्राण-प्रतिष्ठा हो, 2019 का अयोध्या में शिलान्यास हो, या रामसेतु के शोध की बात, मोदी का नाम उस अध्याय का प्रमुख पात्र रहा है, जिसे भारत पुनः लिख रहा है। ध्वजारोहण के लिए प्रधानमंत्री का स्वयं शिखर पर उपस्थित होना केवल एक रस्म नहीं, यह भारतीय राज्य का रामायण-भाव से आध्यात्मिक जुड़ाव है। यह संदेश है, भारत की आत्मा राम है, और राम वह प्रकाश हैं जो अंधकार को चीरकर राष्ट्र को दिशा देता है। राम मंदिर का भगवा ध्वज तीन संदेश देता है :

1. धर्म का उत्थान : राम स्वयं धर्म का रूप हैं, "रामो विग्रहवान धर्मः।" ध्वज इस भाव को शिखर पर स्थापित करता है।

2. सूर्यवंश का तेज : ध्वज पर अंकित सूर्य केवल चिह्न नहीं, वह वैदिक घोषणा है कि अंधकार चाहे कितना भी लंबा क्यों न हो, अंततः प्रकाश ही विजय पाता है।

3. राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना का पुनरुत्थान : राम मंदिर का ध्वज आज के भारत को उसकी मूल पहचान से जोड़ता है, सनातन, सार्वभौमिक और समन्वयकारी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस समारोह में शामिल होना केवल राजनीतिक उपस्थिति नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक डीएनए के साथ राज्य की पुनःसगाई का प्रतीक है। स्वतंत्रता के बाद सत्ता की मुख्यधारा धर्म से दूरी बनाए रखने की कोशिश में रही। लेकिन अब सत्ता स्वयं राम के मंदिर के शिखर पर उपस्थित है। यह दृश्य भारत की मानसिकता में एक गहरी परिवर्तनशील धारा को रेखांकित करता है, भारत अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है, और यह वापसी केवल भावनात्मक नहीं, राजनीतिक भी है। अयोध्या हमेशा भारत की राजनीति का केंद्र-बिंदु रही है। बाबरी आंदोलन से लेकर न्यायालय के फैसले तक, और अब मंदिर निर्माण से ध्वजारोहण तक, हर चरण ने भारत की चुनावी भाषा, नीति निर्माण और दलगत समीकरणों को प्रभावित किया है।

भाजपा के लिए, आस्था की निर्णायक विजय : राम मंदिर भाजपा की वैचारिक यात्रा की अंतिम मंज़िल रहा है। ध्वजारोहण इसे एक भावनात्मक पूर्णता देता है। यह केवल उपलब्धि नहीं, एक स्थापित पहचान है, "हमारे संकल्पों का परिणाम।" विपक्ष के लिए, राजनीतिक **परीक्षण :** यह समारोह विपक्ष के सामने दो प्रश्न खड़ा करता है, क्या वे राम और मंदिर को भारतीय संस्कृति का प्रतीक मानकर स्वीकार करेंगे? या इसे केवल राजनीतिक आयोजन बताकर दूरी बनाए रखेंगे? दोनों रास्तों के अपने जोखिम हैं, और यही जोखिम 2026 व आगे की चुनावी लड़ाइयों का आधार बनाएगा। जनमानसकृ भावना और राजनीति का नया **समीकरण :** अयोध्या का माहौल यह स्पष्ट करता है कि राम केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, वे राष्ट्र-भावना के केंद्र हैं। जो दल इस भाव को समझेगा, वह सियासी लाभ लेगा, जो अनसुना करेगा, वह हाशिये पर जाएगा।

42 फुट ऊंचा विशेष ध्वजदंड, 22×11 फुट का त्रिकोणीय केसरिया ध्वज, पांच दिन का वैदिक महायज्ञ, हजारों सुरक्षाकर्मी, एआई आधारित निगरानी, देश-विदेश के संतों, विद्वानों और दूतावासों की भागीदारी, सरयू आरती स्थलों पर विशेष समारोह, ये अपने आप में अद्वितीय है। पूरे अयोध्या को स्वर्णिम : राममय थीम में सजाया गया है। अयोध्या अब वैदिक परंपरा और आधुनिक प्रबंधन का अनोखा मिश्रण बन गई है। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा ने दुनिया को चकित किया था। लेकिन ध्वजारोहण एक और भावनात्मक शिखर है, क्योंकि ध्वज सिर्फ पूजा का हिस्सा नहीं, घोषणा है, घोषणा कि रामलला का मंदिर केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, वह भारतीय पहचान की औपचारिक पुनर्स्थापना है। राम विश्व के सांस्कृतिक राजदूत हैं। इंडोनेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, नेपाल, मारीशस, सब रामकथा के वाहक हैं। अयोध्या का यह कार्यक्रम भारत को सांस्कृतिक कूटनीति की नई शक्ति देगा। युवा पीढ़ी के लिए, राम अब इतिहास नहीं, जिंदा मूल्य हैं। आज का युवा, जिसने रामकथा को केवल टीवी धारावाहिक में देखा था, अब भव्य मंदिर, शिखर पर केसरिया ध्वज, दीपोत्सव की गरिमा और अयोध्या के कायाकल्प के रूप में राम को एक जीवंत मूल्य की तरह देख रहा है। यह आयोजन भारत की नई पीढ़ी को अपनी जड़ों की ओर लौटाएगा।

पाँच दिवसीय वैदिक महायज्ञ : 21 से 25 नवंबर

अयोध्या में इस ध्वजारोहण को केवल प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं माना गया। यह एक वैदिक महाकुंभ के रूप में आयोजित हो रहा है। वैदिक क्रमः 1. 21 नवंबरः आचार्य मंडल द्वारा पंचाग-पूजन, कलश स्थापना, 2. 22 नवंबरः सर्वतोभद्र मंडप की स्थापना, वेदपाठ, 3. 23 नवंबरः अष्टद्रव्य हवन, आह्वान, 4. 24 नवंबरः ध्वज का पूजन, अभिषेक, विशेष मंत्रोच्चार, 5. 25 नवंबरः प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण। सैकड़ों वैदिक विद्वान, काशी और मिथिला के पंडित, अयोध्या और कांची के आचार्य, दक्षिण भारत के यजमान, सब एक साथ।

अयोध्या में हर क्षण पर्व-सा

अयोध्या के वासी खुद को भाग्यशाली मान रहे हैं कि वे रामकाल का युग जी रहे हैं। घाटों पर दीपदान, 21 लाख दीपों की तैयारी, रामलला के भव्य परिधान, मंदिर प्रांगण में फूलों का पर्व, भजन, संकीर्तन, कथा, रामायण गायन, हर गली, हर चौक, हर घर ऐसे सज रहा है जैसे त्रेता युग का पुनरागमन हो। 25 नवंबर 2025 सिर्फ एक तारीख नहीं, यह वह दिन है जब भारत अपने आत्मस्वरूप को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। राम मंदिर पर लहराता ध्वज हमें याद दिलाएगा, संघर्ष अमर है, श्रद्धा अडिग है, धर्म विजयी है और भारत सनातन है। यह वही क्षण है जिसकी प्रतीक्षा केवल एक पीढ़ी ने नहीं, सदियों ने की है। अयोध्या का यह शिखर, यह ध्वज, यह आस्था, एक नए अध्याय का आरंभ है। राम का ध्वज केवल मंदिर पर नहीं, भारत की आत्मा पर लहराएगा।

शुभ घड़ी : विवाह पंचमी का दिव्य संयोग

यह प्रश्न स्वाभाविक था कि 25 नवंबर ही क्यों? जवाब सौंदर्य, शास्त्र और इतिहासकृतीनों में निहित है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस वर्ष की विवाह पंचमी इसी दिन पड़ रही है, वह तिथि जब त्रेतायुग में श्रीराम और जानकी का दिव्य विवाह हुआ था। इस तिथि का चयन मात्र संयोग नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति का गहरा सम्मान है। ज्योतिषों का दावा है कि "मंगलवार को मकर राशि में चंद्रमा का संयोग अत्यंत शुभ है। इस दिन आरंभ किया गया कार्य स्थायी, तेजस्वी और राष्ट्रकल्याणकारी माना जाता है।"

घर की इस दिशा में लगाएं केले का पौधा, परिवार में बढ़ती है सुख-समृद्धि

पौराणिक ग्रंथों में केले के पौधे को भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का प्रतीक बताया गया है। कहा जाता है कि जहां यह पौधा फलता–फूलता है, वहां धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान कई मंदिरों और घरों में केले के पौधे से सजावट की जाती है और इसे मांगलिक अवसरों पर शुभता का आधार माना जाता है। पूजा स्थलों पर रखे जाने वाले कलश के साथ भी केले के पत्तों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। वास्तु शास्त्र के विशेषज्ञ बताते हैं कि ईशान दिशा घर की सबसे पवित्र और उर्जात्मक दिशा मानी जाती है। इस दिशा में केला का पौधा लगाने से घर में शांति, सफलता और सौभाग्य का संचार होता है। वास्तु के अनुसार पौधों की शक्ति घर के वातावरण को सीधे प्रभावित करती है और सकारात्मक तरंगों को बढ़ाती है। इसीलिए केला अन्य पौधों की तुलना में अधिक शुभ फलदायी माना गया है।

केले का पौधा जीवन में स्थिरता का प्रतीक है। इसका मजबूत तना और बड़े पत्ते संरक्षण और विस्तार के भाव को दर्शाते हैं। जब परिवार के सदस्य किसी नए काम की शुरुआत करते हैं, तो घर में मौजूद यह पौधा सफलता की उन्नति में सहायक माना जाता है। कई धार्मिक कथाओं में भी लक्ष्मी प्राप्ति के लिए इस पौधे की पूजा करने का उल्लेख मिलता है।

पूजा-पाठ में भी केले की भूमिका बेहद खास है। गुरुवार के दिन केले के पौधे में जल अर्पित करने, हल्दी और कुमकुम चढ़ाने तथा दीप जलाने से परिवार पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। मान्यता है कि इससे ग्रहों की बाधाएं कम होती हैं और परिवार के सदस्यों के जीवन में तरक्की के अवसर बढ़ते हैं। विवाह जैसे मांगलिक अवसरों में भी केले के दो पौधे द्वार पर रखना शुभ माना जाता है।

ज्योतिष और वास्तु विशेषज्ञ प्राकृतिक पौधों की ऊर्जा पर जोर दे रहे हैं। उनका कहना है कि पौधे घरों और भवनों के वातावरण को केवल सौंदर्य ही नहीं बल्कि मानसिक व आध्यात्मिक शांति भी प्रदान करते हैं। केले का पौधा इन सबसे बढ़कर सुख-समृद्धि का सूचक माना जाता है और यही वजह है कि आज ग्रामीण से लेकर शहरी घरों तक इसे लगाने का रुझान तेजी से बढ़ा है। ईशान दिशा में केले का पौधा लगाना सिर्फ परंपरा का हिस्सा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी सकारात्मक है। यह पौधा घर में हरियाली, शांति, स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि का संदेश लाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पौधे की नियमित देखभाल की जाए और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसे सम्मान दिया जाए, तो इसका शुभ प्रभाव लंबे समय तक घर और परिवार पर बना रहता है।

इस कहानी से जानें, क्यों हम अपनी शक्तियों को दूसरों के मुकाबले कम आंकते हैं?

एक आदमी कहीं से गुजर रहा था, तभी उसने सड़क के किनारे बंधे हाथियों को देखा तो रुक गया। उसने देखा कि हाथियों के अगले पैर में एक रस्सी बंधी हुई है। उसे इस बात पर आश्चर्य हुआ कि हाथी जैसे विशालकाय जीव लोहे की जंजीरों की जगह बस एक छोटी-सी रस्सी से बंधे हुए हैं।

वे चाहते तो अपने बंधन तोड़ कर कहीं भी जा सकते थे, पर वे ऐसा नहीं कर रहे थे। उसने पास खड़े महावत से पूछा, ''भला ये हाथी किस प्रकार इतनी शांति से खड़े हैं और भागने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं।'' महावत ने कहा, ''हाथियों को छोटी उम्र से ही इन रस्सियों से बांधा जाता है।''

उस समय इनके पास इतनी शक्ति नहीं होती कि इस बंधन को तोड़ सकें, बार-बार प्रयास करने पर भी रस्सी न तोड़ पाने के कारण उन्हें धीरे-धीरे यकीन होता जाता है कि वे इन रस्सियों को नहीं तोड़ सकते और बड़े होने पर भी उनका यह यकीन बना रहता है इसलिए वे कभी इन्हें तोड़ने का प्रयास ही नहीं करते। उस आदमी को यह बात बड़ी रोचक लगी। उसने इसके बारे में एक संत से चर्चा की।

संत ने मुस्कुराकर कहा, ''ये जानवर इसलिए अपना बंधन नहीं तोड़ सकते क्योंकि वे इस बात में यकीन करते हैं। इन हाथियों की तरह हममें से कई लोग अपनी किसी असफलता के कारण मान बैठते हैं कि अब उनसे ये काम हो ही नहीं सकता। वे अपनी बनाई हुई मानसिक जंजीरों में पूरा जीवन गुजार देते हैं लेकिन मनुष्य को कभी प्रयास छोड़ा नहीं चाहिए।''

क्या आप भी पहनते हैं काला धागा या घड़ी?

ज्योतिष में काले रंग का विशेष महत्व माना गया है। चाहे वह काला धागा हो, काली घड़ी हो या काले रंग की कोई अन्य वस्तु, अक्सर देखा गया है कि लोग नजर-दोष से बचने के लिए हाथ या पैर में काला धागा बांधते हैं। आधुनिक समय में फैशन का चलन भी ऐसा है कि काले रंग के कपड़े और घड़ियों का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है।

ऐसी मान्यता है कि काला धागा व्यक्ति को नजर से बचाता है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है। लेकिन एक सवाल जरूर उठता है, क्या वास्तव में हर व्यक्ति के लिए काला धागा पहनना उचित है। काले रंग का संबंध शनि से जोड़ कर भी देखा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शनि प्रबल है, उन्हें काला रंग शुभ परिणाम देता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि किन लोगों को भूल कर भी इस रंग का उपयोग नहीं करना चाहिए। आइए उज्जैन के ज्योतिषआचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं कि काला रंग किन लोगों को पहनना अशुभ परिणाम देता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल हैं। मंगल और शनि का शत्रुता का भाव है। ऐसे में मेष राशि वालों को काला रंग नुकसान देता है। इससे जीवन में कई तरह की समस्याएं बनी रहती हैं। इसलिए इस राशि वालों को काले कपड़े, घड़ी ये नहीं पहनना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वृश्चिक राशि के स्वामी भी मंगल ग्रह हैं। इस कारण इस राशि के जातकों के लिए भी शनि की बुरी नजर से बचकर रहना जरूरी है। इन लोगों को गलती से भी हाथ या पैर में काला धागा नहीं पहनना चाहिए। बल्कि काले रंग का कम से कम उपयोग करना चाहिए। वरना कुछ बुरा होने की आशंका रहती है।

कथाओं के अनुसार जब शनिदेव का जन्म हुआ, तो उनका रंग गहरा था। इसी कारण कई लोगों ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया और उन्हें उपेक्षा का सामना करना पड़ा। इस अनुभव ने शनिदेव को यह समझाया कि काला रंग अक्सर बिना वजह ही अनदेखा कर दिया जाता है। समय के साथ उन्होंने महसूस किया कि शुभ कार्यों, पूजा या धार्मिक आयोजनों में भी काले रंग को महत्व नहीं दिया जाता है।

इसी वजह से शनिदेव ने काले रंग को अपना प्रिय रंग घोषित किया, ताकि इस रंग को सम्मान मिल सके। इसके बाद से भक्त शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए काली वस्तुएं - जैसे काला तिल, काला कपड़ा, सरसों का तेल या काला धागा अर्पित करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन वस्तुओं से शनिदेव जल्दी प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति पर उनकी कृपा बनी रहती है। ज्योतिष के अनुसार जिन लोगों की कुंडली में शनि शुभ स्थिति में हो, या जिन पर शनि की कृपा बनी हो, उन्हें अपने दैनिक जीवन में काले रंग का संतुलित रूप से इस्तेमाल करना लाभदायक माना जाता है। इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और जीवन में स्थिरता आने की मान्यता है।

पूरब में रखने से तरक्की तय, उत्तर दिशा भी शुभ...ये कछुआ बदल सकता है आपकी किस्मत

ज्योतिषी अखिलेश पांडेय बताते हैं कि घर में कछुआ रखने से न सिर्फ वातावरण शांत होता है बल्कि धन, स्वास्थ्य, करियर और रिश्तों में भी लाभ मिलता है। माना जाता है कि अगर कछुआ सही दिशा और नियमों के अनुसार रखा जाए तो यह जीवन में प्रगति का रास्ता खोलता है। इसलिए घर में कछुआ रखने से पहले इसकी सही जानकारी होना जरूरी है। कछुआ फेंगशुई में वेल्थ एनर्जी यानी धन ऊर्जा का एक मुख्य स्तंभ माना जाता है। अगर आप इसे घर की उत्तर दिशा में रखते हैं तो यह धन प्राप्ति और धन संचय में मदद करता है। कहा जाता है कि इससे बैंक बैलेंस मजबूत होता है और घर में आर्थिक स्थिरता बनी रहती है। यह धन के रुके हुए रास्तों को खोलता है और नए अवसर लाता है। कई लोग इसे अपने कैश काउंटर, लॉकर या स्टडी टेबल के पास रखते हैं ताकि लगातार वित्तीय लाभ मिलता रहे। यह घर में सकारात्मक तरंगों को सक्रिय करता है जो समृद्धि का मार्ग बनाती हैं।

अगर आप नौकरी में प्रमोशन, सम्मान और स्थिरता चाहते हैं तो कछुआ आपके लिए भाग्यशाली साबित हो सकता है। फेंगशुई के अनुसार इसे ऑफिस की टेबल या घर की उत्तर पूर्व दिशा में रखने से करियर ग्रोथ होती है। यह आपकी मेहनत को फलदायक बनाता है और आपको बेहतर अवसरों की ओर ले जाता है। कछुआ लंबे समय तक जीवित रहने वाला प्राणी है इसलिए यह धैर्य, बुद्धिमत्ता और निरंतर प्रगति का प्रतीक माना जाता है। इसलिए इसे घर या कार्यस्थल में रखने से नौकरी में सफलता, सम्मान और स्थिरता मिलती है।

व्यापारियों के लिए कछुआ रखना बेहद लाभकारी होता है। यह बिजनेस में ग्रोथ, स्थिरता और प्रॉफिट बढ़ाने में मदद करता है। अगर इसे दुकान या ऑफिस के प्रवेश द्वार के पास रखा जाए तो यह सकारात्मक ग्राहकों को आकर्षित करता है और बिजनेस में दिन-दूनी रात-चौगुनी तरक्की लाता है। दक्षिण पूर्व दिशा में क छु आ

रखने से व्यापार में तेजी और मुनाफा बढ़ता है। यह बाधाओं को दूर कर सही अवसरों को आकर्षित करता है। कहा जाता है कि इससे भाग्य मजबूत होता है और व्यापार में सफलता सुनिश्चित होती है।

घर में कछुआ रखने से पहले उसकी दिशा और स्थान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। उत्तर दिशा धन वृद्धि के लिए सबसे शुभ मानी जाती है। दक्षिण पश्चिम दिशा पारिवारिक स्थिरता और रिश्तों में मजबूती लाती है। पूर्व दिशा से स्वास्थ्य लाभ मिलता है और उत्तर पूर्व दिशा मानसिक शांति और ग्रोथ को बढ़ाती है। कछुए को कभी भी गंदे, अंधेरे या अव्यवस्थित स्थान पर नहीं रखना चाहिए। इसे साफ, शांत और सकारात्मक स्थान पर रखने से इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

बाजार में विभिन्न प्रकार के कछुए उपलब्ध हैं जैसे क्रिस्टल कछुआ, मेटल कछुआ, लकड़ी का कछुआ और असली पानी वाला कछुआ। मेटल कछुआ धन और बिजनेस के लिए शुभ होता है जबकि क्रिस्टल कछुआ करियर और शिक्षा में मदद करता है।

बाजार में विभिन्न प्रकार के कछुए उपलब्ध हैं जैसे क्रिस्टल कछुआ, मेटल कछुआ, लकड़ी का कछुआ और असली पानी वाला कछुआ। मेटल कछुआ धन और बिजनेस के लिए शुभ होता है जबकि क्रिस्टल कछुआ करियर और शिक्षा में मदद करता है।

कछुआ सिर्फ आर्थिक समृद्धि ही नहीं बल्कि मानसिक शांति भी लाता है। यह धैर्य, स्थिरता और लंबी आयु का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और वातावरण शांत रहता है। तनाव, चिंता और अस्थिरता से जूझ रहे लोगों के लिए यह एक ऊर्जा बढ़ाने वाला शुभ संकेत होता है। घर में कछुआ रखने से मन स्थिर होता है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है। यह जीवन में संतुलन और शांति बनाए रखने में सहायता करता है।

जब हम दूसरों के गुणों को देखकर विनम्रता से झुकते हैं

दूसरों के लिए सदैव आदर का भाव रखें। जो लोग हमसे ज्येष्ठ, श्रेष्ठ, योग्य, पूजनीय और उच्च पदों पर प्रतिष्ठ हैं, उनका सम्मान करें। जो व्यक्ति प्रकृति और बड़ों का आदर करता है, उसे जीवन में सबकुछ प्राप्त हो जाता है। अभिवादन करने वाले व्यक्ति के भीतर विद्या, विनय और कई सिद्धियां आने लगती हैं। यश, आयु, विद्या, बल और आत्मबल तब उत्पन्न होता है, जब हम दूसरों के सद्गुणों और श्रेष्ठता को देखकर विनम्रता से उनके प्रति झुकते हैं।

धर्मेंद्र ने गॉडफादर के बिना फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाई

कभी दिलीप कुमार को प्रेरणा मानने वाले धर्मेंद्र बहुत ही कम वक्त में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन गए और आज दुनियाभर के लोग उनके मुरीद हैं। उनकी जर्नी बेहद इंस्पायरिंग रही है। पंजाब के एक छोटे से गांव साहेनवाल में पैदा हुए धर्मेंद्र ने किसी गॉडफादर के बिना फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाई और करोड़ों के लिए प्रेरणा बने। यह धर्मेंद्र की कड़ी मेहनत, लगन और टैलेंट का ही नतीजा है कि दर्जनों हिट फिल्में देने वाले धर्मेंद्र को सिनेमा में योगदान के लिए कई अवॉर्ड और सम्मान दिए गए। उन्हें पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया।

धर्मेंद्र कितने पढ़े-लिखे हैं और छह दशक से भी लंबे समय तक काम करने के बाद उन्होंने कड़ी मेहनत से कितनी संपत्ति जमा की, क्या रिकॉर्ड बनाए और अवॉर्ड्स जीते, यहां बता रहे हैं:

धर्मेंद्र की पढ़ाई-लिखाई और असली नाम

धर्मेंद्र का असली नाम धर्मेंद्र केवल कृष्ण देओल है, पर फिल्मों में आने के बाद वह धर्मेंद्र के नाम से मशहूर हो गए। उनका जन्म 8 दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के साहनेवाल गांव में एक जाट सिख परिवार में हुआ था। धर्मेंद्र ने अपनी शुरुआती पढ़ाई लालटन कलां से की औ उसी में उनके पिता केवल कृष्ण हेडमास्टर थे। इसके बाद धर्मेंद्र ने इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए रामगढ़िया कॉलेज, फगवाड़ा में एडमिशन लिया। धर्मेंद्र ने 12वीं क्लास तक पढ़ाई की। वह आगे भी पढ़ना चाहते थे पर एक्टिंग का चस्का उस पर हावी हो गया और फिर आगे नहीं पढ़ पाए।

धर्मेंद्र की पहली शादी

साल 1954 में, जब धर्मेंद्र सिर्फ 19 साल के थे, उन्होंने लुधियाना की प्रकाश कौर से शादी की। उस समय वह फिल्मों में आने का सपना देख रहे थे। शादी के कुछ वर्षों बाद उनका करियर उड़ान भरने लगा, लेकिन वह हमेशा अपनी पत्नी और परिवार से जुड़े रहे। प्रकाश कौर से उनके चार बच्चे हुए- सनी देओल, बॉबी देओल, विजेता और अजीता। कई वर्षों तक धर्मेंद्र ने अपने परिवार और काम दोनों के बीच संतुलन बनाए रखा, लेकिन 60 के दशक के आखिर में उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया- जब उन्होंने पहली बार देखा बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी को।

ड्रीम गर्ल से मुलाकात

कहते हैं कि धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात फिल्म 'शराफत' के सेट पर हुई थी। उस मुलाकात ने धीरे-धीरे दोस्ती का रूप लिया और फिर प्यार में बदल गई। फिल्म 'शोले' की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां और गहरी हो गईं। हेमा मालिनी के सौम्य स्वभाव और सुंदरता ने धर्मेंद्र का दिल जीत लिया। लेकिन इस प्रेम कहानी की राह आसान नहीं थी।

हेमा मालिनी के पिता ये रिश्ते के खिलाफ

धर्मेंद्र की शादीशुदा जिंदगी के चलते हेमा मालिनी के पिता उनके रिश्ते के सख्त खिलाफ थे, वह नहीं चाहते थे कि दोनों की शादी हो जाए, लेकिन हेमा मालिनी ने अपने पिता से साफ कह दिया था कि वह धर्मेंद्र से ही शादी करेंगी। समाज और मीडिया में भी खूब चर्चाएं हुईं। मगर दोनों ने हार नहीं मानी। धर्मेंद्र ने हेमा से शादी करने का फैसला किया और इसके लिए उन्होंने इस्लाम धर्म अपनाया ताकि बिना तलाक लिए वो दोबारा शादी कर सकें।

धर्मेंद्र ने हेमा संग की दूसरी शादी

2 मई 1980 को दोनों ने एक-दूसरे को अपना जीवनसाथी बना लिया। शादी के बाद उनके घर में दो बेटियां आईं- ईशा देओल और अहाना देओल। आज भी हेमा और धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित और चर्चित जोड़ों में से एक हैं। धर्मेंद्र भले ही अब हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनकी हेमा मालिनी संग प्रेम कहानी हमेशा के लिए अमर हो गई है। धर्मेंद्र आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी प्रेम कहानी हमेशा हिंदी सिनेमा के इतिहास में दर्ज रहेंगी- एक ऐसे अभिनेता के रूप में, जिसने कैमरे के सामने और पीछे, दोनों जगह प्यार को शिद्दत से जिया।

धर्मेंद्र की पहली फिल्म और लगातार हिट्स

पहली शादी के बाद इसके बाद धर्मेंद्र फिल्मों में अपना करियर बनाने मुंबई आ गए। वह 'फिल्मफेयर' मैगजीन का न्यू टैलेंट अवॉर्ड जीतकर मुंबई पहुंचे थे। धर्मेंद्र ने साल 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से एक्टिंग डेब्यू किया था, और इसके बाद फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहली फिल्म फ्लॉप रही थी, पर धर्मेंद्र के करियर के रास्ते खुल चुके थे। इसके बाद साल 1961 में धर्मेंद्र ने लगातार कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'शोल और शबनम', 'अनपढ़' और 'बंदिनी' जैसे नाम शामिल हैं। धर्मेंद्र का चार्म लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा था। हर फिल्ममेकर और हीरोइन उनके साथ काम करना चाहती थी। उन्होंने 'शोले', 'सीता और गीता', 'धरम वीर', 'यादों की बारात', 'चरस' और 'चुपके चुपके' जैसी कई हिट फिल्में दीं, और अब 89 साल की उम्र तक भी काम कर रहे हैं। हाल ही धर्मेंद्र की नई फिल्म 'इक्कीस' का भी ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे खूब पसंद किया गया। यह फिल्म जल्द रिलीज होगी।

धर्मेंद्र को मिले ढेरों अवॉर्ड्स और पद्म भूषण से भी सम्मानित

एक्टर के अलावा धर्मेंद्र प्रोड्यूसर और राजनेता हैं। अपने बेहतरीन काम के लिए उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। धर्मेंद्र को सिनेमा में योगदान देने के लिए कई अवॉर्ड और सम्मान दिए गए थे। उन्हें साल 2012 में भारत सरकार की तरफ से भारत का तीसरा सबसे बड़ा अवॉर्ड पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड

साल 1990 में फिल्म 'घायल' रिलीज हुई थी। इसमें धर्मेंद्र के अलावा सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि, ओम पुरी और अमरीश पुरी थे। इस फिल्म ने 1990 में सबसे अच्छी फिल्म का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता था।

फिल्मफेयर अवॉर्ड

साल 1991 में धर्मेंद्र की अदाकारी वाली फिल्म 'घायल' को बेस्ट फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। साल 1997 में धर्मेंद्र को लाइफटाइम अचीवमेंट फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। उनकी फिल्में आई मिलन की बेला, फूल और पत्थर, मेरा गांव मेरा देश, यादों की बारात, रेशम की डोरी, नौकर बीवी का और बेताब को फिल्मफेयर नामांकन मिला।

एक साल में कई हिट फिल्में देने का रिकॉर्ड

धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता हैं जिनके नाम कई हिट फिल्में देने का रिकॉर्ड है। साल 1973 में उन्होंने आठ हिट फिल्में दी थीं। साल 1987 में उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और नौ हिट फिल्में दीं। उनके इस रिकॉर्ड को अब तक कोई भी बॉलीवुड एक्टर नहीं तोड़ सका।

300 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

धर्मेंद्र के नाम एक रिकॉर्ड यह भी है कि उन्होंने बॉलीवुड की 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साल 1960 में उन्होंने फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की वजह से उन्हें 'ही-मैन' के नाम से जाना जाने लगा।

मेहनत से कमाई अरबों की संपत्ति, ये है नेट वर्थ

धर्मेंद्र की संपत्ति और नेट वर्थ की बात करें, तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 500 से 535 करोड़ रुपये (5.35 अरब) के आसपास बताई जाती है। यह अथाह संपत्ति उन्होंने फिल्मों में एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन, ब्रांड एंडोर्समेंट्स और इनवेस्टमेंट से जुटाई। धर्मेंद्र खास पढ़े-लिखे नहीं हैं, पर इसने कभी भी उनकी सफलता की राह में रोड़े नहीं अटकाए। धर्मेंद्र ने अपनी कड़ी मेहनत से हर मुश्किल को आसान बना लिया।

120 करोड़ का फार्महाउस, जहां रहते थे धर्मेंद्र, साथ हैं दो घर भी

धर्मेंद्र अब काफी समय से महाराष्ट्र के लोनावला स्थित अपने फार्महाउस पर रह रहे हैं। इसमें स्वीमिंग पूल समेत सारी लग्जरी सुविधाएं हैं। यहां धर्मेंद्र खेती भी करते हैं और काफी स्टाफ भी रखा हुआ है। धर्मेंद्र अकसर ही अपने फार्महाउस के वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करते रहते थे। उनके इस फार्महाउस की कीमत 120 करोड़ रुपये बताई जाती है। धर्मेंद्र के पास दो घर भी हैं, जिनमें से एक 20 करोड़ तो दूसरा 48 करोड़ रुपये के आसपास है।

धर्मेंद्र की खेती की जमीन, रिजॉर्ट और लग्जरी गाड़ियां

'सीए नॉलेज' के मुताबिक, धर्मेंद्र के पास 17 करोड़ रुपए की और भी संपत्ति है, जो महाराष्ट्र में ही है। 1 करोड़ 55 लाख रुपए की खेती की जमीन है, जिस पर धर्मेंद्र का रिजॉर्ट बनाने का प्लान था। धर्मेंद्र के पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं, जिनमें 1960 में खरीदी उनकी फिएट से लेकर विंटेज फिएट और मर्सिडीज बेंज तक, शामिल हैं। उनकी कोई गाड़ी लाखों में हैं, तो कोई करोड़ों की है।

इन एक्ट्रेस के साथ रहे धर्मेंद्र के प्यार के चर्चे

अपनी अदाकारी और दमदार आवाज के साथ-साथ लुक्स के लिए भी काफी लोकप्रिय रहे। वे इंडस्ट्री के हैंडसम हंक रहे हैं। तमाम अदाकाराएं उनकी तरफ आकर्षित हुईं। कुछ अभिनेत्रियों के साथ उनके प्यार के चर्चे भी रहे।

आशा पारेख

धर्मेंद्र का नाम आशा पारेख के साथ काफी जुड़ा। दोनों के कथित अफेयर के अफवाहें रहीं। दरअसल, दोनों ने ब्लैकमेल, हीरालाल पन्नालाल, जुर्माना, राज तिलक जैसी फिल्मों में काम किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए जाने लगे कि ऑनस्क्रीन के साथ-साथ असल जिंदगी में भी दोनों की करीबियां बढ़ने लगी थीं।

राखी

राखी गुलजार के साथ भी धर्मेंद्र का नाम जुड़ा। दोनों के बीच पर्दे पर कमाल की केमिस्ट्री रही, शायद इसके चलते ही दोनों के कथित अफेयर की हवा उड़ने लगी। हालांकि, दोनों के रोमांटिक अफेयर जैसी बातें कभी साबित नहीं हुईं।

मीना कुमारी

साल 1964 में फिल्म 'पूजा के फूल' के दौरान मीना कुमारी और धर्मेंद्र पहली बार मिले। धर्मेंद्र इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मीना कुमारी के दीवाने हो गए। मीना तब स्थापित अभिनेत्री बन चुकी थीं और धर्मेंद्र अपने पैर इंडस्ट्री में जमा रहे थे। कहा जाता है कि मीना कुमारी तब धर्मेंद्र को फिल्म दिलाने के लिए कई डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को फोन किया करती थीं। दोनों के अफेयर की चर्चा काफी वक्त तक इंडस्ट्री में उड़ी फिर धर्मेंद्र ने अपना रास्ता मीना कुमारी से अलग कर लिया।

जया बच्चन

अभिनेत्री जया बच्चन का नाम भी लिस्ट में शामिल है। वे कई बार यह कह चुकी हैं कि धर्मेंद्र उनके क्रश थे। एक बार अभिनेत्री ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में कहा था कि 'शोले' में बसंती का रोल उन्हें अदा करना चाहिए था। करण ने जब वजह पूछी तो जया बच्चन ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं उनसे प्यार करती थी'। इस एपिसोड में हेमा मालिनी भी मौजूद थीं और जया की बात सुनकर वह हंस पड़ीं। इसके अलावा एक बार आमिर खान ने अमिताभ बच्चन से सवाल किया था, 'जया बच्चन जब शूटिंग पर जाती थीं किसी और हीरो के साथ तो वह कौन सा हीरो था, जिसका नाम सुनकर आपको तकलीफ होती थी'। इस पर बिग बी ने कहा, 'उन्होंने पहले दिन ही कह दिया था कि धर्मेंद्र मेरे सबसे पसंदीदा हैं। उनसे ज्यादा खूबसूरत इंसान इस पूरी इंडस्ट्री में नहीं है'।

रेखा और अनीता राज

बॉलीवुड की सदाबहार अभिनेत्री रेखा के साथ भी धर्मेंद्र के प्यार के चर्चे उड़े। मगर, धर्मेंद्र ने खुद कई मौकों पर यह कहा कि रेखा उनके परिवार का हिस्सा हैं। हेमा मालिनी के साथ उनकी बहुत अच्छी दोस्ती है। इसके अलावा धर्मेंद्र का नाम अनीता राज के साथ भी जुड़ा।

अपराधी से लेकर आचार्य तक, धर्मेंद्र ने हर किरदार में जीता दिल; इन फिल्मों में निभाई दमदार भूमिका

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और हीमैन धर्मेंद्र ने 89 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से एक युग का अंत हो गया। धर्मेंद्र ने अपने फिल्मी सफर में तरह-तरह के किरदार निभाए थे। वह एक ओर प्रेमी युवक के रूप में याद किए जाते थे, तो दूसरी ओर जांबाज हीरो के रूप में भी। फिल्म 'शोले' में उनकी वीरू की भूमिका आज भी दर्शकों को भुलाए नहीं भूलती। चलिए जानते हैं धर्मेंद्र के करियर के सर्वश्रेष्ठ 10 फिल्मों के बारे में, जिनमें उन्होंने निभाई दमदार भूमिका।

शोले

धर्मेंद्र के करियर की सबसे चर्चित भूमिका की बात की जाए, तो वह 'शोले' में उनकी वीरू की भूमिका है। अमिताभ बच्चन के साथ उनकी जोड़ी ने दोस्ती की मिसाल पेश की थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अपने किरदार को जीवंत कर दिया था।

सत्यकाम

धर्मेन्द्र ने फिल्म 'सत्यकाम' में सत्यप्रिय आचार्य की भूमिका निभाई थी, जो एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे। धर्मेंद्र द्वारा निभाया गया यह किरदार भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक माना जाता है।

चुपके-चुपके

ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में साल 1975 में बनी फिल्म 'चुपके-चुपके' में धर्मेंद्र ने प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी और प्यारे मोहन इलाहाबादी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में धर्मेंद्र की बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को प्रभावित किया थे।

अनुपमा

ऋषिकेश मुखर्जी की ड्रामा फिल्म 'अनुपमा' इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा सराही गई फिल्मों में से एक थी। यह कहानी एक जिद्दी युवक की है। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अशोक की भूमिका निभाई थी, जिसे उमा से प्यार हो जाता है। उमा के माता पिता अशोक को नहीं पसंद करते हैं। इससे पहले उमा कुछ गलत कदम उठाती उसके माता पिता अशोक से शादी के लिए मान जाते हैं। फिल्म में अभिनेता ने दमदार भूमिका निभाई थी।

जॉनी गद्दार

निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म 'जॉनी गद्दार' में धर्मेंद्र ने गैंग लीडर शेषाद्रि 'सेशु' की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र और नील नितिन मुकेश के अलावा रिमी सेन, विनय पाठक और जाकिर हुसैन की मुख्य भूमिकाएं थी।

फूल और पत्थर

फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेंद्र ने एक युवा अपराधी की भूमिका निभाई थी, जिनका नाम शक्ति सिंह 'शाका' था। फिल्म में शाका एक विधवा महिला के खातिर अपनी सारी बुरी आदतें छोड़ देता है और सुधर जाता है।

सीता और गीता

फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेंद्र राका की भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में धर्मेंद्र के किरदार को खूब पसंद किया गया था। इसके अलावा इसमें उनके साथ हेमा मालिनी थीं, जिन्होंने डबल रोल किया था।

यादों की बारात

फिल्म 'यादों की बारात' में धर्मेंद्र ने शंकर की भूमिका निभाई थी। यह पहली मसाला फिल्म थी, जिसमें एक्शन, नाट्य, रोमांस, संगीत, अपराध और थ्रिलर शैलियों का समावेश था।

धरम वीर

मनमोहन देसाई के निर्देशन में साल 1977 में फिल्म 'धरम वीर' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने धरम का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र और जितेन्द्र की जोड़ी को दर्शकों को खूब पसंद किया था।

लोफर

'लोफर' में धर्मेंद्र ने एक स्टाइलिश और करिश्माई हीरो का रोल निभाया था, जो अपराध की दुनिया में फंसा हुआ है लेकिन दिल से नेक है। अभिनेता ने रंजीत का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र की भूमिका की काफी सरहाना की गई थी।

जय-वीरू की दोस्ती के किस्से

फिल्म 'शोले' में जय-वीरू ने दोस्ती की नई परिभाषा गढ़ी। जय के रोल में अमिताभ बच्चन और वीरू के रोल में धर्मेंद्र ने अदाकारी का ऐसा शीर्ष छुआ कि आज तक इस जोड़ी की मिसाल दी जाती है। सिनेमा के इन दोनों दिग्गज सितारों की दोस्ती भी इसी फिल्म के साथ रियल लाइफ में मजबूत होती गई। इस दोस्ती में बड़े और छोटे का लिहाज भी था और प्यार भी। धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन को अपना छोटा भाई मानते रहे। वहीं, अमिताभ बच्चन हमेशा दोस्त धर्मेंद्र में बड़ा भाई देखते रहे। आज एक दोस्त दुनिया छोड़ गया। मगर, दोस्ती के किस्से सदा रहेंगे। जानिए, जय-वीरू की दोस्ती के किस्से...

'शोले' से दोस्ती में बदली जान-पहचान

साल 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'शोले' में दोनों सितारों ने पर्दे पर शानदार अंदाज में काम किया। इस फिल्म में जय के किरदार के लिए अमिताभ बच्चन के नाम की सिफारिश धर्मेंद्र ने ही रमेश सिप्पी से की थी। हालांकि, इससे पहले इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'चुपके-चुपके' में भी दोनों सितारों ने साथ काम किया। मगर, 'शोले' ने इनकी दोस्ती को मजबूत किया।

ऑफ स्क्रीन भी खूब मस्ती करते

फिल्म 'शोले' में जय और वीरू को जहां एक-दूसरे के साथ घूमते, टहलते और मस्ती करते देखा गया, रियल लाइफ में भी इनकी दोस्ती का कुछ ऐसा ही रंग जमा। ऑफ स्क्रीन भी दोनों सितारे साथ घूमते, कार्ड्स खेलते और एक-दूसरे के साथ खूब हंसी-ठट्ठा करते। प्रोफेशनल वजहों से शुरू हुई पहचान रियल लाइफ में भी दोस्ती में तब्दील हुई।

फ्रेंडशिप डे पर दी थी बधाई

फिल्म 'शोले' और उसका थीम सॉन्ग 'यह दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' इनकी पब्लिक इमेज पर भी फिट बैठा। स्क्रीन से आगे जाकर इनका रिश्ता मजबूत दिखा। जब भी मिलते तो एक-दूसरे के साथ बड़े सम्मान से मिलते। साल 2021 में धर्मेंद्र ने फ्रेंडशिप डे के अवसर पर इस गाने का एक फोटो शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन को बधाई दी थी। दोनों के बीच दोस्ती के साथ-साथ सम्मान रहा। धर्मेंद्र अमिताभ बच्चन को अपना छोटा भाई कहा करते थे और कई बार सार्वजनिक रूप से उनकी प्रतिभा की तारीफ की थी। वहीं, अमिताभ बच्चन ने भी धर्मेंद्र को सबसे हैंडसम और आकर्षक अभिनेता बताया।

जुहू में बिग बी के पड़ोसी थे धर्मेंद्र

बीते वर्ष फिल्म 'शोले' की री-यूनियन में दोनों सितारे काफी गर्मजोशी से मिले थे। जुहू इलाके में दोनों स्टार्स एक-दूसरे के पड़ोसी भी रहे। धर्मेंद्र ने इस दौरान अमिताभ बच्चन की तारीफ करते हुए कहा था, 'पूरी इंडस्ट्री का इंजन बन गया है। हम सब तो उसके पीछे-पीछे छुक-छुक करके चलते हैं। मैं उसके जैसा बनने की कोशिश करता हूं। लेकिन ये जवान बच्चा मेरे हाथ नहीं आता। ये कुछ न कुछ करता रहता है'।

आखिरी बार इस फिल्म में दिखे साथ

'चुपके-चुपके' और 'शोले' के अलावा धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'राम-बलराम' (1980) जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया था। दोनों सितारों की जोड़ी ऑनस्क्रीन इतनी पसंद की जाती कि दर्शक थिएटर्स में टूट पड़ते थे। फिल्म 'राम-बलराम' में दोनों सितारे भाई के किरदार में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी।

बिग बी के नाती के साथ धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म

धर्मेंद्र अब नहीं रहे। उनकी आखिरी फिल्म 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी। संयोग देखिए इस फिल्म में लीड रोल में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा नजर आएंगे। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन द्वारा निर्मित इस फिल्म में जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी हैं।

विजय सेतुपति और निर्देशक पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म पूरी हो चुकी है, जल्द होगी रीलीज

साउथ एक्टर विजय सेतुपति इन दिनों साउथ निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म में काम कर रहे हैं। आज फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इसी मौके का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुरी और विजय फिल्म के बारे में खास बातें करते नजर आ रहे हैं।

विजय काफी समय से निर्देशक पुरी जगन्नाथ की अनाम पैन इंडिया फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, जो आज पूरी हो चुकी है। फिल्म के सेट से एक वीडियो पुरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें फिल्म के आखिरी दिन के शूट को लेकर विजय बेहद उदास नजर आए।

इस वीडियो में एक्ट्रेस चार्मी कौर वीडियो कॉल पर नजर आ रही हैं और दोनों से फिल्म को लेकर बातें कर रही हैं। चार्मी, विजय और पुरी का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। पुरी और विजय ने फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन को लेकर कहा कि वे पहले से ही एक-दूसरे को मिस कर रहे हैं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट

पुरी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'Puri Sethupathi की फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

सेट पर कई महीनों की भावनात्मक और आनंदमय यात्रा के बाद, टीम ने फिल्म की पूरी शूटिंग खत्म कर ली है। जल्द ही कुछ रोमांचक अपडेट के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।'

विजय और पुरी की आने वाली फिल्म के बारे में

विजय सेतुपति की इस आगामी फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री संयुक्ता नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल 23 सितंबर, 2025 को रिलीज होना था, लेकिन कुछ वजहों से इसमें देरी हो गई। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है।

इस फिल्म में विजय और संयुक्ता के अलावा तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं ब्रह्माजी सहायक भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा 2025 में की गई थी और इसकी शूटिंग जून 2025 में शुरू हुई थी। इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स और जेबी मोशन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म का संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर ने तैयार किया है।

एसएस राजामौली के सपोर्ट में उतरे राम गोपाल वर्मा, ट्रोल्स को दिया जवाब- भगवान के ठेकेदारों को अल्सर क्यों हो रहा

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा अपनी बेबाकी के साथ सुर्खियों में बने रहते हैं। सोशल मीडिया पर वर्मा का लेटेस्ट पोस्ट भी कुछ ऐसा ही है, जिसमें वह फिल्म निर्माता-निर्देशक एसएस राजामौली का समर्थन करते और उन्हें ट्रोल करने वालों को लताड़ लगाते नजर आए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एसएस राजामौली को निशाना बना रहे यूजर्स को उन्होंने जमकर खरी खोटी सुनाई।

राजामौली के नास्तिक होने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे विवाद पर उन्होंने लंबी पोस्ट लिखकर अपनी बात बेबाकी से रखी। राम गोपाल ने 'एक्स' पर लिखा कि भारत के संविधान का अनुच्छेद-25 हर व्यक्ति को विश्वास करने या न करने की पूरी आजादी देता है।

इसलिए राजामौली को यह कहने का उतना ही हक है कि वे भगवान में विश्वास नहीं करते, जितना हक दूसरों को विश्वास करने का है।

राजामौली के सपोर्ट में राम गोपाल वर्मा

उन्होंने हल्के लहजे में पूछा, 'अगर कोई फिल्ममेकर भगवान को फिल्म में दिखाता है, तो क्या उसे भगवान बनना पड़ेगा? गैंगस्टर फिल्म बनाने के लिए गैंगस्टर बनना जरूरी है क्या?' राम गोपाल ने आगे लिखा कि सबसे मजेदार बात यह है कि भगवान में विश्वास न करने के बावजूद राजामौली को भगवान ने सौ गुना ज्यादा सफलता, पैसा और फैन फॉलोइंग दी है, जितनी ज्यादातर आस्तिक लोग 100 जन्मों में भी नहीं पा सकते।

इससे तीन नतीजे निकलते हैं कि या तो भगवान नास्तिकों से ज्यादा प्यार करते हैं या उन्हें कोई फर्क ही नहीं पड़ता या फिर भगवान नोटपैड लेकर यह हिसाब नहीं लगा रहे कि कौन विश्वास करता है और कौन नहीं।

राम गोपाल वर्मा ने राजामौली के नास्तिक होने पर कहा

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर भगवान को राजामौली से कोई दिक्कत नहीं है, तो खुद को भगवान का ठेकेदार समझने वालों को ब्लड प्रेशर और अल्सर क्यों हो रहा है?

असली समस्या यह नहीं कि राजामौली नास्तिक हैं, असली समस्या यह है कि बिना भगवान पर विश्वास किए वह इतने सफल हो गए और यह उन लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रहा जो घंटों पूजा करने के बाद भी असफल हैं। अंत में रामू ने लिखा, 'राजामौली के नास्तिक होने से भगवान छोटे नहीं हो जाते। इससे सिर्फ कुछ लोगों की असुरक्षा बढ़ती है। इसलिए रिलैक्स करो।'

तेज प्यास हाई बीपी-शुगर का संकेत : मुंह सूखे, गाढ़ी-चिपचिपी लार, तो हो जाएं अलर्ट

सौंफ का पानी पिएं, शहद-नींबू-पानी फायदेमंद

कई बार वक्त की कमी के चलते हम शरीर में होने वाले सेहत सम्बन्धी बदलाव को अनजाने में अनदेखा करते हैं। आगे जाकर यह बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम की वजह बन सकता है। पानी पीने के बाद भी बार-बार मुंह सूखना और अचानक से तेज प्यास महसूस होना भी किसी बीमारी का लक्षण हो सकता है। डॉक्टर अनुभव शुक्ल से जानें इसका कारण और समाधान।

ड्राई माउथ एसिड को न्यूट्रलाइज करता है

शुष्क मुंह एक ऐसी स्थिति है जिसमें सलाइवरी ग्लैंड्स मुंह की नमी को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में सलाइवा का उत्पादन नहीं कर पाते। सलाइवा ओरल हेल्थ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह बैक्टीरिया की ओर से बनाए गए एसिड को न्यूट्रलाइज करने में मदद करता है।

अल्जाइमर का संकेत है ड्राई माउथ

अगर आपका मुंह बहुत ज्यादा सूखता है तो यह स्ट्रोक, डायबिटीज या अल्जाइमर का संकेत हो सकता है। कई बार मुंह सूखने का यह लक्षण एक ऑटोइम्यून डिसऑर्डर जैसे एचआईवी या स्जोग्रेन सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है।

हाइपरग्लाइसीमिया में सूखता है मुंह

हाई ब्लड शुगर लेवल से भी गला सूखने लगता है। अगर ऐसा है तो अलर्ट हो जाएं। ब्लड में शुगर लेवल हाई होने से हाइपरग्लाइसीमिया भी कहा जाता है। नेशनल हेल्थ मिशन

के अनुसार, हाइपरग्लाइकेमिया में मुंह सूखने और प्यास बढ़ने के साथ बार-बार यूरिनेशन की प्रॉब्लम भी होती है.

बिगड़ी लाइफस्टाइल से हाई ब्लड शुगर की प्रॉब्लम

तनाव, किसी बीमारी की वजह से, जरूरत से ज्यादा खाना खाने की वजह से, एक्सरसाइज़ की कमी से, हिडाइड्रेशन और डायबिटीज से जुड़ी दवाइयां मिस करने से हाई ब्लड शुगर की प्रॉब्लम होती है.

च्युइंगगम चबाएं

च्युइंगगम चबाएं या लार घोंटने से थोड़ी राहत मिल सकती है। अगर आपकी किसी बीमारी की वजह से पहले से दवाइयां चल रही हैं तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें। अगर दवाइयां बदलने की जरूरत है तो डॉक्टर आपको ऐसी दवाइयां लिख सकता है जिससे सलाइवा बनने लगेगा।

सौंफ का पानी पिएं

1 ग्लास पानी डालकर उसमें 1 चम्मच सौंफ और 1 चम्मच मिश्री डालकर उबालें। ठंडा होने पर इसे पीने से मुंह के सूखेपन में फायदा मिलता है। सौंफ में फ्लेवनॉयड्स होते हैं जो लार बनाने में मदद करते हैं।

नींबू और शहद पानी पिएं

1 गिलास पानी में नींबू के रस की कुछ बूंदे और थोड़ा-सा शहद मिलाएं. इसे थोड़ी-थोड़ी देर तक पीते रहें। इससे मुंह में लार बनती रहेगी और ड्राई माउथ प्रॉब्लम नहीं होगी।

नमक के पानी से कुल्ला मुंह-पेट की बीमारियों से बचाएगा

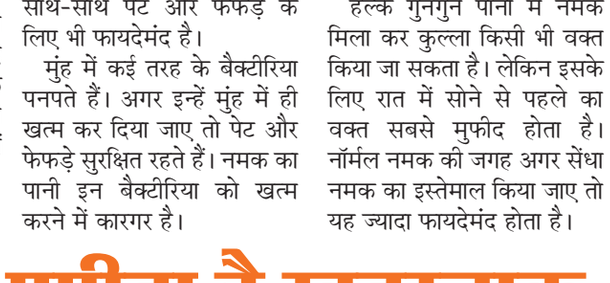

नमक के पानी से गरारे करना दादी-नानी के नुस्खे में शामिल रहा है। मुंह की सफाई के लिए अक्सर ऐसा करने को कहा जाता था। लेकिन जापान में हुई एक नई रिसर्च में पाया गया है कि नमक के पानी से कुल्ला करना श्वसन तंत्र के संक्रमण को रोकने में भी कारगर है।इसके अलावा ऐसा करना सर्दी-जुकाम, कफ और फ्लू में भी राहत देता है। गर्म पानी में चुटकी भर नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह की सफाई और महकती सांसों के साथ सेहत भी मजबूत होती है। ऐसे में इसके फायदे और सही तरीके को जान लेना जरूरी हो जाता है।

मुंह के साथ पेट और फेफड़ा भी रहेगा सुरक्षित

आमतौर पर माना जाता है कि नमक के पानी से कुल्ला करना सिर्फ साथ मुंह के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा नहीं है। ये मुंह के साथ-साथ पेट और फेफड़े के लिए भी फायदेमंद है।

मुंह में कई तरह के बैक्टीरिया पनपते हैं। अगर इन्हें मुंह में ही खत्म कर दिया जाए तो पेट और फेफड़े सुरक्षित रहते हैं। नमक का पानी इन बैक्टीरिया को खत्म करने में कारगर है।

मौसमी बीमारियों से बचाएगा

सर्दी के मौसम में कई तरह के फ्लू और इन्फेक्शन होते हैं। नमक के पानी से कुल्ला करना इनसे भी बचाता है। गले के इन्फेक्शन और खराश को दूर करने के लिए भी नमक के पानी से कुल्ला किया जा सकता है। इससे छाती में जमा पुराना कफ निकल जाता है और जकड़न से भी राहत मिलती है।

मुंह के पीएच लेवल को मेंटेन करता है

सामान्य रूप से मुंह का पीएच लेवल 6.3% होता है। इससे कम होना यानी मुंह में एसिड के लेवल का बढ़ जाना होता है। ऐसी स्थिति में दांत और मसूड़ों को नुकसान होना शुरू हो जाता है। नमक का पानी मुंह के पीएच लेवल को बढ़ा कर मेंटेन करता है। जो ओरल हेल्थ के लिए काफी जरूरी है।

रात में सोने से पहले कुल्ला ज्यादा फायदेमंद

हल्के गुनगुने पानी में नमक मिला कर कुल्ला किसी भी वक्त किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए रात में सोने से पहले का वक्त सबसे मुफीद होता है। नॉर्मल नमक की जगह अगर सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाए तो यह ज्यादा फायदेमंद होता है।

लंबे समय से डिस्पेनिया का शिकार थे अभिनेता धर्मेंद्र

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का आज (24 नवंबर 2025) 89 साल की उम्र में निधन हो गया। पिछले कुछ समय से वह बीमार चल रहे थे। उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते धर्मेंद्र हाल के दिनों में मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे, इसके बाद घर पर उनका इलाज चल रहा था। सोमवार को उनका निधन हो गया। फिल्म निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर धर्मेंद्र के निधन की जानकारी दी है।

गौरतलब है कि धर्मेंद्र को पिछले कुछ समय से सांस लेने में दिक्कत और उम्र से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं थीं जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सांस की इस समस्या को डिस्पेनिया कहते हैं। इस वजह से उन्हें कुछ वक्त के लिए वेंटिलेटर पर भी रखा गया था।

आइए इस स्वास्थ्य समस्या के बारे में विस्तार से समझते हैं।

सांस लेने में तकलीफ (डिस्पेनिया)

सांस लेने में होने वाली दिक्कत को डिस्पेनिया कहते हैं, यह खुद कोई बीमारी नहीं बल्कि कई अंदरूनी बीमारियों का लक्षण मानी जाती है। सांस या कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम की समस्याओं जैसे अस्थमा, निमोनिया, हार्ट फेलियर या एनीमिया के कारण भी डिस्पेनिया हो सकती है।

सांस लेने में तकलीफ हल्की और कुछ समय के लिए से लंबे वक्त तक के लिए हो सकती है। कभी-कभी डिस्पेनिया का पता लगाना और उसका इलाज करना मुश्किल होता है क्योंकि इसके कई अलग-अलग कारण हो सकते हैं। उम्र दराज लोगों में ये दिक्कत अधिक देखी जाती है।

क्यों होती है ये दिक्कत?

सांस लेने में तकलीफ महसूस होने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। ज्यादा ऊंचाई पर जाने या तापमान में बदलाव के दौरान भी कुछ लोगों को सांस की समस्या हो सकती है। कुछ मामलों में सांस की ये दिक्कत गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है।

अस्थमा, स्ट्रेस, दिल की बीमारी, सांस की नली में रुकावट, एलर्जिक रिएक्शन, एनीमिया या फिर आयरन की कमी जैसी स्थितियां भी डिस्पेनिया का कारण बनती हैं। इसके अलावा हार्ट फेलियर, ब्लड प्रेशर लो या हाई होने, पल्मोनरी एम्बोलिज्म (फेफड़ों की आर्टरी में खून का थक्का बनने) के कारण भी आपको डिस्पेनिया की समस्या हो सकती है।

डिस्पेनिया के क्या लक्षण होते हैं?

डिस्पेनिया या सांस लेने में तकलीफ के कुछ आम लक्षण होते हैं जिसकी समय रहते पहचान और इलाज करना जरूरी माना जाता है। अगर डिस्पेनिया अचानक होता है या लक्षण गंभीर हैं, तो यह किसी गंभीर मेडिकल कंडीशन का संकेत हो सकता है।

- मेहनत के बाद सांस फूलना
- सांस लेने में तकलीफ़
- सीने में जकड़न
- तेजी से सांस आना,
- दम घुटने जैसा महसूस होना
- दिल की धड़कन तेज होना
- घरघराहट या खांसी की समस्या बनी रहना।

डिस्पेनिया का इलाज और बचाव के तरीके

सांस की समस्याओं का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि आपको ये दिक्कत हो क्यों रही है?

ज्यादा मेहनत की वजह से सांस फूलने या थोड़ी देर रुकने और आराम करने पर समस्या ठीक हो जाती है। ज्यादा गंभीर मामलों में व्यक्ति को ऑक्सीजन की ज़रूरत पड़ सकती है। अस्थमा या सीओपीडी वाले लोगों को डॉक्टरी मदद की आवश्यकता हो सकती है। जिन लोगों को पहले से सांस लेने में तकलीफ रही हो उन्हें कुछ बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है।

सिगरेट या सेकंड-हैंड स्मोकिंग से बचें

केमिकल वाले धुएं और लकड़ी के धुएं से बचना चाहिए।

कार्डियोवैस्कुलर और रेस्पिरेटरी सिस्टम को मजबूत करने के लिए व्यायाम करने से मदद मिलती है।

संतरे के बाद दूध, गाजर और पपीता है खतरनाक

ठंडी तासीर का फल होने के बावजूद सर्दी के मौसम में संतरा सेहत के लिए फायदेमंद माना गया है। इसमें विटामिन ए-बी-सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सर्दियों में इम्यूनिटी को बूस्ट कर बीमारियों से बचाते हैं। स्वाद में लाजवाब संतरे को आंखों और स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लोग अक्सर नाश्ते के साथ फल या जूस के रूप में संतरे को लेना पसंद करते हैं।

अनेक गुणों से भरपूर संतरा, सेहत के लिए खतरनाक भी हो सकता है। खासतौर से तब जब इसे गलत कॉम्बिनेशन के साथ खाया जाए। संतरे को दूध, गाजर और पपीता के साथ, या फिर तुरंत पहले या बाद खाना सेहत को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में संतरे को खाने के सही तरीके और सही वक्त को जान लेना जरूरी है। ताकि चटक रंग वाला संतरा सेहत फीकी न करे।

'दूध और संतरा एक साथ जहर के समान हैं'

आयुर्वेद के अनुसार हर फल की एक प्रकृति होती है। उसकी प्रकृति के हिसाब से ही उसके खाने का समय और मात्रा तय होती है। किस चीज को किसके साथ खाना या नहीं खाना है, वह भी उसकी प्रकृति पर निर्भर करता है।

संतरा खट्टी प्रकृति का होता है और आयुर्वेद में खट्टी चीजों को दूध के साथ 'जहर के समान' बताया गया है। ऐसे में संतरा खाने के बाद दूध या दूध से बनी कोई भी चीज नहीं खानी चाहिए। इससे स्किन और डाइजेशन की समस्या हो सकती है।

पपीता और गाजर भी नहीं है संतरे का साथी

ठंड के मौसम में संतरे के अलावा गाजर और पपीता भी खूब खाए जाते हैं। लेकिन इनका कॉम्बिनेशन ठीक नहीं है। संतरा खाने के आसपास पपीता और गाजर खाने से बचना चाहिए। अभिषेक उपाध्याय बताते हैं कि संतरा के साथ गाजर या पपीते को खाने से पित्त-दोष हो सकता है।

दोपहर है संतरा खाने का मुफीद समय

संतरे के सुबह या शाम को खाने से बचना चाहिए। जानकार बताते हैं कि इसे खाने का सबसे मुफीद समय दोपहर है। संतरे को भोजन के बाद भी नहीं खाना चाहिए। ऐसे में लंच के थोड़ा पहले संतरा खाना सबसे बेहतर माना जाता है। संतरा खाने के आधे घंटे के भीतर कुछ और खाने से भी बचना चाहिए।

दांतो में पीप और खून आता है

प्रश्न : दांतों में पीप और खून आता है। शायद मसूढों में सूजन भी है। उपाय बताएं।

- मोहम्मद असलम, हैदराबाद

उत्तर : डेंटल कैरीज में दांतों में कैविटीज बन सकती है। और अन्न के कण जमें होने पर संक्रमण की हमेशा गुंजाइश रहती है । मसूढों में सूजन आने (जिंजिवाइटिस) में मसूढें फूल जाते हैं। इसमें कई बार रगड़ने से खून भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। आप ऊंझा दशनसंस्कार चूर्ण में में ऊं झा

इरिमेदादी तेल मिलाकर मंजन करें। कुछ देर यह औषधि मुंह में ही रखें। बाद निवाये पानी में नमक डालके कुल्ली करें। मसूढों की सूजन और स्पंजी गमस में सीधे ऊंझा इरिमेदादि तैल मसूढों पर लगाएं। इससे जरूर आराम मिलेगा। खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, आंवला आदि का प्रयोग करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे धुंधला दिखता है। क्या इस उम्र में भी मोतियाबिंद हो सकता है?

- जगन्नाथ राव, करीमनगर

उत्तर : मोतियाबिंद होने के कई कारण हो सकते हैं । जैसे - गर्भावस्था में जीवाणु संक्रमण, किसी भी उम्र में आंख में चोट, मधुमेह , स्टिराइड्स संबंधी दवाओं का लंबे समय तक सेवन, अधिक धूम्रपान, अधिक मद्यपान आदि । सामान्यतः यह रोग 60 वर्ष के बाद होने की संभावना होती है।

आंख से धुंधला दिखाई देना या दृष्टि कम होना ठीक नहीं है। जीवनीय तत्वों की कमी भी एक कारण हो सकती है। इसके लिए आप गाजर, पपीता, चुकंदर, सभी पीले फलों का सेवन करें। ऊंझा सप्तामृत लोह टिकिया त्रिफला चूर्ण या टेबलेट सुबह-शाम गुनगुने दूध में त्रिफला घृत (मात्रा - एक चम्मच) मिलाकर सुबह-शाम लेवें। आंखों को त्रिफला के पानी से धोएं, साफ करें । आंखों के सूक्ष्म योगिक व्यायाम करें । ताज़ा,स्वच्छ व संतुलित भोजन करें । धीरे-धीरे आंखों का धुंधलापन दूर हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 80 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- रजनीकांत, सिकंदराबाद

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 80 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवे। औषध कल्प में आप ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें।

तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

मेंटल हेल्थ से लेकर शुगर कंट्रोल के लिए जरूरी है ये पोषक तत्व

शरीर के सभी अंगों के बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की चर्चा में प्रोटीन, आयरन और कुछ प्रकार के विटामिन्स की जरूरतों पर सबसे ज्यादा बात की जाती है। पर क्या आप जानते हैं कि पोटैशियम और मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उसी तरह से जरूरी है। इस लेख में हम मैग्नीशियम की जरूरतों और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बात कर रहे हैं। मैग्नीशियम एक आवश्यक खनिज है जो मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने, हड्डियों की मजबूती और रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने के लिए आवश्यक है। यदि आपको लंबे समय तक अपने आहार से पर्याप्त मैग्नीशियम नहीं मिलता है, तो यह दिल का दौरा, स्ट्रोक, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को बढ़ा सकती है।

आहार के माध्यम से मैग्नीशियम प्राप्त करना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बहुत आवश्यक माना जाता है। मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए ये पोषक तत्व बहुत जरूरी है। मैग्नीशियम, शुगर के लेवल को कंट्रोल करने में मददगार है और हड्डियों को मजबूत बनाने में भी इसकी भूमिका मानी जाती है। मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने तनाव को कम करने, चिंता और अवसाद के लक्षणों में सुधार करने में भी इस पोषक तत्व से लाभ मिलता है। रक्तचाप और नींद में सुधार करने के लिए भी इसके लाभ हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए जरूरी है ये मिनरल

मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट के मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन स्राव के लिए आवश्यक है, यही कारण है कि इसे डायबिटीज के रोगियों के लिए आवश्यक माना जाता है। अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स के माध्यम से तेजी से रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। प्लेसबो की तुलना में मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की मदद से इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार के प्रमाण मिले हैं।

मानसिक स्वास्थ्य विकारों को कम करने में लाभकारी

मैग्नीशियम आपके शरीर की तनाव प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि आप पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम नहीं ले रहे हैं, तो आपमें स्ट्रेस की दिक्कत हो सकती है। शोध से पता चलता है कि जो लोग अक्सर तनावग्रस्त रहते हैं, उनके रक्त में मैग्नीशियम का स्तर कम देखा गया है। चिंता और अवसाद जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षणों में सुधार के लिए मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स की सलाह दी जाती है।

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, मैग्नीशियम की दैनिक आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति की जा सकती है। डॉर्क चॉकलेट, एवोकाडो, सूखे मेवे, टोफू, सीड्स और साबुत अनाज से इस पोषक तत्व की पूर्ति हो सकती है। कद्दू के बीज, बादाम, काजू के सेवन से भी मैग्नीशियम मिल सकता है। रोजाना एक मुट्ठी नट्स का सेवन आपके शरीर को स्वस्थ रखने और पोषक तत्वों की पूर्ति करने में आपके लिए लाभकारी है।

महंगाई के मुहाने पर दुनिया... ट्रंप ने कर दिया ऐसा काम कि बदल सकते हैं बाजार के हालात, अभी से दिखने लगा असर

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक 'दादागिरी' से दुनिया में महंगाई का खतरा बढ़ गया है। दरअसल, दुनिया भर में तेल ले जाने वाले जहाजों का बाजार इन दिनों बहुत बदल रहा है। सबसे बड़े कच्चे तेल के टैंकरों को किराए पर लेने का खर्च पिछले 5 सालों में सबसे ज्यादा हो गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बढ़ोतरी दो बड़ी वजहों से हो रही है। पहली अमेरिका ने रूस के बड़े तेल निर्यातकों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। दूसरा मध्य पूर्व और अमेरिका से कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ी है। बहुत बड़े कच्चे तेल के वाहक जहाजों (ये मध्य पूर्व से चीन तक 20 लाख बैरल तक तेल ले जा सकते हैं) के लिए रोज का किराया पिछले हफ्ते लगभग 1,37,000 डॉलर तक पहुंच गया। यह साल की शुरुआत से 576% ज्यादा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में बताया गया है कि यह अप्रैल 2020 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है और यह दो हफ्ते पहले के बहु-वर्षीय शिखर को भी पार कर गया है। वीएलसीसी के किराए को ट्रैक करने वाला एक व्यापक इंडेक्स भी रोजाना 1,16,400 डॉलर तक पहुंच गया, जो 5 साल का एक और उच्च स्तर है।इन टैंकरों में यह तेजी तब आई है जब शुक्रवार को रूस के निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हुए। ट्रंप ने इन निर्यातकों पर बैन लगाने की घोषणा कुछ समय पहले की थी। इसकी वजह से रिफाइनर, खासकर भारत और चीन में, दूसरे सप्लायर की ओर मुड़ रहे हैं। जेफरीज एलएलसी के विश्लेषक उमर नोक्ता के एक नोट के अनुसार, इसी समय अमेरिका और ओपीईसी+ देशों, खासकर मध्य पूर्व के उत्पादकों से नया तेल ज्यादा उपलब्ध हो रहा है।

मांग बढ़ने से बढ़ा किराया

बाजार में इस बदलाव का असर जहाजों की गतिविधियों में भी दिख रहा है। पिछले हफ्ते चार्टर करने वालों ने नवंबर के अंत और दिसंबर की लोडिंग के लिए जहाजों की एक बड़ी संख्या बुक की। मध्य पूर्व के कच्चे तेल के लिए लगभग एक दर्जन वीएलसीसी की मांग की गई। इस बढ़ी हुई मांग ने टैंकरों के पूरे स्पेक्ट्रम में कमाई को बढ़ा दिया है।छोटे जहाज भी इस लहर पर सवार हो रहे हैं। वोर्टएक्सा के लीड फ्रेट एनालिस्ट इओनिस पापाडिमिट्रियू ने बताया कि स्वेजमैक्स (ये वीएलसीसी से आधे वॉल्यूम तक ले जाते हैं) को मध्य पूर्व की ओर भेजा जा रहा है ताकि वे ऐसे कार्गो लोड कर सकें जो आमतौर पर बड़े जहाजों द्वारा संभाले जाते हैं। अफ्रामैक्स (जो लगभग 700,000 बैरल ले जाते हैं) को भी फायदा हुआ है। सिंगापुर की सेनटोसा शिपब्रोकर्स के अनुसार, पिछले हफ्ते मध्य पूर्व-एशिया यात्रा के लिए उनका किराया रोजाना 51,000 डॉलर तक पहुंच गया इनका किराया इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि रूस से तेल की सप्लाई कम हो गई है और दूसरी जगहों से तेल की मांग बढ़ गई है। जब किसी चीज की मांग ज्यादा होती है और सप्लाई कम, तो उसकी कीमत बढ़ जाती है। जहाजों के किराए के साथ भी यही हो रहा है।

रिलायंस के 44 लाख निवेशकों के लिए गुड न्यूज

कहां तक जा सकता है मुकेश अंबानी का यह शेयर?

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले साल निगेटिव रहा था लेकिन इस बार इसने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। 2025 में अब तक 26% से ज्यादा चढ़ चुका है। इस उछाल से कंपनी का मार्केट कैप 4.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है और अब यह लगभग 21 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। शुक्रवार को यह शेयर बीएसई पर 52 हफ्ते के नए उच्चतम स्तर 1,557.95 रुपये पर पहुंचा। साफ है कि मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाला यह विशाल ग्रुप एक बार फिर पूरी ताकत से वापसी कर रहा है।

आखिर इस तेज उछाल के पीछे क्या कारण है? दरअसल, रिलायंस के अलग-अलग कारोबारों में एक साथ कई अच्छी खबरें आ रही हैं। रिफाइनिंग के मुनाफे में बढ़ोतरी, टेलीकॉम टैरिफ में इजाफा, रिटेल बिजनेस में लगातार मजबूती और भविष्य में कंपनी की वैल्यू को और बढ़ाने वाले कई मौके। ये सब फैक्टर मिलकर इस तेजी को हवा दे रहे हैं। सोमवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। 11.30 बजे यह 0.60% गिरावट के साथ 1536.70 रुपये पर था।

जियो का आईपीओ

जेफरीज ने रिलायंस जियो के लिए अपना टारगेट एंटरप्राइज वैल्यू बढ़ाकर 180 अरब डॉलर कर दिया है। जेफरीज का अनुमान है कि जियो 2026 से 2028 के वित्तीय वर्षों में अपने रेवेन्यू और ईबीआईटीडीए में सालाना 18% और 21% की दर से बढ़ोतरी करेगा। इसके कई कारण हैं। मसलन मोबाइल टैरिफ में लगातार वृद्धि, फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस तकनीक के कारण होम ब्रॉडबैंड कारोबार में मजबूत ग्रोथ, एंटरप्राइज के कारोबार का विस्तार और टेक्नोलॉजी के बेहतर इस्तेमाल से कमाई बढ़ना। टेलीकॉम की कहानी तो बस एक हिस्सा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रिलायंस को 'बाई' रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस 1,735 रुपये रखा है। इसके पीछे रिटेल कारोबार में जबरदस्त मजबूती, न्यू

एनर्जी इनिशिएटिव्स में दिख रही प्रगति और मीडिया सेगमेंट का बढ़ता महत्व है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि रिलायंस के विविध ग्रोथ इंजन और बेहतर रिटर्न की उम्मीदों के चलते 2026 से 2028 के वित्तीय वर्षों में कंपनी का प्रति शेयर मुनाफा सालाना 15% की दर से बढ़ेगा। कंपनी के फ्री कैश फ्लो यील्ड और रिटर्न रेशियो भी उम्मीद से बेहतर रहने की संभावना है।

ओ2सी का शानदार कमबैक

रिलायंस का ऑयल-टू-केमिकल्स अब जोरदार वापसी कर रहा है। एशिया में रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार हुआ है। इसके पीछे अच्छे फंडामेंटल, रिफाइनरी में रखरखाव का काम पूरा होना, मौसम का असर और भू-राजनीतिक घटनाएं शामिल हैं। यूबीएस के अनुसार, डीजल, जेट फ्यूल और पेट्रोल के दाम मजबूत हुए हैं। खासकर जेट फ्यूल के लिए तो आने वाली सर्दियों में हीटिंग की जरूरतों के कारण आउटलुक काफी सकारात्मक है। यूबीएस ने 'बाई' रेटिंग और 1,820 रुपये का टारगेट प्राइस बनाए रखा है।

रिटेल बिजनेस

रिटेल कारोबार भी वैल्यू बढ़ाने का एक और संभावित अवसर प्रस्तुत करता है। जानकारों का कहना है कि रिटेल कारोबार में वैल्यू बढ़ाने के लिए कुछ किया जा सकता है। यह भी काफी बड़ा हो गया है और वहां कुछ वैल्यू-अन लॉकिंग उपाय किए जा सकते हैं। अगर और जब ऐसा होता है, तो शेयर में तेजी देखने को मिलेगी। कुल मिलाकर रिलायंस के 44 लाख शेयरधारकों के लिए यह साल अच्छा साबित हो रहा है।

गिरावट के साथ बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 331 अंक टूटा, निफ्टी 26000 के नीचे

मुंबई,24 नवंबर (एजेंसियां)। निवेशकों की सतर्कता के कारण अंतिम क्षणों में की गई बिकवाली और किसी बड़े उत्प्रेरक के अभाव के कारण सोमवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त गंवाकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 331.21 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,900.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 521.81 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 84,710.11 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक या 0.42 प्रतिशत गिरकर 25,959.50 अंक पर आ गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच बैंकों और आयातकों द्वारा अमेरिकी डॉलर की बिकवाली से सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 46 पैसे की तेजी के साथ 89.20 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, सन फार्मा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में लाभ रहा। एशियाई बाजारों में, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ। जापान में शेयर बाजार छुट्टी के कारण बंद रहे। यूरोप के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि एक सीमित दायरे में सकारात्मक कारोबार के बाद, बाजार सोमवार की समाप्ति के कारण अंतिम आधे घंटे में गिरावट के साथ बंद हुआ, क्योंकि निफ्टी-50 सूचकांक 26,000 की प्रमुख सीमा से ऊपर नहीं टिक सके। अंतरिम अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में देरी जैसी प्रमुख घटनाओं के जोखिम की आशंका में निवेशकों का रुझान सतर्क रहा। इसके बावजूद, आईटी शेयरों में चुनिंदा खरीदारी से कुछ समर्थन मिला। अच्छी बात यह है कि वैश्विक बाजार आशावादी बने हुए हैं, जो दिसंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की नई उम्मीदों से प्रेरित है, जो अमेरिकी रोजगार आंकड़ों में गिरावट के जोखिम से प्रेरित है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.98 प्रतिशत गिरकर 61.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति	
सूर्य -	वृश्चिक में
चंद्र -	धनु में
मंगल-	वृश्चिक में
बुध -	वृश्चिक में
गुरु	कर्क में
शुक्र -	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक...	05-49 बजे
धनु......	07-03 बजे
मकर...	10-10 बजे
कुंभ....	12-09 बजे
मीन....	13-38 बजे
मेष.....	15-14 बजे
वृष....	16-59 बजे
मिथुन..	18-58 बजे
कर्क...	21-14 बजे
सिंह---	23-24 बजे
कन्या--	01-30 बजे
तुला----	03-44 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष मंगलवार 25 Nov
तिथि - पंचमी 22-57 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 23-56 तक उप श्रवण
योग - गण्ड 12-49 तक उप वृद्धि
करण - बव 10-13 तक उप बालव

श्री राम जानकी विवाह उत्सव

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-51 16-15

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	06-25 - 07-52	अशुभ
उत्पात	07-52 - 09-15	अशुभ
चंचल	09-15 - 10-39	शुभ
लाभ	10-39 - 12-03	शुभ
अमृत	12-03 - 13-27	शुभ
काल	13-27 - 14-51	अशुभ
शुभ	14-51 - 16-15	शुभ
रोग	16-15 - 17-36	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	17-36 - 19-14	अशुभ
लाभ	19-14 - 20-51	शुभ
उत्पात	20-51 - 22-27	अशुभ
शुभ	22-27 - 00-03	शुभ
अमृत.	00-03 - 01-40	शुभ
चंचल	01-40 - 03-16	शुभ
रोग	03-16 - 04-52	अशुभ
काल	04-52 - 06-25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे । आज आप शारीरिक और मनोविज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से खुद को बहुत अच्छी स्थिति में पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

2.99 लाख डालर का फायदा

छह घंटे में डूब गई बड़ी रकम, क्रिप्टोकरेंसी ने सपने दिखाकर फिर उड़ाई नींद

नई दिल्ली,24 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में पिछले दो दिनों में बड़ा उलटफेर हुआ है। इसमें पिछले काफी समय में गिरावट चल रही है। निवेशकों की लाखों करोड़ रुपये की रकम उड़ गई है। इस गिरावट पर शनिवार शाम कुछ ब्रेक लगते नजर आए। शनिवार शाम से 36 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप जबरदस्त तरीके से बढ़ गया। लेकिन निवेशकों की यह खुशी ज्यादा समय नहीं रही। पिछले 6 घंटे में बड़ी रकम डूब गई। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार शनिवार शाम 4 बजे क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 2.86 लाख करोड़ डॉलर था। इसके बाद इसमें तेजी आई। 36 घंटे बाद यानी सोमवार सुबह 4 बजे यह मार्केट कैप बढ़कर 2.99 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी इन 36 घंटों में निवेशकों को 0.13 लाख करोड़ डॉलर (करीब 11.60 लाख करोड़ रुपये) का मुनाफा हुआ। लेकिन इसके बाद इसमें फिर गिरावट आनी शुरू हो गई।

6 घंटे में डूबी बड़ी रकम

सोमवार सुबह 4 बजे से लेकर सुबह 10 बजे तक इन 6 घंटों में क्रिप्टोकरेंसी में बड़ी गिरावट आ चुकी है। सुबह 10 बजे क्रिप्टो का मार्केट कैप 2.95 लाख करोड़ डॉलर था। यानी इन 6 घंटों में क्रिप्टो के मार्केट कैप में 0.04 लाख करोड़ डॉलर (करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये) की गिरावट आ चुकी है। ऐसे में निवेशकों के चेहरे पर शनिवार शाम से जो खुशी आई थी, वो पिछले 6 घंटे में गायब हो गई। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी की स्थिति बहुत ज्यादा सही नहीं है। हालांकि निवेशक कुछ मुनाफे में जरूर नजर आ रहे हैं, लेकिन बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो में यह मुनाफा एक फीसदी भी नहीं है। सोमवार सुबह 10 बजे बिटकॉइन करीब 0.50% की तेजी के साथ करीब 87 हजार डॉलर पर कारोबार कर रहा था। वहीं इथेरियम 2840 डॉलर पर, रिपल करीब 2 डॉलर पर और सोलाना करीब 131 डॉलर पर थी।

अगले साल रिटायर हो सकते हैं एपल सीईओ टिम कुक

फोल्डेबल फोन आखिरी प्रोडक्ट हो सकता है, 28 की उम्र में एपल से जुड़े थे

कैलिफोर्निया,24 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज टेक कंपनी एपल 2026 में फोल्डेबल आईफोन ला सकती है। चर्चा है कि यह कंपनी के सीईओ टिम कुक के नेतृत्व में बना आखिरी प्रोडक्ट हो सकता है। 1998 में जब एपल संकट में थी, तब उन्होंने दूसरी कंपनी में इन्वेंट्री हेड का पद छोड़ एपल जॉइन किया। तब उनके फैसले को मूर्खतापूर्ण कहा गया, लेकिन वे दिवंगत को-फाउंडर स्टीव जॉब्स के भरोसे और दृढ़ता की बदौलत एपल को 357 लाख करोड़ रुपए की कंपनी बनाने वाले सफर तक ले आए। जानते हैं टेक बिलियनेयर कुक की कहानी...

प्रेरणा: पिता ने 'कड़ी मेहनत का मूल्य' का सिद्धांत सिखाया

कुक में बचपन से पैसे कमाने की चाहत थी। 12 साल की उम्र में पॉकेटमनी के लिए अखबार बेचने लगे थे। तब तड़के 3 बजे उठते, काम करते और फिर स्कूल जाते थे। उनका मानना है कि पिता ने उन्हें 'कड़ी मेहनत का मूल्य' सिखाया, जो जीवनभर उनके करियर में मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहा। 16 साल की उम्र में टाइपराइटर न खरीद पाने के कारण उन्होंने पूरा निबंध हाथ से लिखकर प्रतियोगिता में भेजा और उसे जीता भी।

हुनर: मुश्किल वक्त में स्टीव संग मिलकर कई नए प्रोडक्ट लाए

वर्ष 1998 में स्टीव जॉब्स के बुलावे पर टिम कुक सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बनकर एपल से जुड़े। तब कंपनी का वैल्यूएशन सिर्फ 3.02 बिलियन डॉलर (करीब 27,000 करोड़ रुपए) थी और हालत खराब थी। कुक ने तुरंत ऑपरेशन और ग्लोबल सप्लाई चेन संभाली। 2005 में वे सीओओ बने और जॉब्स के साथ मिलकर आईफोन और आईपैड जैसे प्रोडक्ट पेश किए। 2011 में जॉब्स के बाद कुक सीईओ बने और उनके नेतृत्व में एपल 3 ट्रिलियन डॉलर वैल्यूएशन वाली दुनिया की पहली कंपनी बनी। आज ये 4 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी है।

कामः हर दिन कंपनी की वैल्यू में औसतन 6,273 करोड़ रुपए जोड़े

कुक के 14 साल के नेतृत्व में एपल की सालाना बिक्री 9.6 लाख करोड़ से 37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। मुनाफा 3 लाख करोड़ से 12 लाख करोड़ रुपए हो गया। मार्केट कैप 31 लाख करोड़ से 360 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यानी हर दिन औसतन 6,273 करोड़ रुपए जोड़े।शेयरधारकों को अमीर बनाने में सिर्फ एनवीडिया के जेन्सन हुआंग उनसे आगे हैं। इकोनॉमिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी की समग्र आय में, टिम कुक के 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 89 लाख करोड़ रुपए) के आंकड़े के आसपास दुनिया का कोई भी सीईओ नहीं ठहरता है।

जीवन मंत्र: 23 हजार करोड़ संपत्ति, न आलीशान घर, न ही लग्जरी कार

कुक का जन्म 1 नवंबर 1960 को अमेरिका के अलबामा में हुआ। पिता शिपयार्ड वर्कर और मां दवा कंपनी में काम करती थीं। कुक परिवार में कॉलेज जाने वाले पहले सदस्य थे। कुक ने शादी नहीं की और 2014 में खुद को समलैंगिक बताया। 2009 में कैंसर से पीड़ित स्टीव जॉब्स को लिवर देने की पेशकश भी की थी। 23 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति और 643 करोड़ की सालाना सैलरी के बावजूद कुक साधारण जीवन जीते हैं। उनके पास न चमचमाती कारें हैं, न लग्जरी घर। वे काम को लेकर जुनूनी हैं। सुबह 5 बजे उठना, दफ्तर के सैकड़ों ईमेल चेक करना, जिम और ऑफिस उनका डेली रूटीन है।

बियर,रम, वाइन, वोदका सब फेल,भारत में इस शराब की है बादशाहत कायम

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में खान-पान और शौक की जब बात होती है, तो शराब का जिक्र आना कोई नई बात नहीं रही। अक्सर लोगों को लगता है कि गर्मियों में बियर या पार्टियों में वोदका का चलन सबसे ज्यादा है। लेकिन अगर आप ऐसा सोचते हैं, तो बाजार के आंकड़े आपकी इस सोच को पूरी तरह बदल कर रख देंगे। भारत दुनिया के सबसे बड़े शराब बाजारों में से एक है और यहां पीने वालों की तादाद करोड़ों में है। आपको कोविड-19 का वह दौर याद होगा, जब लॉकडाउन में थोड़ी सी ढील मिलते ही शराब की दुकानों के बाहर मीलों लंबी कतारें लग गई थीं। यह दृश्य बताने के लिए काफी था कि देश में शराब की मांग किस स्तर पर है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर भारतीय पीते क्या हैं? रम, बियर, वोदका या कुछ और। आंकड़ों पर गौर करें तो तस्वीर बिल्कुल साफ हो जाती है। भारत में रम, बियर

या वोदका नहीं, बल्कि व्हिस्की का सिक्का चलता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि भारतीय शराब के शौकीन व्हिस्की के मुरीद हैं। देश में शराब के कुल बाजार को देखें, तो इसमें व्हिस्की की हिस्सेदारी किसी भी अन्य ड्रिंक के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में बिकने वाली कुल शराब में से 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सिर्फ व्हिस्की का है। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर बाजार में शराब की 10 बोतलें बिक रही हैं, तो उनमें से 6 बोतलें व्हिस्की की होती हैं।

सोना 89रु. गिरकर 1.23 लाख प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,925 बढ़कर 1.53 लाख किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सोना के दाम में आज यानी 24 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 89 रुपए गिरकर 1,23,057 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,23,146 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। चांदी 1,925 रुपए बढ़कर 1,53,054 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,51,129 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और

ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 46,895 और चांदी 67,037 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 46,895 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,057 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 67,037 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,53,054 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोलर पावर बना तो रहे हैं लेकिन बेचने में जान निकल रही है

तभी तो घट गया इनका प्रोडक्शन!

मुंबई,24 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों से, भारत के शेयर बाजार में सौर ऊर्जा या सोलर एनर्जी एक बहुत बड़े विषय के रूप में उभरा है। इस क्षेत्र की कंपनियों, जैसे कि पैनल बनाने वाली, प्रोजेक्ट लगाने वाली और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सेवाएं देने वाली कंपनियों ने जबरदस्त मुनाफा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारत तेजी से साफ ऊर्जा की क्षमता बढ़ा रहा था और कंपनियों को अपनी मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। उदाहरण के लिए, देखें तो केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर तीन सालों में 600% से ज्यादा बढ़े हैं। बोरोसिल रिन्यूएबल्स के शेयर चार सालों में दोगुने हो गए हैं। टाटा पावर ने पांच सालों में करीब 500% का रिटर्न दिया है। अडानी ग्रीन के शेयर भी दो सालों में दोगुने हो गए हैं। इस सौर ऊर्जा से जुड़ी तेजी में सबसे खास रहा वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज, जिसके शेयर एक समय पर 60,000% से ज्यादा बढ़ गए थे, इससे पहले कि यह मेनबोर्ड पर आया। वेबसोल एनर्जी भी एक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली कंपनी है, जिसके शेयर दो सालों में दस गुना बढ़ गए। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया भी कम प्रभावशाली नहीं है, जिसके शेयर तीन सालों में लगभग पांच गुना बढ़े हैं। सोलर कंपनियों के शेयरों में इस तेजी के पीछे राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य, सौर घटकों की बढ़ती वैश्विक मांग और सरकारी योजनाओं से प्रेरित मैन्युफैक्चरिंग बूम जैसे कारण थे। लेकिन अब, कई सालों में पहली बार, यह कहानी बदलने लगी है। भारत की सौर ऊर्जा यात्रा एक चौराहे पर खड़ी दिखती है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका मैच
टिकट खरीदने उमड़ी फैन्स की भीड़

काउंटर पर धक्का-मुक्की, लड़कियों ने की बैरिकेड तोड़ने की कोशिश, पुलिस ने किया बल प्रयोग

रायपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रायपुर में खेला जाना है। इसके लिए स्टूडेंट्स और फर्स्ट फेज में ऑनलाइन टिकट बुकिंग करने वाले सोमवार शाम पांच बजे तक इंडोर स्टेडियम में फिजिकल टिकट ले सकते हैं।

इस मैच के लिए टिकट खरीदने के लिए सोमवार सुबह चार बजे से ही काउंटर के सामने दर्शकों की भीड़ जुटने लगी। हालांकि काउंटर में टिकट की बिक्री सुबह 10 बजे से शुरू हुई। टिकट को खरीदने के लिए काउंटर के सामने लाइन में खड़े सैकड़ों दर्शकों के बीच धक्की-मुक्की हुई।

टिकट खरीदने के लिए लड़कियों ने बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की। इस दौरान लड़कियों की पुलिस बल से बहस भी हुई। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

स्टूडेंट्स के लिए इस बार 1500 सीटें आरक्षित की गई है। टिकट की कीमत 800 रुपए तय की गई है। एक छात्र सिर्फ एक टिकट ले सकेगा। आईडी प्रूफ के तौर पर स्कूल/कॉलेज आई-कार्ड अनिवार्य होगा। स्टूडेंट्स 24 नवंबर से 2 दिसंबर तक इंडोर स्टेडियम में जाकर फिजिकल टिकट खरीद सकते हैं।

इसके अलावा दूसरे चरण की टिकट बुकिंग जल्द ही शुरू होगी। वहीं शनिवार को पहले चरण में शाम 5 बजे टिकट बिक्री शुरू होते ही 17-18 हजार टिकट सिर्फ 15 मिनट में सोल्ड आउट हो गए।

वेबसाइट पर 'सोल्ड आउट' दिखने से लोग कन्फ्यूज हुए कि सभी टिकट खत्म हो गए हैं, जबकि ऐसा नहीं है। सेकेंड राउंड में बाकी टिकट रिलीज की जाएगी। जिन्हें बाद में लोग फिजिकल टिकट में कंवर्ट करा पाएंगे।

1 दिसंबर को रायपुर आएंगी दोनों टीमें

पहला वनडे रांची में 30 नवंबर को होगा। इसके बाद 1 दिसंबर से रायपुर पहुंचना शुरू होगा।

2 दिसंबर को दोनों टीमें प्रैक्टिस करेंगी, 3 को मैच होगा।

स्टेडियम में पानी फ्री, खाने-पीने के रेट तय

दर्शकों की सुविधा के लिए स्टेडियम में 22 बड़े वाटर फिल्टर लगाए गए हैं। कोई भी पानी खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही हर वेंडर को रेट-लिस्ट डिस्प्ले करना होगा, ताकि ओवर चार्जिंग न हो। स्टेडियम में कई जगह रेट-चार्ट चस्पा किया जाएगा।

3 दिसंबर वर्ल्ड डिसेबिलिटी डे है। इस अवसर पर प्रदेश के सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को मैच बिल्कुल मुफ्त दिखाने की तैयारी की गई है।

जेएसएलपीएस कर्मियों ने बोकारो में शुरू की हड़ताल

विभिन्न मांगों को लेकर 21 नवंबर से अनिश्चितकालीन धरना जारी

बोकारो, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ (जेएसएलपीएस), बोकारो इकाई के कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। एल-5 से एल-8 तक के इन कर्मियों ने 21 नवंबर 2025 से पलाश जेएसएलपीएस जिला कार्यालय, बोकारो के समक्ष यह धरना शुरू किया है।

बोकारो जिलाध्यक्ष जानकी महतो के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन जारी है। संघ ने सरकार के समक्ष अपनी लंबित मांगों को दोहराया है, जिसमें कहा गया है कि वर्षों से उठाए जा रहे मुद्दों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

उनकी प्रमुख मांगों में एनएमएमयू नीति को बिना संशोधन लागू करना और पलाश जेएसएलपीएस को सोसायटी एक्ट से हटाकर कर्मियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देना शामिल है।

होमवर्क नहीं करने पर नर्सरी-स्टूडेंट को पेड़ से लटकाया

अभिभावकों का हंगामा, संचालक ने कहा- बच्चे को सिर्फ डराने के लिए लटकाया, टीचर बोली- गलती हो गई

सूरजपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से एक प्राइवेट स्कूल में नर्सरी कक्षा के एक छात्र को होमवर्क न करने पर टीचर ने घंटों पेड़ से लटकाए रखा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में अभिभावकों ने स्कूल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

वहीं, स्कूल संचालक सुभाष शिवहरे ने इस घटना को मामूली बताया। उनका कहना है कि बच्चा पढ़ाई में कमजोर था और उसे डराने के लिए ऐसा किया गया था ताकि वह पढ़ाई पर ध्यान दे।

विवाद बढ़ने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। उन्होंने मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। इधर, मामला तूल पकड़ने के बाद टीचर ने अपनी गलती मान ली है।

होमवर्क नहीं करने पर टीचर ने दी सजा

दरअसल, यह मामला नारायणपुर के हांसवानी विद्या मंदिर का है। इस स्कूल में नर्सरी से आठवीं के छात्र पढ़ते हैं। जानकारी के अनुसार, सोमवार को जब स्कूल खुला तो बच्चे समय पर स्कूल पहुंचे। इसी बीच नर्सरी क्लास में जब पढ़ाई शुरू हुई तो टीचर काजल साहू ने होमवर्क चेक किया। इसी दौरान एक छात्र ने अपना होमवर्क पूरा नहीं किया था। इसपर टीचर काजल साहू बच्चे पर भड़क गई।

रस्सी के सहारे पेड़ से घंटों तक लटकता रहा बच्चा

टीचर ने बच्चे सजा के तौर पर क्लास से बाहर निकाल दिया। इसके बाद स्कूल परिसर में एक पेड़ से रस्सी के सहारे उसे को लटका दिया। बच्चा रस्सी के सहारे घंटों तक लटकता रहा। इस दौरान बच्चा रोता रहा, टीचर से उसे छोड़ने के लिए कहता रहा, लेकिन उन्होंने बच्चे की बिल्कुल भी नहीं सुनी।

जिस समय बच्चे को पेड़ से लटकाया गया था, उसी दौरान किसी ग्रामीण ने घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल के बाहर इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.एस. लकड़ा मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा।

वहीं, स्कूल संचालक सुभाष शिवहरे ने इस घटना को मामूली बताया। उनका कहना है कि बच्चा पढ़ाई में कमजोर था और उसे डराने के लिए ऐसा किया गया था ताकि वह पढ़ाई पर ध्यान दे। बच्चे के परिजन संतोष कुमार साहू ने इस घटना पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

गांजा बेचते-खरीदते दो गिरफ्तार

पुलिस ने 60 ग्राम गांजा बरामद कर न्यायिक हिरासत में भेजा

रामगढ़, 24 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा सियाल क्षेत्र में पुलिस ने गांजा खरीदने और बेचने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 60 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विक्रेता उमेश प्रसाद (52), पिता श्यामलाल महतो, निवासी सयाल टीना साइड, थाना पतरातू, जिला रामगढ़, और क्रेता सलमान अंसारी (22), पिता स्वर्गीय प्यारे मोहम्मद, निवासी ऊपर धोरा भुइयां टोला, थाना पतरातू, जिला रामगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें गांजा का लेन-देन करते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

तलाशी के दौरान दोनों के पास से 60 ग्राम गांजा बरामद किया गया। रामगढ़ पुलिस ने इस संबंध में थाना कांड संख्या 282/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

एसपी अजय कुमार को सयाल की एक दुकान में उमेश कुमार नामक व्यक्ति द्वारा गांजा बेचे जाने की गुप्त सूचना मिली थी। एसपी के निर्देश पर सत्यापन के लिए उक्त स्थल पर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान ही उमेश कुमार और सलमान अंसारी को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

प्रधान आरक्षक ने पीड़िता से 5 हजार रिश्वत मांगी

फोन रिकॉर्डिंग करने पर धमकाया, कहा- तुम लोगों को देख लूंगा, लाइन अटैच

जांजगीर-चांपा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जांजगीर-चांपा जिले में एक प्रधान आरक्षक को रिश्वत मांगने के आरोप में लाइन अटैच किया गया है। एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने बिर्रा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले के खिलाफ यह कार्रवाई की। अजगल्ले पर एक पीड़ित महिला से कोर्ट में चालान पेश करने के लिए 5 हजार रुपए की मांग करने का आरोप है। इसके साथ ही अजगल्ले ने पीड़िता को धमकी दी कि 'फोन रिकॉर्डिंग कर रहे हो, तुम लोगों को देख लूंगा।'

पुलिस को प्रधान आरक्षक के खिलाफ लिखित शिकायत और ऑडियो सबूत मिले थे। जिसके बाद कार्रवाई की गई। पीड़ित महिला ने बताया कि उसकी बहू उसे फोन पर धमकी दे रही थी कि उन्होंने उसके पति को भगा दिया है और झूठे केस में फंसाने की धमकी

देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी। इस मामले को लेकर महिला 14 अगस्त को अपनी बेटी के साथ ग्राम करही में बहू के पास गई थी। वहां दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई। महिला ने बिर्रा थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि प्रधान आरक्षक अनिल सिंह अजगल्ले ने उनसे कोरे कागज पर हस्ताक्षर लिए और उनके द्वारा लिखे आवेदन को स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय, उन्होंने एक हस्ताक्षरित कागज पर कुछ लिखा, जिसकी एक प्रति महिला को दी।

रिपोर्ट दर्ज करने के लिए प्रधान आरक्षक ने पहले 7 हजार रुपए लिए और कहा कि यदि कोई और जानकारी होगी तो फोन पर बताएंगे। महिला के अनुसार, 19 नवंबर को प्रधान आरक्षक अजगल्ले ने उनकी बेटी को लगातार फोन किया और शेष 5 हजार रुपए की राशि किसी अन्य व्यक्ति के खाते में फोन-पे करने को कहा। जब महिला ने गरीबी का हवाला देते हुए पैसे देने में असमर्थता जताई, तो प्रधान आरक्षक ने धमकी दी कि ₹फोन रिकॉर्डिंग कर रहे हो, तुम लोगों को देख लूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि पैसे न देने पर चालान न्यायालय में पेश नहीं किया जाएगा। बाद में चालान को एक अन्य पुलिसकर्मी के साथ भेजा गया, जिसने कहा कि चालान की डायरी में 'स्क्रूटनी' (जांच) करनी है और उसे वापस बिर्रा थाना ले गया।

फोम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में लगी भीषण आग

3 घंटों के बाद दमकल कर्मियों ने पाया काबू, सामान जलकर राख, कारण अज्ञात

दुर्ग-भिलाई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग में रविवार देर रात एक फोम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अचानक भीषण आग लग गई। ऊंची-ऊंची लपटें दूर से दिखाई दे रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंची। 3 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया गया।

घटना कुम्हारी थाना क्षेत्र के मुरमुंदा इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, फोम मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अचानक लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और अंदर रखा सामान धूं-धूं कर जलने लगा। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों की सूचना पाकर पुलिस और 6 दमकल टीम मौके पर पहुंची। लोगों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई। वहीं, फैक्ट्री मालिक और कर्मचारी भी मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेते

रहे। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी और फोम की बौछारें शुरू कीं। तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन, तब तक अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। हालांकि, आग कैसे लगी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग भड़की होगी। जबकि, अधिकारी शॉर्ट-सर्किट और अन्य संभावनाओं पर भी जांच कर रहे हैं। अब तक किसी तरह की जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। दमकल विभाग ने कहा कि आग पर जल्द काबू पा लिया गया, लेकिन नुकसान का अनुमान बाद में ही लगाया जा सकेगा।

शराब-डीएमएफ घोटाला: 8 जिलों के 19 ठिकानों पर ईओडब्ल्यू के छापे

करोड़ों की संपत्ति के कागज मिले

रायपुर/बिलासपुर/भिलाई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के चर्चित 3200 करोड़ के शराब और 550 करोड़ रुपए के डीएमएफ घोटाले में ईओडब्ल्यू ने रविवार को 8 जिलों के 19 ठिकानों पर छापेमारी की। टीम सुबह 6 बजे एक साथ विभिन्न जगह पहुंची। कुछ स्थानों पर टीम को आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। कार्रवाई शाम 6 बजे तक चली।

कार्रवाई के दौरान अंबिकापुर से 17 लाख नकद और अन्य जगहों से जेवर, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। कुछ आरोपियों को पूछताछ के लिए ईओडब्ल्यू कार्यालय भी लाया गया है। जिनके यहां छापा पड़ा है, वे ज्यादातर अधिकारियों के रिश्तेदार हैं, जिनके नाम पर पैसे निवेश किए जाने के प्रमाण मिले हैं। ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाले में जेल में बंद रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और निरंजन दास के परिजनों व रिश्तेदारों के यहां छापेमारी की। टीम दास के पैतृक घर जगदलपुर पहुंची, जहां उनका भाई चितरंजन दास रहता है। दूसरी टीम टीम भिलाई नेहरू नगर में बेटे अभिषेक दास और नवा रायपुर तथा दुर्ग स्थित बेटे अभिनव दास के मकानों तक पहुंची।

यहां से प्रॉपर्टी के दस्तावेज जब्त किए गए। जांच के दौरान कैश भी मिला है। दूसरी टीम ने रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के रिश्तेदार अशोक टुटेजा के रायपुर और बिलासपुर स्थित मकानों में छापा मारा। बिलासपुर में उनके रिश्तेदार मयंक बुधिया और सुभाष टुटेजा के ठिकानों की तलाशी ली गई।

जांच एजेंसी के पास प्रमाण हैं कि आरोपियों ने शराब घोटाले का पैसा रिश्तेदारों के नाम पर निवेश किया है। डीएमएफ का दुरुपयोग कर घटिया क्वालिटी के सामाग्री की खरीदी डीएमएफ घोटाले में डीएमएफ फंड के दुरुपयोग और घटिया सामान की सप्लाई के आरोप हैं। इस घोटाले में निलंबित आईएएस रानू साहू को कमीशन मिला।

उनसे जुड़े ठेकेदार हरपाल अरोरा के ला-विस्टा स्थित बंगले में छापा मारा गया। तलाशी में लेन-देन से संबंधित दस्तावेज मिले हैं। रायपुर में ही अरुण उपाध्याय के ठिकाने पर भी दबिश दी गई। धमतरी में पूर्व विधायक जया बेन दोषी के पोते और कारोबारी केतन दोषी के महालक्ष्मी ग्रीन्स स्थित घर में भी जांच की गई। केतन रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं।

अंबिकापुर में पशु चिकित्सक डॉ. तनवीर अहमद और ठेकेदार अमित अग्रवाल के घर पर तलाशी ली गई। जांच में डॉ. अहमद के घर से 17 लाख रुपए नकद और करोड़ों की संपत्ति के कागजात मिलने की चर्चा है। कोंडागांव में कारोबारी कोणार्क जैन और चोपड़ा मेटल में भी छापेमारी की गई।

बिलासपुर में सुकेश माखीजा और मनोज अग्रवाल के घर तलाशी ली गई। सभी को पिछली सरकार के दौरान डीएमएफ के तहत सामग्री आपूर्ति के ठेके मिले थे और सभी पर घटिया सामग्री सप्लाई करने का आरोप है।

छत्तीसगढ़ का पहला जू निजीकरण की ओर

देश को 13 सफेद बाघ देने वाले मैत्री बाग को निजी एजेंसी को सौंपने की तैयारी

दुर्ग-भिलाई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई के ऐतिहासिक मैत्री बाग जू को अब निजी तौर पर चलाने की तैयारी तेज हो गई है। बीएसपी प्रबंधन ने इसके लिए इच्छुक कंपनियों से प्रस्ताव (ईओआई) मांगे हैं। लगभग 60 साल पुराने इस जू को पहली बार पूरी तरह आउटसोर्स किया जा रहा है।

इसका कारण हर साल होने वाला भारी खर्च और बढ़ता आर्थिक नुकसान बताया जा रहा है। मैत्री बाग देशभर में सफेद बाघों के संरक्षण के लिए मशहूर है। यहां अब तक 19 सफेद बाघ पैदा हुए हैं, जिनमें से 13 बाघों को अलग-अलग राज्यों में भेजा जा चुका हैं।

बीएसपी प्रबंधन का कहना है कि प्राइवेटाइजेशन के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

लेकिन अभी तक किसी कंपनी ने संपर्क नहीं किया है। अगर कोई भी कंपनी अप्रोच करती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्राइवेटाइजेशन पर कांग्रेस विधायक देवेंद्र का कहना है कि बीजेपी सरकार लगातार निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। जो भी संस्थान बने हुए हैं, उन्हें एक-एक करके बेचा जा रहा है। मैत्री बाग का निजीकरण निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी प्राइवेटाइजेशन का विरोध करती है।

दरअसल, मैत्री बाग देश में सफेद बाघों के सबसे महत्वपूर्ण संरक्षण केंद्रों में गिना जाता है। 1990 में नंदन कानन से यहां पहला सफेद बाघ जोड़ा लाया गया था। तब से लेकर अब तक कुल 19 सफेद बाघों का जन्म इसी जू में हुआ है।

इनमें से 13 को राजकोट, कानपुर, बोकारो, इंदौर, मुकुंदपुर और रायपुर सहित छह राज्यों में भेजा जा चुका है। वर्तमान में यहां 6 सफेद बाघ मौजूद हैं। देश में सफेद बाघों की कुल संख्या लगभग 160 आंकी जाती है, जिनमें से 19 अकेले मैत्री बाग की देन हैं।

बीएसपी की स्थापना के आठ साल बाद साल 1965 में मैत्री बाग की शुरुआत एक गार्डन के रूप में की गई थी।

व्यवसायी के घर लूट, एक लुटेरा पकड़ाया

दो बदमाश हुए फरार, ग्रामीणों ने एक अपराधी को जमकर पीटा, दो हथियार जब्त

पलामू, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सखुई गांव में एक व्यवसायी के घर लूटपाट के दौरान ग्रामीणों ने एक लुटेरे को पकड़ लिया। व्यवसायी दिना प्रसाद उर्फ धीरेंद्र प्रसाद के दुकान सह मकान में रविवार रात यह घटना हुई, जहां पूरे परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया गया था। इधर, ग्रामीणों की पिटाई से घायल लुटेरे को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पकड़े गए अपराधी की पहचान उत्तर प्रदेश के निवासी के रूप में हुई है। उसे किशुनपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद एमएमसीएच के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस उससे पूछताछ कर उसके फरार साथियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है और दो हथियार बरामद हुए हैं। रविवार रात तीन लुटेरे एक कार से व्यवसायी दिना प्रसाद के घर में घुसे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर लूटपाट की। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें डकैत हथियार लिए हुए दिख रहे हैं।

लूटपाट के दौरान मौका पाकर दिना प्रसाद अपराधियों से भिड़ गए। उन्होंने खुद को बचाते हुए एक लुटेरे को पकड़ लिया और शोर मचाना शुरू कर दिया। आसपास के लोग जुटने लगे, तो दो अन्य अपराधी अपने साथी और हथियार छोड़कर कार से फरार हो गए। वे दो सोने की चेन, दुकान की चाबी और दो मोबाइल फोन लेकर भागने में सफल रहे।

ग्रेनेड फेंकने की योजना बनाने वाला गैंगस्टर बनने का शौकीन

लुधियाना पुलिस ने बिहार से पकड़ा, चाचा बोले- कैमरे पर आए तो हत्या कर देगा

लुधियाना, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में आतंकियों के साथ हुए एनकाउंटर के बाद पुलिस ने बिहार से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। लुधियाना पुलिस ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर आरा से हर्ष ओझा के घर छापेमारी की। पुलिस उसे पकड़कर पंजाब ले आई है। पाकिस्तानी हैंडलर के कहे अनुसार हर्ष को ही ग्रेनेड फेंकना था।

जांच में सामने आया है कि हर्ष बचपन से ही गैंगस्टर बनने का शौक रखता है। कुछ दिन स्कूल जाने के बाद वहां से भी भाग गया। इसके बाद उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा और दिल्ली में एक बार साइबर सेल के हत्थे भी चढ़ा, वहां पुलिस ने तिहाड़ में उसे बाल सुधार गृह में भेजा। इसके बाद वो वहां से फरार हो गया। वहीं, हर्ष के परिवार के लोगों का कहना है कि मां-बाप की मौत के बाद वो कभी गांव में रहने लगता तो कभी दिल्ली चला जाता था। स्कूल छोड़ने के बाद उसने अपराध करना शुरू किया तो उसे परिवार से बेदखल कर दिया। हर्ष की बहन ने इसी साल 12वीं की परीक्षा में जिला टॉप किया था।

उसके चाचा ने कैमरे के सामने बात करने से इनकार करते हुए कहा कि हमें उससे डर लगता है। अगर कैमरे के सामने बोलने लगे तो हमें भी जेल से बाहर आकर मार देगा। हर्ष बिहार के आरा जिले के कल्याणपुर का रहने वाला है। उसके माता-पिता का निधन हो चुका है।

जंगली हाथियों ने दो को कुचला, मौत

हाथियों ने एक महिला को उठाकर पटका गंभीर रूप से घायल, ग्रामीणों में दहशत

गिरिडीह, 24 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। बिरनी प्रखंड में हाथियों के हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना गादी और पेशम पंचायतों में हुई, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, बिरनी प्रखंड की गादी पंचायत में सुबह खेत की ओर जा रहे 70 वर्षीय शांति देवी और 55 वर्षीय बोधी पंडित को हाथियों के झुंड ने घेर लिया।

इसके बाद हाथियों ने उन्हें कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

इसी गांव के पास स्थित पेशम पंचायत में भी हाथियों ने हमला किया। यहां 40 वर्षीय सुदामा देवी खेत की ओर जा रही थीं, तभी हाथियों ने उन्हें उठाकर पटक दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें तत्काल गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

इन घटनाओं के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। मृतकों के घरों में मातम पसरा है। सूचना मिलने पर भरकट्टा ओपी प्रभारी और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को सुरक्षित रहने की सलाह दी और हाथियों के झुंड को हटाने का प्रयास शुरू किया।

ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हाथियों की आवाजाही की लगातार सूचना देने के बावजूद विभाग द्वारा समय पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता।

पेशम पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गुड्डू सिन्हा ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर दुख व्यक्त किया और वन विभाग से जल्द हाथियों को हटाने तथा मुआवजा देने की मांग की है।

लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीण खेत-खलिहान जाने से भी डर रहे हैं। कई ग्रामीणों ने कहा कि अगर समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

उन्होंने प्रशासन से गांव में रात्रि गश्ती बढ़ाने, चेतावनी व्यवस्था विकसित करने और प्रभावित परिवारों को त्वरित आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

अमेरिका की सख्ती का लाभ उठाने के लिए नागरिकता कानून बदलेगा कनाडा

भारतवंशियों को कैसे होगा फायदा

ओटावा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा ने अपने नागरिकता कानून में बड़ा और बेहद अहम सुधार करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। सिटिजनशिप एक्ट में बदलाव करने वाला बिल सी-3 अब शाही स्वीकृति पा चुका है। यानी कानून बदलने की राह लगभग साफ हो गई है। यह बदलाव खासकर उन भारतीय मूल के हजारों परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आने वाला है, जिनके बच्चे विदेश में जन्म लेने या गोद लिए जाने की वजह से नागरिकता से वंचित रह जाते थे।

कनाडा के नागरिकता कानून में क्या बदलेगा?

बिल सी-3 लागू होने के बाद, वे लोग भी कनाडाई नागरिकता पा सकेंगे, जो पहले पुराने कानूनों की वजह से बाहर रह गए थे, जबकि वे हकदार थे। किसी कनाडाई माता-पिता का बच्चा, जिसका जन्म या गोद लिए जाने की प्रक्रिया कनाडा के बाहर हुई है, अब नागरिकता पा सकेगा- यदि माता-पिता का कनाडा से ठोस संबंध साबित होता है। यह बदलाव सीधे उस पहली पीढ़ी की सीमा को राहत देता है, जिसे 2009 में लागू किया गया था। इस सीमा के कारण, यदि किसी कनाडाई माता-पिता का जन्म भी विदेश में हुआ था, तो उनके विदेश में जन्मे बच्चे को नागरिकता नहीं मिलती थी। यही नियम भारतीय मूल के कनाडाई परिवारों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ था।

दिसंबर 2023 में, ओंटारियो सुपीरियर कोर्ट ने इस नियम को असंवैधानिक बताया था और कहा था कि इससे बच्चों के अधिकार गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। सरकार ने कोर्ट के फैसले को चुनौती नहीं दी, बल्कि माना कि यह नियम आधुनिक परिवारों की वास्तविकताओं से मेल नहीं खाता। कनाडा की इमिग्रेशन मंत्री लेना मेतलेगे दियाब ने कहा, 'यह बिल हमारे नागरिकता कानून में पुराने घावों को भरेगा। यह उन परिवारों के लिए न्याय लेकर आएगा जिनके बच्चों को पहले की गलतियों की वजह से नागरिकता नहीं मिल पाती थी।' 'लॉस्ट कैनेडियन्स' के संस्थापक डॉन चैपमैन ने भी कहा कि सरकार ने आधुनिक, वैश्विक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह सुधार कर सही कदम उठाया है।

यह बिल अब पूरी तरह से तैयार है, लेकिन इसे लागू करने की तारीख कनाडाई सरकार ऑर्डर इन काउंसिल के जरिए जल्द घोषित करेगी।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही

19 हजार प्रभावित

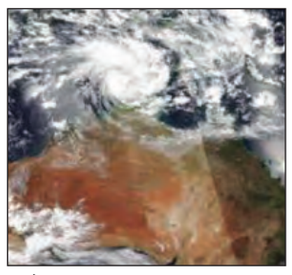

कैनबरा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही।

मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

अरुणाचल चीन का हिस्सा है

भारतीय महिला को चीन के शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे किया टार्चर, पासपोर्ट को 'अवैध' घोषित किया

बीजिंग, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन के रिश्ते को लेकर कई लोग सकारात्मक रूख रखते हैं, लेकिन हकीकत ये है कि चीन अपने मकसद के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत की एक महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे तक इसलिए बिठाकर रखा गया, क्योंकि वो अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली थी। भारतीय महिला ने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट मानने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे शंघाई पुडोंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज्यादा समय तक रोके रखा गया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कई पोस्ट में, यूनाइटेड किंगडम में रहने वाली भारतीय महिला, जिसने अपना नाम पेम वांग थोंगडोक बताया है, उन्होंने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उनसे कहा कि उसका पासपोर्ट 'अमान्य' है क्योंकि वह अरुणाचल प्रदेश में पैदा हुई थी और अरूणाचल चीन का हिस्सा है। थोंगडोक ने बताया है कि ये

घटना 21 नवंबर 2025 की है, जब वो लंदन से जापान जा रही थीं। उन्होंने लिखा, चीन इमिग्रेशन और चाइना ईस्टर्न एयरलाइन के दावों पर मुझे 21 नवंबर 2025 को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज़्यादा समय तक रोके रखा गया।

अरुणाचल प्रदेश की महिला को चीन में रोका गया

उन्होंने कहा कि 21 नवंबर 2025 को लंदन से जापान यात्रा के दौरान ट्रांजिट में उन्हें अचानक रोक लिया गया और सुरक्षा जांच से पहले ही उनका पासपोर्ट वापस ले लिया गया। थोंगडोक के मुताबिक, चीन ईस्टर्न एयरलाइन और चीनी इमिग्रेशन अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि अरुणाचल चाइना का हिस्सा है, इसलिए आपका भारतीय पासपोर्ट वैध नहीं है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने मेरे भारतीय पासपोर्ट को इनवैलिड बताया क्योंकि मेरा जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश है, जिसे उन्होंने चीनी इलाका बताया। इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट किया जिसमें उन्होंने जोर दिया कि एक भारतीय नागरिक के तौर पर उनकी पहचान पर सिर्फ उनके जन्मस्थान की वजह से सवाल उठाया गया था।

तेजस विमान क्रैश के बाद भी दुबई एयर शो जारी रखने पर अमेरिकी एफ-16 पायलट ने जताई हैरानी, कही भावुक करने वाली बात

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में महिला के हवाले से कहा गया है कि इमिग्रेशन प्रोसेस के बाद उसका पासपोर्ट ले लिया गया था और यह घटना तब हुई जब वह सिक्योरिटी में इंतजार कर रही थी। उन्होंने कहा कि इमिग्रेशन के बाद, मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सिक्योरिटी में इंतजार कर रही थी। तभी, एक अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर 'इंडिया, इंडिया' चिल्लाने लगा और मुझे अलग से बुलाया। महिला ने आगे कहा कि फिर वो मुझे इमिग्रेशन डेस्क पर ले गये और कहा अरुणाचल, यह वैलिड पासपोर्ट नहीं है'।

एयरपोर्ट अधिकारियों ने महिला से कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है। आपका पासपोर्ट इनवैलिड है। इसके बाद महिला थोंगडोक ने यूके में अपने एक दोस्त के जरिए शंघाई में भारतीय कॉन्सुलेट से संपर्क किया। बाद में भारतीय अधिकारियों ने उन्हें देर रात चीनी शहर से निकलने के लिए एस्कॉर्ट किया।

उपचुनावों में सत्ताधारी पीएमएल-एन का दबदबा

इस्लामाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हुए उपचुनावों में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने लगभग पूरी बाजी अपने नाम कर ली है। रविवार को हुए इन उपचुनावों में पार्टी ने 13 में से 12 सीटें जीत लीं, वह भी शुरुआती अनौपचारिक नतीजों के अनुसार। इन चुनावों में नेशनल असेंबली की छह और पंजाब विधानसभा की सात सीटें शामिल थीं। नेशनल असेंबली की सीटों में से एक हरिपुर (खैबर पख्तूनख्वा) में थी, जबकि बाकी पंजाब में थीं- फैसलाबाद, लाहौर, साहीवाल और डेरा गाजी खान जैसे इलाकों में मतदान हुआ।

पंजाब विधानसभा की सात सीटों में से सिर्फ एक सीट पीएमएल-एन के हाथ से फिसली। मुजफ्फरगढ़ की सीट पर पीपीपी के उम्मीदवार मियां अलमदार अब्बास कुरैशी ने 55,868 वोट पाकर जीत दर्ज की। उनके सामने निर्दलीय उम्मीदवार मोहम्मद इकबाल खान पिटाफी दूसरे नंबर पर रहे।

पीटीआई ने कई सीटों पर किया चुनाव का बहिष्कार

ये उपचुनाव पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कई विधायकों की अयोग्यता के बाद कराए गए थे। पीटीआई ने ज्यादातर सीटों पर चुनाव का बहिष्कार किया और सिर्फ लाहौर व हरिपुर की दो नेशनल असेंबली सीटों पर उम्मीदवार उतारे। पूर्व पाकिस्तान प्रधानमंत्री इमरान खान कई मामलों में पिछले दो वर्षों से जेल में बंद, उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद किया है।

एक स्थानीय समाचार पत्र के मुताबिक मतदान शांतिपूर्ण रहा, हालांकि वोटिंग प्रतिशत काफी कम दिखाई दिया। वहीं इस जीत के बाद पीएमएल-एन के समर्थकों ने मिठाइयां बांटी और पटाखे जलाकर जश्न मनाया।

सऊदी अरब में व्यापक जांच और गिरफ्तारी अभियान

14,000 विदेशियों को किया डिपोर्ट, किस देश के सबसे ज्यादा लोग

रियाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हुए 14,000 से ज्यादा विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय ने बताया कि देशभर में चल रहे कैंपेन के तहत एक हफ्ते में 14,206 लोगों को निर्वासित किया गया है। यह कैंपेन रेजिडेंसी, लेबर और बॉर्डर-सिक्योरिटी कानूनों का उल्लंघन करने वालों को पकड़ने के लिए चलाया जा रहा है। इन उल्लंघनों में खासतौर से यमन और इथोपिया के नागरिक पकड़े गए हैं।

मंत्रालय ने अपने बयान में बताया है कि 13 से 19 नवंबर के बीच सिक्योरिटी फोर्स ने दूसरी सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर ऑपरेशन चलाया है। इसमें 22,094 लोगों को गिरफ्तार किया

गया है। इन गिरफ्तारियों में रेजिडेंसी नियमों का उल्लंघन करने वाले 13,750, बॉर्डर-सिक्योरिटी नियमों का उल्लंघन करने वाले 4,781 और लेबर कानूनों का उल्लंघन करने वाले 3,624 लोग हैं।

ताबड़तोड़ गिरफ्तारियों का दौर

सऊदी अधिकारियों ने कहा कि 21,856 लोगों को ट्रैवल डॉक्यूमेंट लेने के लिए उनके डिप्लोमैटिक मिशन भेजा गया। इस दौरान 4,555 लोग ट्रैवल प्रक्रिया पूरी कर रहे थे।

सऊदी में गैरकानूनी तरीके से घुसने की कोशिश में 1,867 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 34% यमन के और 65% इथियोपिया के लोग थे। सऊदी अरब से गैरकानूनी तरीके से निकलने की कोशिश में 29 लोग पकड़े गए हैं।

भारतीय मूल का वांछित अपराधी कनाडा में हथियार समेत गिरफ्तार

निकोलस सिंह पर गंभीर आरोप

टोरंटो, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों ने देश की टॉप 25 मोस्ट वॉन्टेड की लिस्ट में शामिल भारत मूल के 24 वर्षीय निकोलस सिंह को टोरंटो में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था और उसके खिलाफ कनाडा-भर में वॉरंट जारी था। पुलिस के अनुसार, सिंह पर पैरोल तोड़ने और प्रतिबंधित हथियार रखने के मामले पहले से दर्ज थे।

पुलिस टीम बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट इलाके में नियमित गश्त के दौरान मौजूद थी, तभी अधिकारियों को एक वाहन में सिंह दिखाई दिया। टीम ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया और बिना किसी प्रतिरोध के उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार करते समय सिंह के पास एक फायरआर्म, एक्सटेंडेड मैगज़ीन और गोलियां बरामद

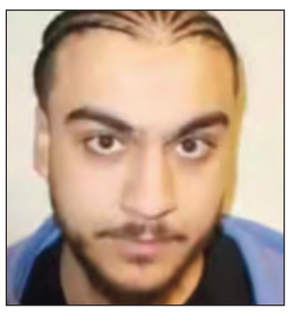

हुईं।

सिंह पर पहले से ये गंभीर आरोप

अधिकारियों के मुताबिक आरोपी पहले भी हथियार चलाने, सशस्त्र लूट और प्रतिबंधित हथियार रखने जैसे मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। उसे पाँच वर्ष, पाँच महीने और दस दिनों की सज़ा सुनाई गई थी, लेकिन पैरोल अवधि के दौरान वह फरार हो गया था। इसी कारण वह कनाडा की सबसे बड़ी वांछित सूची में शामिल कर लिया गया था।

टोरंटो पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद कहा कि यह कार्रवाई शहर में बढ़ते गैंग-संबंधित अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि हथियार और गोलियों के साथ सिंह का पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि वह बड़े अपराध की तैयारी में भी हो सकता था।

पुलिस ने बताया कि सिंह को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा, जहां उस पर पैरोल उल्लंघन और नए हथियार संबंधी मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। फिलहाल पुलिस उसकी गतिविधियों और संपर्कों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह गिरफ्तारी आगामी अपराध-रोकथाम अभियान के लिए भी जरूरी थी।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में बुर्का पहनकर घुसी सांसद

कहा- इस पर बैन लगे नहीं तो रोज पहनकर आउंगी

कैनबरा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई सांसद पॉलीन हैंसन संसद में बुर्का पहनकर आई। उन्होंने देशभर में बुर्का और चेहरा ढकने वाले कपड़ों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग की।

दरअसल, हैंसन ने संसद में बुर्का बैन को लेकर एक बिल पेश किया था। प्रस्तावित बिल को संसद ने पास करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद विरोध करने के लिए वो बुर्का पहनकर आ गईं। कई सांसदों ने इसे नस्लवादी हरकत बताया।

हैंसन ने बयान में कहा, "अगर संसद बुरका बैन नहीं करना चाहती, तो मैं इसे रोज संसद में पहनकर आउंगी ताकि हर ऑस्ट्रेलियाई समझ सके कि यह महिलाओं पर अत्याचार और

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। अगर उन्हें मुझे बुरका पहने देखना पसंद नहीं, तो बुरका पर बैन लगा दें।" इस घटना के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर बुरका बैन की बहस तेज हो गई है। यह दूसरी बार है जब पॉलीन हैंसन ने संसद में बुर्का पहना हो। साल 2017 में भी उन्होंने ऐसा ही किया था। उनकी पार्टी 'वन नेशन' पिछले चुनाव में चार सीटें जीत चुकी है और वह लंबे समय से मुस्लिम कपड़ों के खिलाफ आवाज उठाती रही हैं।

भारत की न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन सिर्फ दिखावा

पाकिस्तान के परमाणु कमांड के पूर्व प्रमुख की चेतावनी, जनरल द्विवेदी के तेवर से डरे?

इस्लामाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जब भारत के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चाणक्य डिफेंस डायलॉग के दौरान कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर तो बस एक ट्रेलर था" और भारत एक लंबे युद्ध की तैयारी कर रहा है, तो वह सिर्फ भारत की मिलिट्री सफलता की भावना का जश्न नहीं मना रहे थे, बल्कि वो लड़ाई भड़कने सिद्धांत को बता रहे थे। ये बयान पाकिस्तान के न्यूक्लियर कमांड के पूर्व प्रमुख डॉ. जहीर काजमी के हैं, जो पाकिस्तान सेना में ब्रिगेडियर रहे चुके हैं, उन्होंने भारत की न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन 'नो फर्स्ट यूज' को कोरी कल्पना कहा है। डॉ. जहीर काजमी, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की आक्रामक तैयारी को लेकर चेतावनी दे रहे हैं।

उन्होंने पाकिस्तानी अखबार द न्यूज में लिखे एक लेख में कहा है कि इस साल मई में हुआ ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के सोचे-समझे और कड़े जवाब की वजह से 88 घंटे बाद खत्म हो गया और अब इसे न्यूक्लियर खतरे के साये में एक चेतावनी के तौर पर नहीं, बल्कि और हिम्मत वाले मिलिट्री कदमों के लिए एक सप्रिंगबोर्ड के तौर पर गलत समझा जा रहा है। यह एक गलत समझ है जिसके क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरनाक नतीजे हो सकते हैं। उन्होंने लिखा है कि ऑपरेशन सिंदूर को भारत में सैन्य सफलता और आत्मविश्वास के रूप में पेश किया जा रहा है। आलोचकों का मानना है कि इसे मिसाल के रूप में नहीं, बल्कि यह समझने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए, कि परमाणु हथियारों से लैस पड़ोसियों के बीच सीमित युद्ध कितनी तेजी से गंभीर टकराव में बदल सकता है।

डॉ. जहीर काजमी ने लिखा है कि यह सोचना कि न्यूक्लियर ताकत वाले दो देशों में बार-बार सीमित लड़ाई लड़ी जा सकती है, न सिर्फ गुमराह करने वाला है बल्कि बहुत ज्यादा अस्थिर करने वाला भी है। पाकिस्तान लंबे समय से कहता रहा है कि न्यूक्लियर ताकत के असर में लड़ाई की कोई गुंजाइश नहीं है। चार दिन की लड़ाई को 'लड़ाई की गुंजाइश' के कॉन्सेप्ट का सबूत नहीं, बल्कि इस बात का सबूत मानना चाहिए कि साउथ एशिया कितनी तेजी से ऐसी लड़ाई की ओर बढ़ सकता है, जिसे भारत कंट्रोल नहीं कर सकता, हावी होना तो दूर की बात है। न्यूक्लियर पड़ोसियों को 'कैसे बर्ताव करना है' यह सिखाने के लिए कोई सुरक्षित रिहर्सल की जगह नहीं है। स्ट्रेटेजिक स्थिरता के लिए संयम की जरूरत है, न कि न्यूक्लियर सिद्धांतों का दिखावा।

उन्होंने लिखा है कि भारत की तथाकथित नो फर्स्ट यूज़ (एनएफयू) पॉलिसी, जिसे 1999 से काबू के एक आधार के तौर पर पेश किया जा रहा है, वो तेजी से सिर्फ बयानबाी बनकर रह गई है। यह न तो कोडिफाइड है और न ही पुष्टि करने लायक और भरोसेमंद भी नहीं रही है।

आर्मी हेडक्वार्टर में हमला छह लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार सुबह फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (एफसी) मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर खुद को चादर से ढककर पहुंचा था। उसने चौकी पर पहुंचते ही खुद को उड़ा लिया। इसमें 3 पुलिसकर्मी मारे गए।

पेशावर कैपिटल सिटी के पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद ने बताया कि विस्फोट के बाद मौके का फायदा उठाकर 2 और हमलावर कांस्टेबुलरी हेडक्वार्टर के कैंपस में घुसने में कामयाब हो गए। दोनों राइफलों और हथगोले से लैस थे। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावरों से मुठभेड़ की और उन्हें मार गिराया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के समय परेड चल रही थी। सईद ने बताया कि समय पर हुई कार्रवाई से हमलावरों को बड़ी घटना करने से रोकने में मदद मिली। पाकिस्तान फौज ने आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे भारतीय प्रॉक्सी फितना-उल-खवारिज जिम्मेदार है। यह शब्द पाकिस्तान तालिबान टीटीपी के लड़ाकों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एफसी पाकिस्तान की एक सिविल मिलिट्री फोर्स है, जिसका मुख्यालय एक भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित है और सैन्य कैंटोनमेंट के करीब है। एक अधिकारी ने मीडिया से कहा कि सेना और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हालात को संभाल रहे हैं, क्योंकि हमें शक है कि हेडक्वार्टर के अंदर कुछ हमलावर हैं।

30 लाख पशु जिंदा बहे, 2 लाख घर तबाह

हनोई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। वियतनाम में कई दिनों से जारी भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन ने देश के बड़े हिस्से में जनजीवन को पटरी से उतार दिया है। इससे हुए हादसों में कम से कम 90 लोगों की मौत हो चुकी है। देशभर में 1,86,000 घरों को नुकसान पहुंचा है और 30 लाख से ज्यादा मवेशी बह गए हैं। देश में इस आपदा से करीब 2 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते वियतनाम में मौसम से जुड़ी आपदाओं का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि वियतनाम में भारी बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से पिछले हफ्ते कम से कम 90 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं बड़ी संख्या में लोग छतों पर और पहाड़ी सड़कें बंद होने की वजह से फंसे हुए हैं।

इजराइल में 9 टॉप अफसर सेना से बर्खास्त

तेल अवीव, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल में 9 टॉप सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जामिर ने कहा कि ये अधिकारी हमास के हमले को रोकने में नाकाम रहे थे। 7 अक्टूबर 2023 को हुए इस हमले में 1200 से ज्यादा इजराइली लोगों की मौत हुई थी।

इजराइल में हमास हमले को लेकर हुई सुरक्षा चूक और उसकी निष्पक्ष जांच को लेकर रविवार को प्रदर्शन हुए। इसमें कम से कम 5 लाख लोग शामिल हुए। इसके बाद से सरकार पर इन अधिकारियों को बर्खास्त करने का दबाव बढ़ गया था।

आईडीएफ चीफ जामिर ने रविवार को इन अफसरों को मीटिंग के लिए बुलाया और उनकी बर्खास्तगी का फैसला सुनाया। इस दौरान कई अफसरों को फटकार भी लगाई गई। जामिर ने कहा कि वे एक्सपर्ट की जांच रिपोर्ट के आधार पर कमांडरों के खिलाफ फैसले भी लेंगे।

हालांकि बर्खास्त किए गए ज्यादातर अधिकारियों ने पहले ही सेना छोड़ दी है। जिन अधिकारियों को फटकार लगी है, वे अपनी मौजूदा पोस्ट पर अपना कार्यकाल पूरा होने तक काम करते रहेंगे।

अपने फैसले के बाद आईडीएफ चीफ ने बयान जारी कर कहा- ऐसे फैसले लेना आसान नहीं है, क्योंकि ये उन लोगों को प्रभावित करते हैं जिन्हें मैं बहुत मानता हूं और जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी देश की सुरक्षा में लगा दी।

उन्होंने आगे कहा कि मैं इनके साथ दशकों तक लड़ाइयां लड़ चुका हूं। इसके बावजूद मेरे सामने जिम्मेदारी तय करने का कर्तव्य है। ये फैसले हम खुद नहीं चुनते बल्कि बतौर कमांडर हमें उठानी पड़ती है।

आईडीएफ चीफ ने आगे कहा कि अगर हम जिम्मेदारी तय नहीं करेंगे, तो सिस्टम पर लोगों का भरोसा कम होगा। यह भरोसा ही हमारी लड़ाई, हमारी जीत और देश की रक्षा की नींव है।

जामिर ने यह भी कहा कि जिन अफसरों को बर्खास्त या फटकारा गया है, वे हमारे बेहतरीन कमांडरों में से हैं। इन सभी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा आईडीएफ और इजराइल के लिए दिया है। इन्हीं में से बहुतों ने पिछले दो वर्षों में आईडीएफ की कई सैन्य सफलताओं में सीधे तौर पर अहम भूमिका निभाई है।

एफबीआई चीफ काश पटेल ने गर्लफ्रेंड को कमांडो सुरक्षा दिलवाई

खुद सरकारी प्लेन से 12 प्राइवेट टूर किए सरकारी रिसोर्स के गलत इस्तेमाल पर विवाद

वॉशिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सीक्रेट एजेंसी एफबीआई के भारतवंशी डायरेक्टर काश पटेल गर्लफ्रेंड को सरकारी सुरक्षा दिलवाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को एसडब्ल्यूएटी कमांडो (स्पेशल वेपन एंड टेक्टिस) सुरक्षा दी और सरकारी रिसोर्स का गलत इस्तेमाल किया। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने 12 प्राइवेट टूर के लिए सरकारी जेट का इस्तेमाल किया। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या वे टैक्सपेयर्स के पैसों से मिलने वाले रिसोर्स को निजी रिश्ते पर खर्च कर रहे हैं।

विवाद की शुरुआत अटलांटा में नेशनल राइफल एसोसिएशन की सालाना समिट से मानी जा रही है। यहां एलेक्सिस ने 'द स्टार स्पैंगल्ड

बैनर' गाया था। उनकी सुरक्षा के लिए एफबीआई के लोकल फील्ड ऑफिस से एसडब्ल्यूएटी टीम के दो स्पेशल कमांडो भेजे थे, जो आमतौर पर हाई रिस्क ऑपरेशन करते हैं। जॉर्जिया वर्ल्ड कांग्रेस सेंटर को सुरक्षित देखकर एसडब्ल्यूएटी टीम कार्यक्रम खत्म होने से पहले वापस लौट गई। रिपोर्ट के मुताबिक यह बात एलेक्सिस और पटेल दोनों ने नोटिस की। इसके बाद पटेल ने टीम कमांडर को फटकार लगाई और पूछा कि सुरक्षा बिना वजह क्यों हटाई गई। पटेल को चिंता थी कि एलेक्सिस, जो एक हाई-प्रोफाइल कंजरवेटिव शख्सियत मानी जाती हैं, को ऑनलाइन धमकियां मिली हैं, और कहीं उन्हें कोई नुकसान न पहुंचा दे। अधिकारियों का कहना है कि एसडब्ल्यूएटी टीमों का काम सामान्य हालात में वीआइपी की सिक्योरिटी नहीं होता, लेकिन नैशविल, साल्ट लेक सिटी और लास वेगास में भी एलेक्सिस की सुरक्षा के लिए ऐसी ही टीमें तैनात की गईं।

पटेल पर सरकारी जेट के निजी इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नियमों के मुताबिक डायरेक्टर को सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम के कारण सरकारी विमान से ही यात्रा करनी होती है, लेकिन निजी यात्राओं के लिए उन्हें कॉमर्शियल टिकट के बराबर राशि सरकार को लौटानी पड़ती है।

भाजपा नेता ने छोटे भाई की गला काटकर की हत्या

पार्टी के कई अभियानों से जुड़ा है आरोपी, सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें

सीकर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सीकर में एक भाजपा नेता ने घरेलू विवाद में छोटे भाई की हत्या कर दी। आरोपी मुकेश कुमार (30) वर्तमान में भाजपा के सहकारिता आंदोलन सदस्यता अभियान की स्टेट लेवल कमेटी का मेंबर है। पुलिस अनुसार परिवार मृतक श्रवण (25) की नशे की लत से परेशान था। रविवार (23 नवंबर) दोपहर को भी श्रवण के कारण विवाद हुआ था। इसी में मुकेश ने भाई की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया। घटना दादिया थाने के तारपुरा गांव की दोपहर 2 बजे की है।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की हाल ही में हुए स्टेट लेवल की मीटिंग में भी मुकेश (सफेद शर्ट) में शामिल हुआ था। उसे इसी साल अक्टूबर में पार्टी ने बीकानेर संभाग में सदस्यता अभियान वाली टीम में जोड़ा था। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की हाल ही में हुए स्टेट लेवल की मीटिंग में भी मुकेश (सफेद शर्ट) में शामिल हुआ था। उसे इसी साल अक्टूबर में पार्टी ने बीकानेर संभाग में सदस्यता अभियान वाली टीम में जोड़ा था।

सीकर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक ने बताया कि परिवार में चार भाइयों वाले परिवार में श्रवण सबसे छोटा था। वो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था, लेकिन उसे नशे की लत थे।

रविवार को वह नशे में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ झगड़ा कर रहा था। इसी से गुस्साए मुकेश ने उस पर हमला कर दिया। आरोपी ने श्रवण की गर्दन पर तीन वार किए थे।

उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हत्या की जानकारी सबसे बड़े भाई सुरेंद्र ने पुलिस को दी।

धर्मेंद्र सांसद रहते हुए की थी हिटलर राज की तारीफ

जिसके खिलाफ चुनाव लड़ा, उसे बताया छोटा भाई

बीकानेर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया। 89 साल के एक्टर ने सोमवार को घर पर ही अंतिम सांस ली। धर्मेंद्र 14वीं लोकसभा में साल 2004 से 2009 तक बीकानेर से सांसद रहे थे। सांसद रहते हुए वे काफी विवादों में रहे थे। यहां तक कि जब वे एक साल तक क्षेत्र में नहीं आए तो किसानों ने 'गुमशुदगी' के पोस्टर तक लगा दिए थे। इसी बीच वे 'हिटलर राज' की तारीफ करके विवादों में आ गए थे।

सभी जानते थे कि धर्मेंद्र सांसद के रूप में बीकानेर बहुत कम रहे, लेकिन मुंबई में रहकर भी बीकानेर की सूरसागर समस्या का निराकरण करने में मुख्य भूमिका निभाई।

कांग्रेस के रामेश्वर डूडी के सामने भाजपा ने धर्मेंद्र को उतारा था। कांटे की टक्कर को देखते हुए धर्मेंद्र ने बेटे बॉबी और सनी देओल को जनसभा के लिए बुलाया था।

डूडी के सामने लड़ा था चुनाव

साल 2004 में कांग्रेस ने अपने पूर्व सांसद रामेश्वर डूडी को फिर से मैदान में उतारा तो भाजपा ने एक कदम आगे बढ़ते हुए फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को प्रत्याशी बना दिया था। जाट वोट बैंक पर तगड़ा उम्मीदवार सामने आने के बाद भी रामेश्वर डूडी ने धर्मेंद्र को कड़ी टक्कर दी।

अंत में जब धर्मेंद्र और डूडी के बीच मुकाबला कांटे का हो गया तो धर्मेंद्र ने बेटों सनी और बॉबी देओल को बीकानेर बुलाया था। इन दोनों ने रेलवे स्टेडियम में एक जनसभा की थी। इसके बाद शहरी क्षेत्र में माहौल बदल गया और धर्मेंद्र 57 हजार वोटों से चुनाव जीत गए थे। खास बात यह थी कि बीकानेर शहर के अलावा सभी सीटों

से धर्मेंद्र पीछे रहे थे। अकेले बीकानेर शहर से इतनी लंबी लीड ली थी कि सभी पांच विधानसभा सीटों का अंतर बराबर कर दिया था।

धर्मेंद्र ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कभी रामेश्वर डूडी का नाम लेकर विरोध नहीं किया। उनकी कोई कमी नहीं गिनाई। बल्कि जहां भी उनसे पूछा जाता कि डूडी मजबूत उम्मीदवार हैं तो वो ये ही कहते थे कि रामेश्वर मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उधर, डूडी ने भी अपने प्रचार में कभी धर्मेंद्र पर व्यक्तिगत हमला नहीं किया था। हालांकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन पर धर्म परिवर्तन करने सहित अनेक आरोप लगाए थे।

बीकानेर चुनाव प्रचार के दौरान धर्मेंद्र को सूरसागर की गंदगी हमेशा अखरती थी। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से इस बारे में चर्चा की थी। बजट की समस्या आई तो वे स्वयं दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिले और सूरसागर के लिए अतिरिक्त बजट दिलाया था।

इतना ही नहीं, अपने सांसद कोटे से भी इस काम के लिए बजट दिया था। हालांकि सूरसागर की सफाई का सारा श्रेय तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को ही मिला था।

गुमशुदा के पोस्टर से दुखी हुए थे

सांसद के रूप में धर्मेंद्र बीकानेर बहुत कम आते थे। इस कारण बीकानेर शहर के स्थानीय लोगों ने उनके खिलाफ एक पोस्टर तैयार किया था। इसमें धर्मेंद्र के फोटो के ऊपर लिखा 'गुमशुदा'। इस पोस्टर को बड़ा मीडिया कवरेज मिला तो धर्मेंद्र दुखी हुए थे। उन्होंने तुरंत बीकानेर आने का निर्णय किया। वे दो-चार दिन बाद ही बीकानेर आए और सर्किट हाउस में ठहरे थे। यहां बिना किसी तामझाम के सभी कार्यकर्ताओं से और जनता से मिले थे। धर्मेंद्र ने कई पत्रकारों को पीड़ा बताई थी कि उनके लिए ऐसे पोस्टर लगाए गए थे।

सुराना को बोलते थे 'कोट वाले नेताजी'

लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने तत्कालीन नेता मानिकचंद सुराना को उनका चुनाव प्रभारी बनाया था। ऐसे में सुराना ही उनके दिनभर के कार्यक्रम तय करते थे और उस कार्यक्रम के हिसाब से नहीं चलने पर नाराज होते थे।

धर्मेंद्र कहीं भी जाते तो ये कहते कि 'कोट वाले नेताजी' से पूछ लो। सुराना हर वक्त कोट पहनते थे। कई बार उनकी और सुराना की तकरार भी होती, लेकिन वे सुराना को पूरा सम्मान देते थे।

डोटासरा बोले-ब्यूरोक्रेसी मिलकर सीएम का पत्ता न काट दे

पीएम ने कॉपी किया मेरा गमछा डांस; मंत्री बेढम सिपाही का भी ट्रांसफर नहीं कर सकते

भरतपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- राज्य में सरकार कौन चला रहा है, यह पता नहीं चल रहा। सभी एक दूसरे का पत्ता काटने की बात कर रहे हैं। मुझे लग रहा है कि ब्यूरोक्रेसी ही मिलकर मुख्यमंत्री का पत्ता नहीं काट दे। मुझे लग रहा है जैसे पत्ते कट रहे, उनमें भरतपुर वालों का नंबर नहीं आ जाए।

पीएम नरेंद्र मोदी के गमछा डांस पर डोटासरा ने कहा- पीएम मोदी मेरी कॉपी पेस्ट कर रहे हैं। मगर वो बात नहीं है, दम नहीं है। उनका हाथ हिल नहीं रहा और गमछा भी जवाब दे गया। यह सिर्फ डोटासरा का ही काम है।

उन्होंने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- पुलिस पिट रही है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। गुंडे फिरौती ले रहे हैं। कुचामन और जयपुर में मर्डर हो रहे हैं। अपराधी खुलेआम धमकियां दे रहे हैं। कोई पूछने वाला नहीं है। यह खुद अपनी जान बचाकर घूम रहे हैं। जवाहर सिंह बेढम एक सिपाही का भी ट्रांसफर नहीं कर सकते। एसपी के हाथ जोड़कर एक थाने से दूसरे थाने पर करवा सकते हैं। अगर कोई सीकर का हो और उसका भरतपुर ट्रांसफर करवा दें तो मुझे बता देना। डोटासरा रविवार को एक शादी में शामिल होने के लिए भरतपुर पहुंचे थे।

डोटासरा ने कहा- ये (भाजपा) थूक के चाट रहे हैं या उनकी दोहरी नीति है। 'मुंह में राम बगल में छुरी' है। बीजेपी और RSS ऐसे लोग हैं, जो कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इनके जेहन में दूसरी बात होती है। यह लोग जनता से वादे करके बरगलाकर झूठे वादे कर सत्ता हथिया लेते हैं। बाद में भ्रष्टाचार करते हैं और जनता की सुध नहीं लेते हैं।

जिला परिषद और निकाय चुनावों को लेकर डोटासरा ने कहा- बीजेपी चुनाव कराएगी या नहीं, साढ़े छह साल नगर निकाय के चुनाव हुए हो गए। सभी पंचायतों के प्रशासक लग गए। भरतपुर में कांग्रेस के प्रधान को हटाकर बीजेपी ने बड़ा खेला किया है। डेढ़ साल से जिला प्रमुख का चुनाव नहीं करवा पा रहे हैं। गठन तो तब लागू होगा, जब यह चुनाव करवाएंगे। जिला परिषद का जो गठन हुआ है, यह जब लागू होगा, जब चुनाव होंगे।

यहां हो सकता है बीजेपी चुनाव न करवाए। गठन का क्या मतलब हुआ, इसके लिए हम लड़ाई लड़ रहे हैं। कोर्ट में भी हमारे लोग लड़ रहे हैं।

प्रवासी राजस्थानी एसआईआर से परेशान, नाम हटाए

बोले- हम कम पढ़े-लिखे, न वोटर लिस्ट का पता-न फॉर्म भरा, अब वोट कहां रखेंगे?

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। 'मैं पिछले 10 साल से तमिलनाडु के शूलागिरी में ग्रेनाइट फैक्ट्री में मशीन ऑपरेटर का काम कर रहा हूं, मुझे 2-3 दिन पहले ही गांव से फोन आया कि जल्दी से फॉर्म भरने आ जाओ, नहीं तो वोटर लिस्ट से नाम कट जाएगा...यहां वोटर लिस्ट अपडेट (SIR) हो रही है, मैं ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं हूं, अब कुछ ही दिन बचे हैं, अपना फॉर्म कैसे जमा करवाऊं' नागौर के जायल निवासी राकेश सिंह की तरह लाखों प्रवासी राजस्थानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया (SIR) के दौरान असमंजस के दौर से गुजर रहे हैं।

4 दिसंबर तक सभी को फॉर्म भरकर जमा करवाना है, ताकि वोटर लिस्ट से नाम नहीं कटे। लेकिन कई प्रवासियों को इस प्रक्रिया की जानकारी तक नहीं है। कारोबार और नौकरियों के चलते लाखों प्रवासी राज्य के बाहर रहते हैं। ज्यादातर अबतक राजस्थान में ही वोट डालने आते रहे हैं, लेकिन कुछ प्रवासियों ने राजस्थान में बीएलओ को SIR फॉर्म जमा करवाने से मना कर दिया है।

ऐसे में अनुमान है कि प्रदेश में सबसे ज्यादा वोट प्रवासियों के कम हो सकते हैं। कुछ अभी तक यह तय नहीं कर पा रहे कि उन्हें अपने मूल राज्य में वोट रखना है या जहां वे नौकरी कर रहे हैं।

केंद्रीय निर्वाचन विभाग की साइट पर शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में सर्वाधिक राजस्थान में 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज्ड हो गए हैं। बीएलओ और SIR प्रक्रिया से जुड़े कुछ अधिकारियों से बातचीत में सामने आया है कि राजस्थान में SIR प्रक्रिया को लेकर सबसे ज्यादा प्रवासी राजस्थानियों को ही दिक्कतें आ रही हैं। ये कई साल पहले कारोबार के सिलसिले में प्रदेश से बाहर अलग-अलग राज्यों में बस गए और इनमें से कई वहां के वोटर भी बन गए। परिवार के आधे सदस्यों के राजस्थान में रहने से यहां भी उनका आना-जाना बना रहता है। यहीं कारण है कि अब SIR प्रक्रिया में उनके लिए बड़ी असमंजस वाली स्थिति बनी हुई है।

चौराहे पर स्कूल बस और बोलेरो की टक्कर

50 फीट दूर पलटी खाकर सीधी हुई बस, 5 बच्चे और दोनों ड्राइवर घायल

मेड़ता, 24 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर के मेड़ता में बच्चों को लेकर जा रही स्कूल बस और बोलेरो में टक्कर हो गई। स्कूल बस पलटी खाते हुए 50 फीट दूर जाकर सीधी हो गई। वहीं बोलेरो सड़क के पास पलट गई। हादसे में 5 बच्चों और दोनों वाहनों के ड्राइवर को चोट आई है। घायलों का मेड़ता के निजी अस्पताल में इलाज किया गया। दो बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया है।

हादसा भूरियासनी-आकोली चौराहे पर सड़क क्रॉस करते समय सोमवार सुबह 8 बजे हुआ। रोड क्रॉस करते वक्त दोनों गाड़ियों की स्पीड तेज थी, चौराहे पर लगे सीसीटीवी में ये हादसा कैद हो गया।

मेड़ता सिटी सीआई धर्मेश दायमा ने बताया-मेड़ता की जय राणा राणा स्कूल बस आकेली गांव से 5 बच्चों को लेकर इंदावड़ गांव में जा रही थी।

12-फीट लंबे अजगर ने जकड़ा पैर,चिल्लाता रहा मजदूर

कोटा, 24 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा में थर्मल प्लांट में काम कर रहे एक मजदूर पर अजगर ने अचानक हमला कर दिया। अजगर करीब 10 से 12 फीट लंबा था। सांप की पकड़ इतनी मजबूत थी कि उससे पैर छुड़ाने के लिए मजदूर करीब 20 मिनट तक संघर्ष करता रहा लेकिन अजगर ने पैर नहीं छोड़ा।

घटना आज सुबह लगभग 11.30 बजे की है। नंद सिंह, जो कृष्ण इंजीनियरिंग ठेकेदार कम्पनी में कार्यरत है, थर्मल पावर प्लांट की यूनिट-5 में पाइपलाइन का वाल खोलने गया था। क्षेत्र में लंबे समय से मौजूद घनी घास और झाड़ियों की सफाई नहीं होने के कारण अजगर वहीं छिपा बैठा था। जैसे ही नंद सिंह वाल के पास पहुँचा, अजगर ने उस पर झपट्टा मारकर पूरे शरीर को कुंडली बनाकर जकड़ लिया।

उसकी चीखें सुनकर पास में मौजूद श्रमिक दौड़े और डंडों व फंदे की मदद से उसे छुड़ाने का प्रयास किया।

करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मजदूरों ने अजगर को मारकर नंद सिंह को उसकी पकड़ से बाहर निकाला।

गंभीर हालत में उसे पास के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे एमबीएस अस्पताल रेफर कर दिया गया।

टिकट मांगा तो रोडवेज कंडक्टर ने थप्पड़ मारा

रोने लगा यात्री, फ्लाइंग टीम से कहा- 40 रुपए लिए, लेकिन टिकट नहीं दिया

अजमेर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर में यात्री ने टिकट मांगा तो रोडवेज बस के कंडक्टर ने थप्पड़ मार दिया। यात्री रोने लग गया। युवक ने फ्लाइंग टीम से कहा- पैसे भी ले गए और टिकट भी नहीं दिया। मामला अजमेर हाईवे पर गेगल के पास 23 नवंबर का है, इसका वीडियो सोमवार को सामने आया है। यातायात प्रबंधक बलवंत सिंह ने बताया कि अजमेर डिपो में कार्यरत ड्राइवर कानाराम और कंडक्टर प्रदीप लखावत सुबह बस लेकर किशनगढ़ की तरफ जा रहे थे। ड्राइवर कानाराम का कॉल आया कि कंडक्टर प्रदीप यात्रियों से मारपीट कर रहा है। सूचना के बाद ड्राइवर को वहीं बस एक तरफ रोकने के निर्देश दिए। गेगल के निकट फ्लाइंग टीम के अधिकारियों के साथ पहुंचा। वहां हाईवे पर ही कंडक्टर एक युवक को थप्पड़ मार रहा था। यातायात प्रबंधक ने छुड़ाने का प्रयास किया लेकिन कंडक्टर युवक से मारपीट करता रहा। यात्री ने आरोप लगाया कि कंडक्टर ने उससे 40 रुपए लिए, लेकिन टिकट नहीं दिया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि कंडक्टर ने कई यात्रियों से पैसे लिए, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिए। इसके बाद, फ्लाइंग टीम के एक अधिकारी ने कंडक्टर को कॉलर पकड़कर अलग किया, लेकिन इसके बावजूद कंडक्टर फ्लाइंग टीम के साथ बदसलूकी करता रहा।

राजस्थान में हवा चलने से सर्दी कम हुई

6 शहरों को छोड़कर सभी में रात का तापमान 10 डिग्री या उससे ऊपर; स्मॉग का असर बरकरार

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उत्तरी हवा के साथ पश्चिमी हवाएं आने से रात के तापमान में बढ़ोतरी हो गई है। रविवार को 6 शहरों को छोड़कर शेष सभी में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। कुछ जिलों में स्मॉग (धुंध) का प्रभाव रहा। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राजस्थान में अगले 4-5 दिन इसी तरह का मौसम बरकरार रहने और तापमान में कोई विशेष उतार-चढ़ाव नहीं होने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे के दौरान मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान फतेहपुर में 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। उत्तरी

हवाओं के थोड़ा कमजोर होने से फतेहपुर में पिछले एक सप्ताह में तापमान करीब 2 डिग्री तक बढ़ गया। 5-6 दिन पहले तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज हो रहा था।

फतेहपुर के अलावा रविवार को सीकर में न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस, दौसा में 9.3, चूरू में 9.1, नागौर में 8.9, जालौर में 8.6 और बीकानेर के पास लूनकरणसर में 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार दूसरे दिन तापमान 2 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ।

धुंध से कमजोर रही धूप

राज्य में रविवार को भी धुंध का असर रहा। अलवर, जयपुर, दौसा, बीकानेर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, गंगानगर समेत कुछ जिलों में धुंध का प्रभाव रहने से यहां धूप कमजोर रही और अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज हुआ।

बीकानेर में कल अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस, जोधपुर में 30, कोटा में 27.5, चूरू में 28.6, गंगानगर में 27.5, नागौर में 28.1, जयपुर में 27.2, अजमेर में 27.1, अलवर में 28.2, कोटा में 27.5, चित्तौड़गढ़ में 29.3, बाड़मेर में 30.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

एसआई-भर्ती रद्द केस,सरकार ने कहा-पूरे राजस्थान में नहीं पहुंचा पेपर

कुछ की गलती पर भर्ती को रद्द नहीं किया जा सकता, सरकार की अपील पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया

जयपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 को रद्द करने के एकलपीठ के फैसले के खिलाफ दायर राज्य सरकार की अपील पर आज हाईकोर्ट की खंडपीठ ने नोटिस जारी किए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा की खंडपीठ ने सरकार की अपील पर एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे कैलाशचंद्र शर्मा व अन्य को नोटिस जारी करते हुए मामले की सुनवाई 5 जनवरी को तय की है।

अपील में सरकार की ओर से कहा गया है कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरी भर्ती को रद्द नहीं किया जा सकता है। सेंटर से जो पेपर लीक हुआ था, वो कुछ अभ्यर्थियों के पास ही पहुंचा था। वहीं, RPSC से लीक होने वाला पेपर संलिप्त आरपीएससी सदस्यों के बच्चों और दलालों तक ही गया था। इस पेपर का प्रसार पूरे राजस्थान में नहीं हुआ।

पूरी भर्ती रद्द होने से इसका असर सही अभ्यर्थी के जीवन पर भी पड़ रहा है। जांच एजेंसियां अगर भर्ती में सही और गलत की छंटनी कर सकती है तो कोर्ट को पूरी भर्ती रद्द नहीं करनी चाहिए।

दही बड़ा, गोभी की सब्जी खाने से 75 लोग बीमार

शादी में फूड पॉइजनिंग से बिगड़े हालात, 10 को कराना पड़ा भर्ती

झुंझुनूं, 24 नवंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं में एक शादी समारोह में फूड पॉइजनिंग से 75 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 10 लोगों को गंभीर हालत के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अन्य को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया। शादी में दही बड़ा, गोभी की सब्जी खाने के बाद इन सभी की हालत बिगड़ी। तेज पेट दर्द, उल्टी-दस्त और कमजोरी की शिकायत हुई तो लोग अस्पतालों में पहुंचे। जहां जांच में फूट पॉइजनिंग की पुष्टि हुई। यह मामला शहर के जमुना रिसोर्ट में आयोजित शादी समारोह का है।

शादी के अगले दिन सुबह 6 बजे से शिव कॉलोनी, नागरपुरा, कालीपहाड़ी और उत्तरासर इलाके के लोग पेट दर्द और उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर अस्पतालों में पहुंचने लगे। शिव कॉलोनी के पास स्थित मेट्रो अस्पताल में अचानक मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। सीएमएचओ ने तत्काल डॉक्टरों की एक विशेष टीम गठित कर शिव कॉलोनी भेजा। डॉ. विनेश झाझड़िया की अगुवाई में टीम ने घर-घर जाकर मरीजों की जांच की और उन्हें दवाइयां उपलब्ध करवाईं। कई घरों में एक से ज्यादा लोग बीमार थे, जिससे कॉलोनी में दिनभर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बीमार हुए लोगों ने बताया कि शादी में परोसा गया दही बड़ा और गोभी की सब्जी के स्वाद में कुछ अजीब था। कई मेहमानों ने रात को ही हल्की तबीयत खराब होने की बात कही, लेकिन सुबह होते-होते हालात बिगड़ गए।

डॉक्टरों का कहना है कि इन दोनों खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया संक्रमण की आशंका अधिक है, जिसकी पुष्टि सैंपल रिपोर्ट से होगी। बीडीके अस्पताल में 15 मरीज पहुंचे, जिनमें से 4 की हालत ज्यादा गंभीर थी, इसलिए उन्हें भर्ती किया गया। वहीं मेट्रो अस्पताल में 25 मरीज पहुंचे, जिनमें से 6 को अस्पताल में भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। उत्तरासर क्षेत्र में करीब 40 लोगों का घर-घर पहुंचकर चिकित्सा टीम ने इलाज किया।

फूड पॉइजनिंग की सूचना मिलने के बाद चिकित्सा विभाग की टीम शादी वाले परिवार के घर पहुंची लेकिन वहां शुरू में किसी ने जानकारी देने में सहयोग नहीं किया।

करीब एक घंटे तक टीम अलग-अलग परिजनों और मेहमानों से संपर्क करती रही। बाद में जब पूरी जानकारी मिली, तब टीम ने सभी बीमार लोगों का ब्यौरा तैयार कर उपचार प्रक्रिया शुरू की।

लोहे का ढक्कन गिरने से युवक की मौत

पेट्रोल पंप पर डीजल टैंक को बंद कर रहा था, सिर और एक पैर ही रहा बाहर

बीकानेर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पेट्रोल पंप पर काम करने वाले युवक की डीजल टैंक का ढक्कन गिरने से मौत हो गई। युवक रविवार रात 2 बजे डीजल टैंक का ढक्कन बंद करने गया था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया। डीजल टैंक का लोहे का ढक्कन उस पर गिर गया। ढक्कन के नीचे उसका धड़ आ गया। सिर्फ सिर और एक पैर बाहर था। उसके गले पर ढक्कन का किनारा था। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मामला बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना इलाके के गुंसाईसर बड़ा गांव के नायरा पेट्रोल पंप का है।

SHO राजेंद्र कुमार ने बताया- हादसे में लूणाराम (23) पुत्र तोलाराम गोदारा की मौत हुई है। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंचे। मौका मुआयना कर शव को उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। परिजनों ने हादसे की रिपोर्ट दी है। मामले में जांच जारी है। परिजनों ने बताया कि लूणाराम पंप पर बने डीजल टैंक का ढक्कन बंद कर रहा था। इस दौरान अचानक उसका पैर फिसला और वह ढक्कन के नीचे दब गया। टैंक का भारी भरकम ढक्कन उसकी गर्दन पर आकर लगा। इससे उसका सिर फट गया।

कविता का पूर्व बीआरएस मंत्री निरंजन रेड्डी पर हमला

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने पूर्व बीआरएस मंत्री एस. निरंजन रेड्डी पर तीखा हमला किया, उन पर वनपार्थी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अत्याचार का आरोप लगाया।

कविता ने दावा किया कि निरंजन रेड्डी ने अवैध संपत्ति जुटाई और भ्रष्ट धन से तीन से चार फार्महाउस बनाए, जिससे इस निर्वाचन क्षेत्र में बीआरएस को अपरिवर्तनीय नुकसान हुआ। उनके शासन के दौरान लोग इतने असहाय थे कि यहां तक कि एक एमआरओ कार्यालय जल जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, जबकि 32 बीसी नेताओं के खिलाफ पुलिस मामले दर्ज किए गए, जिन्होंने उनका विरोध किया। कविता ने उनके कृत्यों को भयानक अत्याचार बताते हुए कहा कि एक छोटा बच्चा भी उनके कुकर्मों के बारे में बता सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि कृष्णा नदी के फार्महाउस निर्माण के कथित अतिक्रमण के खिलाफ राज्य सरकार कार्रवाई क्यों नहीं कर रही। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने निरंजन रेड्डी के उत्पात को पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर से छुपाया, और कहा कि मतदाताओं ने उन्हें हराकर 'सही निर्णय' लिया। वनपर्थी में राजशाही शासन लाने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने पॉलिटेक्निक कॉलेज और इसके हॉस्टल के तत्काल नवीनीकरण की मांग की।

ओवैसी बोले- जो देश का दुश्मन वो हमारा भी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपियों की खुलकर निंदा करनी चाहिए। देश के दुश्मन हमारे दुश्मन हैं। इस धमाके में हिंदू और मुसलमान दोनों मारे गए। अगर हम चुप रहे तो इन क्रूर लोगों को खुली छूट मिल जाएगी।

ओवैसी रविवार को हैदराबाद में एक जनसभा में बोल रहे थे, इस दौरान उन्होंने कहा– जो लोग सोचते हैं कि मुसलमानों को इस देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया जाएगा, ऐसा कभी नहीं होगा। जब तक दुनिया रहेगी, भारतीय मुसलमान इस देश में इज्जत के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम किसी भी ऐसे व्यक्ति की निंदा करते हैं जो शैक्षणिक संस्थान में बैठकर बम बनाने की साजिश रचता है। जो एक मदरसे और स्कूल का कमरा नहीं बना सकते वे अमोनियम नाइट्रेट लेकर बैठे हैं।

बीसी जेएसी ने जीओ 46 के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ी जातियों संयुक्त कार्य समिति (बीसी जेएसी) ने सोमवार को जीओ नंबर 46 को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की, जिसमें भूख हड़ताल और सड़क जाम जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।

यह निर्णय हैदराबाद में आयोजित एक बैठक में लिया गया, जहां नेताओं ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वह सुदर्शन रेड्डी और डेडिकेटेड आयोगों की रिपोर्ट सार्वजनिक करे। जेएसी ने बीसी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सार्वजनिक प्रतिनिधियों के घरों का शांतिपूर्ण घेरेबंदी करें और तब तक आंदोलन को तेज रखें जब तक 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण नहीं मिल जाता। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री यदि बीसी मुद्दे पर वास्तव में ईमानदार हैं, तो सामान्य सीटों पर बीसी उम्मीदवार उतारें। राज्यसभा सांसद और जेएसी अध्यक्ष आर. कृष्णैया ने बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दो साल से खुली आंखों में बीसीयों के साथ धोखा किया है और सरकार पर आरोप लगाया कि उसने लोकसभा चुनावों में बीसी आरक्षण को केवल 22 प्रतिशत तक सीमित करने के लिए जीओ नंबर 46 लाया।

उन्होंने कहा कि सिर्फ 3,000 करोड़ रुपये के लिए दो करोड़ पचास लाख बीसीयों के साथ अन्याय किया गया। कृष्णैया ने दोहराया कि अदालत ने जीओ को रद्द नहीं किया है और उन्हें विश्वास है कि निर्णय बीसीयों के पक्ष में होगा। उन्होंने जीओ 46 जारी करने की जल्दी पर सवाल उठाया और चेतावनी दी कि न्याय की लड़ाई में बीसीयों को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। तेलंगाना बीसी आयोग के चेयरमैन डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि सरकार ने इस विषय पर प्रारंभ से ही कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि एसईईपी जाति सर्वेक्षण स्वतंत्र आयोग द्वारा किया जाना चाहिए था, परन्तु योजना विभाग द्वारा करवाया गया, यह कानूनन अमान्य है। जीओ नं. 9 और जीओ नं. 46 दोनों ही त्रुटिपूर्ण हैं। बीसी यूनाइटेड फ्रंट अध्यक्ष पालूरू रामकृष्णैया ने आरोप लगाया कि सरकार ने सभी स्तरों पर भूलें कीं तथा अदालतों, विधानमंडल और बीसी समाज सभी को गुमराह किया। फिल्म निर्देशक एन. शंकर ने कहा कि 42 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा भी सरकार ने ही की थी। अमल का आश्वासन भी सरकार ने दिया था। अब पीछे हटना बीसी समाज को डुबोने जैसा है। हमें एकजुट होकर इसे हासिल करना होगा।

भारत के पास चंद्रमा पर स्थापित सर्वोत्तम कैमरा : डॉ. नारायणन

इरिसेट ने अपना 68वां वार्षिक दिवस मनाया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे का प्रमुख केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरिंग और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) सोमवार को अपना 68वां वार्षिक दिवस मनाया। इरिसेट, नए भर्ती अधिकारियों और पर्यवेक्षकों, सेवारत कर्मियों और सार्वजनिक और निजी कंपनियों के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। महानिदेशक, इरिसेट शरद कुमार श्रीवास्तव ने अपने उद्घाटन समारोह में नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक की अवधि की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ-साथ इरिसेट की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान इरिसेट ने प्रशिक्षण, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय क्षमता निर्माण के क्षेत्र में शुरू की गई महत्वपूर्ण पहलों का अत्याधिक विस्तार किया है। संस्थान ने इस वर्ष 310 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर 8462 प्रशिक्षुओं की रिकॉर्ड संख्या को प्रशिक्षित किया है, जिसमें 81407 प्रशिक्षु दिनों की उत्पादकता है। कवच पर प्रशिक्षण- भारत की स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम बना रहा, जिसमें इस वर्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विद्युत, यांत्रिक, नागरिक, यातायात और अन्य विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र की भागीदारी में 4,364 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है। इस अवसर पर डॉ.वी. नारायणन, अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी प्रगति के साथ भारतीय रेल नेटवर्क की सभी ट्रेनों की वास्तविक समय में निगरानी पहले से ही कार्यान्वित की जा चुकी है। अध्यक्ष, इसरो ने भारतीय रेल और इसरो के बीच अनेक समानताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए संचार अत्यंत आवश्यक है और इसरो ने अनेक उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं, जो आवश्यक संचार सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं। अध्यक्ष, इसरो ने इसरो की कई उपलब्धियों का उल्लेख किया, जिनमें से एक यह है कि भारत के पास चंद्रमा पर स्थापित सर्वोत्तम कैमरा है और भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश है। उन्होंने आगे यह भी रेखांकित किया कि विभिन्न तकनीकी प्रगतियों के कार्यान्वयन हेतु इसरो और भारतीय रेल के बीच सहयोग के अवसर उपलब्ध हैं। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने संस्थान से कार्यबल के बहु-कौशल और भारतीय रेलवे में सिगनलिंग और दूरसंचार एसेट्स की विश्वसनीयता को बेहतर बनाने के लिए कौशल प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। राजेश कुमार पांडे, अपर सदस्य (सिगनल), रेलवे बोर्ड ने समारोह को संबोधित करते हुए सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियरों से कहा कि वे अवसंरचना को बढ़ाने और अनुरक्षण पर होने वाले व्यय के हिसाब से तकनीकी के प्रभावी रूप से इस्तेमाल के लिए जरूरी कौशल हासिल करें। उन्होंने कहा कि इरिसेट ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाए जिससे नई भर्ती, ट्रेन संचालन में संरक्षा को अपने काम करने का तरीका बनाए और उसे सहज रूप से अपना सकें। शैलेश गुप्ता, अपर सदस्य (दूरसंचार), रेलवे बोर्ड ने देश की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नवीन समाधान खोजने और बेहतरीन माहौल बनाने की जरूरत पर जोर दिया। इसरो के अध्यक्ष ने वर्ष में हुए शुरूआती पाठ्यक्रम के टॉपर्स को शैक्षिक पुरस्कार दिए। इस अवसर पर तकनीकी मैगज़ीन 'ज्ञानदीप' का विमोचन किया गया। बाद में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

हाईकोर्ट का बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विचार करने से इनकार

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति मौसमी भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार ने सोमवार को हैदराबाद निवासी के पिता द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जो परस्पर विरोधी राष्ट्रीयता दस्तावेज रखने के संदेह में दो महीने से अधिक समय से हिरासत में है। पीठ ने पाया कि उसके समक्ष प्रस्तुत सामग्री में उस व्यक्ति की पहचान के संबंध में गंभीर विसंगतियां दिखाई दीं, जिसमें भारतीय पासपोर्ट, त्रिपुरा के विभिन्न जिलों को दर्शाने वाला आधार कार्ड और बांग्लादेश द्वारा जारी राष्ट्रीय पहचान पत्र शामिल है। बंदी संजीत दास को सितंबर में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अबू धाबी के लिए उड़ान भरने की तैयारी करते समय उठाया गया था। उसके पिता निर्मल दास ने गैरकानूनी हिरासत का आरोप लगाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया और बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के माध्यम से उसकी रिहाई की मांग की हालांकि, पीठ ने माना कि परिस्थितियां ऐसी रिट जारी करने का औचित्य नहीं रखतीं। उसने कहा कि विरोधाभासी दस्तावेज बंदी की नागरिकता पर बुनियादी संदेह पैदा करते हैं, और इस मामले में इस स्तर पर न्यायिक हस्तक्षेप के बजाय सक्षम प्राधिकारियों द्वारा सत्यापन की आवश्यकता है। विशेष सरकारी वकील स्वरूप ओरिल्ला ने अदालत को सूचित किया कि बांग्लादेशी अधिकारियों और त्रिपुरा की जिला पुलिस से, जिन्हें दस्तावेज़ों का सत्यापन करने के लिए कहा गया था, अभी भी जवाब का इंतजार है। उन्होंने यह भी बताया कि गृह मंत्रालय ने संदिग्ध अवैध प्रवेशियों से निपटने के लिए आंतरिक दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं, जिनमें निर्वासन संबंधी आदेश देने से पहले 30 दिनों की हिरासत अवधि भी शामिल है। अदालत ने कहा कि 30 दिन की अवधि बहुत पहले ही समाप्त हो चुकी है। पीठ ने गृह मंत्रालय को निर्णय लेने के लिए आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा, दिशानिर्देश अवधि 22 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गई। बंदी अब दो महीने से अधिक समय से हिरासत में है। न्यायाधीशों ने बंदी के पिता को आगे की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों और आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के संबंधित प्रावधानों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की भी सलाह दी। इन टिप्पणियों के साथ, अदालत ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस सूर्यकांत शपथ के बाद भाई-बहन के पैर छुए

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग शामिल हुए।

शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने पीएम मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजेआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहली बार किसी सीजेआई के शपथ ग्रहण में इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की मौजूदगी रही। समारोह में भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और उनके परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान पूर्व सीजेआई गवई ने एक नई मिसाल कायम की। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने अपनी आधिकारिक गाड़ी राष्ट्रपति भवन में ही अपने उत्तराधिकारी जस्टिस सूर्य कांत के लिए छोड़ दी।

सीजेआई सूर्यकांत का कार्यकाल 14 महीने का होगा :

वर्तमान सीजेआई बीआर गवई का कार्यकाल रविवार 23 नवंबर को खत्म हो गया। उनके बाद अब जस्टिस सूर्यकांत यह जिम्मेदारी संभालेंगे। जस्टिस सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड होंगे सीजेआई सूर्यकांत :

सीजेआई सूर्यकांत ने बेंच जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर के साथ कोर्ट रूम नंबर 1 में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की। जस्टिस सूर्यकांत अब पांच मेंबर वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के हेड भी होंगे। पांच मेंबर वाला कॉलेजियम जो सुप्रीम कोर्ट के जजों को चुनता है और हाईकोर्ट के जजों के ट्रांसफर पर फैसला करता है, उसमें अब सीजेआई कांत और जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एमएम सुंदरेश शामिल होंगे।

तीन सदस्यों वाले कॉलेजियम में, जो हाई कोर्ट के जजों को चुनता है, सीजेआई और जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्ना सदस्य होंगे। भले ही जस्टिस कांत का सीजेआई के तौर पर लगभग 15 महीने का कार्यकाल है, कॉलेजियम में सिर्फ एक बदलाव होगा जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून, 2026 को रिटायर होंगे। जस्टिस पीएस नरसिम्हा कॉलेजियम के सदस्य बनेंगे। सीजेआई कांत के रिटायर होने के बाद, जस्टिस जेबी पारदीवाला कॉलेजियम में शामिल होंगे।

केटी रामाराव दक्षिणी राइजिंग समिट 2025 में होंगे शामिल

चेन्नई में सम्मेलन, दक्षिण भारत के विकास और नवाचार पर करेंगे चर्चा

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव 25 नवंबर को एबीपी नेटवर्क द्वारा आयोजित दक्षिणी राइजिंग समिट 2025 में हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन चेन्नई के आईटीसी ग्रैंड चोला में आयोजित किया जा रहा है।

रामा राव दक्षिण भारत के भविष्य से जुड़े राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी बदलावों पर एक मंचीय चर्चा में भी भाग लेंगे। इस वर्ष शिखर सम्मेलन का विषय है – 'भविष्य के लिए तैयार: नवाचार, परिवर्तन, प्रेरणा'। कार्यक्रम में सरकार, उद्योग जगत और नागरिक समाज से जुड़े प्रमुख लोग शामिल होंगे। वे दक्षिणी राज्यों की आर्थिक प्रगति, तकनीकी नेतृत्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिलाओं की भागीदारी और सतत विकास पर चर्चा करेंगे।

एबीपी नेटवर्क का कहना है कि रामा राव जैसे नेताओं की भूमिका न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रामा राव तेलंगाना की प्रगति, दक्षिणी राज्यों की बढ़ती भूमिका और विनिर्माण, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार आधारित क्षेत्रों में अवसरों पर अपने विचार साझा करेंगे।

सेंटरिंग संरचना गिरने से तीन श्रमिक की मृत्यु

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर में ईएसआई अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में मरम्मत कार्य के दौरान सोमवार को एक केंद्र संरचना गिरने से तीन निर्माण श्रमिकों की मृत्यु हो गयी। शुरूआती जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब ये मजदूर मौके पर मौजूद थे। स्लैब का एक बड़ा हिस्सा मरम्मत कार्य के लिए लगाए गए लोहे के फ्रेम पर गिर गया, जिससे ढांचा ढह गया और मजदूरों पर गिर गया। अस्पताल अधिकारियों द्वारा सूचित किये जाने के बाद सनतनगर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

निर्माण स्थलों पर वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए सेंसर अनिवार्य

बढ़ते प्रदूषण और शिकायतों के बाद सरकार का कदम

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में वायु प्रदूषण की बढ़ती शिकायतों के बीच सरकार ने निर्माण और पत्थर तोड़ने वाले स्थलों पर वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए कम लागत वाले सेंसर लगाने का आदेश दिया है। ये सेंसर तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जुड़े रहेंगे और लगातार पीएम10 एवं पीएम2.5 कणों के स्तर की जांच करेंगे। निवासी लंबे समय से निर्माण स्थलों और स्टोन क्रशर मशीनों से उड़ने वाली धूल की शिकायत कर रहे थे। विशेषज्ञों के अनुसार पीएम10 कण फेफड़ों के ऊपरी हिस्से तक पहुंचते हैं, जबकि पीएम2.5 सूक्ष्म कण गहराई तक जा सकते हैं, जिससे सांस की समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य खतरे बढ़ते हैं। सरकार ने बताया कि 500 वर्ग मीटर से बड़े निर्माण प्रोजेक्ट्स के लिए अब सेंसर लगाना अनिवार्य होगा। प्रदूषण सीमा से अधिक होने पर इसकी जांच मैन्युअल रूप से भी की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई होगी।

'कभी नहीं सोचा था मैं सीजेआई बनूंगा'

जस्टिस सूर्य कांत ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। इससे वह देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर पहुंचने वाले हरियाणा के पहले व्यक्ति बन गए। सीजेआई ने अपने अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्होंने कभी सीजेआई बनने की कल्पना भी नहीं की थी और उन्हें न्यायपालिका का मतलब भी नहीं पता था।

एक इंटरव्यू में जस्टिस सूर्य कांत ने कहा, पहले हर गांव के बच्चे के लिए संघर्ष का दौर था और मेरे लिए भी था। गांव के बच्चे बहुत मेहनत से पढ़ते थे और उनमे से कुछ बच्चे कामयाब होते थे। आमतौर पर गांव के हर एक परिवार में यह जिज्ञासा होती थी कि आपने अगर मैट्रिकुलेट कर लिया है तो आप नौकरी का प्रयास कीजिए। आप अगर गलती से कॉलेज में चले गए हैं तो फिर तो कुछ और करने का मतलब ही नहीं है। एक ऐसी स्थिति मेरे भी सामने आई।

मेरे सीनियर का भी मुझ पर भरोसा था :

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, मैं मेरे माता-पिता को इस बात का पूरा श्रेय दूंगा कि मैंने जब ये अभिव्यक्त किया कि मैं आगे पढ़ना चाहता हूं तो उन्होंने मेरी बात को माना। फिर घर में ये द्वंद हुआ कि मैं पढ़ाई क्या करूं तो मेरे भाई की ये सलाह थी कि मैं एमए भूगोल में करूं। ऐसा इसलिए क्योंकि वो मेरा सब्जेक्ट था। मैं इस बात के लिए दृढ़ था कि मैंने लॉ करनी है। उस वक्त मैंने मन बना लिया था। मेरे माता-पिता ने मुझसे कहा कि जो चाहते हो वो करो। फिर इसके बाद मैंने लॉ किया। मैंने हिसार के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में प्रैक्टिस की, चार-पांच महीने की प्रैक्टिस में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जो साहिब थे, मैंने उनकी कोर्ट में बहस की। मेरे सीनियर का मुझ पर भरोसा था, मैं इसके लिए उनका बहुत ही आभारी हूं। मुझे बनाने में उनका भी बहुत ही बड़ा योगदान था।

मैं अपने माता-पिता का आभारी हूं :

सीजेआई सूर्य कांत ने आगे कहा, डिस्ट्रिक्ट जज साहिब ने जितने भी सीनियर वकील थे, उनको बुलाकर कहा कि इस लड़के को यहां पर खराब मत कीजिए। इसको हाई कोर्ट जाने की प्रेरणा दो। मैं हाई कोर्ट में किसी को नहीं जानता था। मेरे सीनियर और बाकी सीनियर लोगों ने कहा कि हम लेकर जाएंगे। एक बहुत बड़े विद्वान सीनियर एडवोकेट थे वो मुझे अपनी गाड़ी में लेकर गए थे। वहां पर एक सीनियर एडवोकेट के पास जाकर छोड़ा। ये मेरे माता-पिता, मेरे गुरुओ का आशीर्वाद था कि इस प्रोफेशन में मैने नाम कमाया। पांच-छह साल की प्रैक्टिस के बाद पूरा स्टेट मुझे जानता था कि ये एक सफल वकील है। फिर मेरे संघर्ष से सफलता की कहानी शुरू हुई।

ईडी ने जयत्रि इन्फ्रा पर छापे मारे

60 करोड़ रुपये के होमबायर्स धोखाधड़ी की जांच

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने 20 और 21 नवंबर को एम/एस जयत्रि इन्फ्रास्ट्रक्चर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इसके प्रबंध निदेशक काकरला श्रीनिवास और उनके सहयोगियों से जुड़े आठ ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई 60 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में की गई। कई प्राथमिकी के आधार पर हुई जांच में पाया गया कि इस कंपनी ने होमबायर्स को धोखाधड़ीपूर्ण प्री-लॉन्च योजनाओं के माध्यम से ठगा, करोड़ों रुपये इकट्ठा किए लेकिन फ्लैट्स की डिलीवरी नहीं की और न ही पैसे वापस किए। ईडी ने पता लगाया कि अपराध से प्राप्त राशि को काल्पनिक संस्थाओं और शेल कंपनियों के माध्यम से बहाया गया, जिनका कोई वास्तविक व्यवसाय नहीं था। छापों के दौरान डिजिटल उपकरण, आपत्तिजनक दस्तावेज, एमओयू, जमीन हस्तांतरण के कागजात जब्त किए गए और कई बैंक खाते फ्रीज किए गए। श्रीनिवास (जिन्हें पहले गिरफ्तार किया गया था और अब फरार हैं) पर निवेशकों के फंड का दुरूपयोग करने और परियोजना की जमीनों को तीसरे पक्ष को हस्तांतरित करने का आरोप है। ईडी जब्त किए गए सामग्रियों की जांच कर रही है और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क में शामिल अन्य संदिग्धों का पता लगा रही है।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा द्वारा अन्नकूट का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित प्रभुदत्त महाराज द्वारा गोपाल बलदवा एवं राजू अग्रवाल का स्वागत किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा मित्र मंडल के मनोज अग्रवाल, यश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, विजय अग्रवाल, सुनील जायालिया, श्याम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, रविन्द्र अग्रवाल, अजय गुप्ता तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

53वें सीजेआई ...

खास रहा सीजेआई सूर्यकांत का शपथ ग्रहण :

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का शपथ ग्रहण ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें छह देशों- भूटान, केन्या, मलयेशिया, मॉरिशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि किसी भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण में इतनी संख्या में विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए।

न्यायपालिका के लिए अहम वक्त, जस्टिस सूर्यकांत पर पूरा भरोसा :

इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जस्टिस सूर्यकांत का देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालना न्याय प्रणाली के लिए बेहद महत्वपूर्ण समय पर हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व में संवैधानिक मूल्यों और कानून के राज पर जनता का भरोसा और मजबूत होगा। जस्टिस सूर्यकांत कई अहम फैसलों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने से जुड़ा फैसला भी शामिल है।

खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जस्टिस सूर्यकांत को मुख्य न्यायाधीश बनने पर मेरी शुभकामनाएं। आने वाले 14 महीने न्याय व्यवस्था के लिए बेहद अहम हैं। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संवैधानिक मूल्यों और संस्थागत मजबूती को और बल मिलेगा, और हर नागरिक को न्याय का भरोसा मिलेगा।

कोर्ट नंबर 1 में सीजेआई सूर्यकांत ने शुरू किया काम :

भारत के 53वें और नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में अपना काम शुरू कर दिया है। कोर्टरूम में मौजूद वकीलों ने नए सीजेआई, जस्टिस सूर्यकांत का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी, जब उन्होंने बेंच पर जस्टिस जॉयमाल्या बागची और अतुल एस. चंदुरकर के साथ सुप्रीम कोर्ट में आधिकारिक कार्यवाही शुरू की।

जस्टिस सूर्यकांत- छोटे से गांव से सीजेआई तक का सफर :

हरियाणा के गांव से निकलकर भारत की सर्वोच्च न्यायपालिका के मुख्य न्यायाधीश पद तक पहुंचने वाले जस्टिस सूर्यकांत का जीवन संघर्ष, समर्पण और न्याय के प्रति ईमानदारी की मिसाल है।

10 फरवरी 1962 को हरियाणा के हिसार जिले के पेट्वर गांव में जन्मे सूर्यकांत का बचपन साधारण परिवेश में बीता। उन्होंने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई गांव के स्कूल से पूरी की और गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, हिसार से 1981 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से 1984 में कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष उन्होंने हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की।

हरियाणा के सबसे युवा एडवोकेट जनरल से आगे का सफर :

7 जुलाई 2000 को वे हरियाणा के एडवोकेट जनरल नियुक्त हुए। यह पद संभालने वाले सबसे युवा व्यक्ति थे। अगले वर्ष उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा मिला। 9 जनवरी 2004 को वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने। बाद में, 5 अक्टूबर 2018 को उन्हें हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कुलदीप ने भारत के शीर्ष-8 बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदें खेलीं, भारत पर मंडराया हार का खतरा

गुवाहाटी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी टेस्ट में जहां भारतीय बल्लेबाजी धराशायी होती नजर आई, वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने जज्बा दिखाया। मैच में कई ऐसे रिकॉर्ड बने, जो भारत की खराब बल्लेबाजी और दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी की ताकत दोनों को उजागर करते हैं।

भारतीय बल्लेबाजों को शर्मिंदा करने वाला आंकड़ा

टीम इंडिया के लिए सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा यह रहा कि स्पिनर कुलदीप यादव ने भारतीय शीर्ष आठ बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदों का सामना किया। उन्होंने 134 गेंदों में तीन चौके की मदद से 19 रन बनाए, जो न सिर्फ इस टेस्ट में किसी भारतीय बल्लेबाजी सबसे लंबी पारी रही, बल्कि यह सीरीज में 100+ गेंद खेलने वाली केवल दूसरी भारतीय पारी है। इससे पहले कोलकाता टेस्ट में पहली पारी में केएल राहुल ने 119 गेंदों में 39 रन बनाए थे। रोचक बात यह है कि कुलदीप ने इससे पहले 2024 में रांची टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 131 गेंदों में 28 रन बनाए थे, जो अब तक उनका बेस्ट था।

कुलदीप ने जहां 134 गेंदें खेलीं, वहीं यशस्वी जायसवाल ने 97 गेंद खेलकर 58 रन बनाए, राहुल ने 63 गेंद खेलकर 22 रन बनाए, साई सुदर्शन ने 40 गेंद खेलकर 15 रन बनाए, जबकि पंत ने आठ गेंदें खेलीं और सात रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 11 गेंदें खेलीं और खाता नहीं खोल सके। रवींद्र जडेजा ने 18 गेंदें खेलीं और छह रन बनाए, जबकि नीतीश रेड्डी ने 18 गेंदें खेलीं और 10 रन हनाए। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदें खेलीं और 48 रन बनाए। कुलदीप और सुंदर ने आठवें विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

वॉशिंगटन सुंदरः हर मैच में बल्लेबाजी का नया स्थान

टीम में बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव का असर साफ दिखा। वॉशिंगटन सुंदर ने अपनी पिछली सात टेस्ट पारियों में सात अलग-अलग बैटिंग पोजिशन पर बल्लेबाजी की। उन्होंने कभी नंबर तीन पर, तो कभी नंबर पांच पर तो कभी नंबर नौ पर बल्लेबाजी की है।

भारत पर मंडराया हार का खतरा

भारतीय टीम पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज गंवाने का खतरा बढ़ गया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन गुवाहाटी टेस्ट में गेंदबाजी के बाद बल्ले से भी खराब रहा जिस कारण दक्षिण अफ्रीका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दक्षिण अफ्रीका के पहली पारी में 489 रनों के जवाब में भारत की पहली पारी तीसरे दिन 201 रनों पर सिमटी। दिन के खेल की समाप्ति तक दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

'टेस्ट को मजाक बना रखा है', मैदान पर कई बार कप्तान पंत ने खोया आपा, कुलदीप पर चिल्लाते दिखे

गुवाहाटी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। गुवाहाटी में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक अनोखा वाकया देखने को मिला, जब भारतीय कप्तान ऋषभ पंत मैदान पर अपने साथी खिलाड़ी कुलदीप यादव पर भड़कते हुए नजर आए। दरअसल, कुलदीप ओवर डालने में समय लगा रहे थे और इससे आईसीसी के स्टॉप-क्लॉक नियम का उल्लंघन माना जा रहा था। अंपायर ने उन्हें चेतावनी भी दी थी। पंत एक-दो बार नहीं, कई बार आपा खोते नजर आए और उन्होंने विकेट के पीछे से खिलाड़ियों को फटकार भी लगाई।

पहले दिन ही भारत को ओवर में देरी के लिए पहली चेतावनी मिल चुकी थी, लेकिन दूसरे दिन 88वें ओवर के दौरान जब फिर से टीम समय सीमा का पालन नहीं

कर पाई, तो अंपायर रिचर्ड केटलबरो ने भारत को दूसरी चेतावनी दे दी। इसी दौरान पंत का धैर्य टूट गया और वह अपने साथी से नाराजगी जताते सुने गए।

स्टंप माइक पर उनकी आवाज साफ कैद हुई। पंत कहते हुए नजर आए- यार 30 सेकंड का टाइमर है, घर पे खेल रहे हो क्या? एक बॉल डाल जल्दी।' इसके बाद उन्होंने और सख्त लहजे में कहा- यार कुलदीप, दोनों बार वार्निंग ले ली। मजाक बना रखा है टेस्ट क्रिकेट को?'

ICC का स्टॉप-क्लॉक नियम क्या कहता है?

आईसीसी ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप-क्लॉक नियम लागू किया है। इस नियम के तहत, 'एक ओवर खत्म होने के बाद अगला ओवर 60 सेकंड के अंदर शुरू होना चाहिए।' टीम को पहली दो बार सिर्फ चेतावनी इस घटना ने दर्शकों को पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी वाली सख्ती की याद दिला दी, जो अपने खिलाड़ियों से ऊर्जा और अनुशासन की उम्मीद रखते थे।

मिलती है। तीसरी बार से बल्लेबाजी टीम को पांच रन बोनस के रूप में मिलते हैं। हर 80 ओवर के बाद यह गिनती रीसेट होती है। यह नियम सीमित ओवर प्रारूप में पहले से लागू है और इसी साल टेस्ट क्रिकेट में शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की मजबूत पकड़

ओवर रेट के इस तनाव के बीच दक्षिण अफ्रीका ने भारत पर दबाव बनाए रखा। सेनुरन मुथुसामी ने पहले काइल वेरेन के साथ 88 रन और फिर मार्को यानसेन के साथ 97 रनों की साझेदारी करते हुए मैच का रुख बदल दिया। मुथुसामी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया और यानसेन ने तेज शुरुआत करते हुए बिना देखे लगाए गए छक्के से भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 489 रन बनाए।

क्यू-स्टिक से बदली किस्मतः अनुपमा रामचंद्रन बनीं भारत की पहली महिला स्नूकर विश्व चैंपियन

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। 23 वर्षीय तमिलनाडु की खिलाड़ी अनुपमा रामचंद्रन ने भारतीय खेल इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है। उन्होंने हांगकांग की तीन बार की विश्व चैंपियन ऑन यी को हराकर आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर (15-रेड) चैंपियनशिप 2025 जीत ली। यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि भारत ने महिला श्रेणी में पहली बार विश्व स्नूकर खिताब पर कब्ज़ा किया है।

फाइनल बेहद रोमांचक रहा और अनुपमा ने मुकाबला 3-2 से जीता। निर्णायक फ्रेम में उनका भाग्य भी उनके साथ था। 60-61 के स्कोर पर ऑन यी अंतिम ब्लैक लगाकर जीत सकती थीं, लेकिन उनका शॉट चूक गया और अनुपमा ने यह मौका भुनाते हुए भारत के नाम इतिहास लिख दिया।

अनुपमा रामचंद्रन कौन हैं?

अनुपमा का जन्म 19 मई 2002 को चेन्नई में हुआ। उनका

स्नूकर करियर किसी प्लानिंग से नहीं, बल्कि एक संयोग से शुरू हुआ। सिर्फ 13 साल की उम्र में वे गर्मियों की छुट्टियों में मायलापुर क्लब में एक बिलियर्ड्स वर्कशॉप में पहुंचीं और वहीं से उनकी प्रतिभा की चमक दिखाई देने लगी। क्लब के कोचों और परिवार ने समझ लिया था कि यह बच्ची इस खेल के लिए बनी है। दो साल बाद, मात्र 15 वर्ष की आयु में, उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मक स्नूकर खेलना शुरू किया।

पढ़ाई और खेल में संतुलन

अनुपमा ने विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की और इस समय एमओपी वैष्णव कॉलेज फॉर वुमन से पब्लिक पॉलिसी में पोस्टग्रेजुएशन कर रही हैं। खेल और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं, लेकिन अनुपमा इस चुनौती को बखूबी निभा रही हैं। ये उनकी अनुशासन, मानसिक शक्ति और समर्पण का प्रमाण है।

कोचिंग, सफर और उपलब्धियां

उनके कोच और मामा के. नारायणन उनकी खेल तकनीक, मानसिक मजबूती और रणनीति को गाइड करते हैं।

अब तक वह आठ राष्ट्रीय जूनियर खिताब जीत चुकी हैं। 2017 में रूस में वह वर्ल्ड अंडर-16 स्नूकर चैंपियन बनीं। 2023 में आमी कमानी के साथ वर्ल्ड स्नूकर कप जीता। 2023 में ही वह वर्ल्ड अंडर-21 स्नूकर चैंपियन बनीं। 2024 यूएस विमेंस ओपन में रनर-अप रहीं। मार्च 2025 में अनुपमा विश्व रैंकिंग में नंबर छह तक पहुंच चुकी थीं और अब यह खिताब उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है।

भारत ने फिर रचा इतिहास : प्रधानमंत्री मोदी ने दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम और भारतीय मुक्केबाजों को दी बधाई

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय खेल इतिहास में रविवार का दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया, जब भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आयोजित ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि की सराहना की है। इसके अलावा पीएम मोदी ने विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में भारतीय बॉक्सर्स के ऐतिहासिक प्रदर्शन की भी तारीफ की।

कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने नेपाल को सात विकेट से हराया। पहले गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया ने नेपाल को 114/5 पर रोका और मात्र 12 ओवर में 117/3 बनाकर मैच और खिताब दोनों अपने नाम कर लिए। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही। लीग स्टेज में उसने श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, अमेरिका और पाकिस्तान जैसी टीमों को हराया और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी।

पीएम मोदी ने तारीफ करते हुए एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'यह उपलब्धि कड़ी मेहनत, टीम भावना और दृढ़ संकल्प का चमकता उदाहरण है। हर खिलाड़ी एक चैंपियन है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।' यह जीत न सिर्फ मेडल, बल्कि भारत के दिव्यांग खेलों की पहचान और स्वाभिमान की जीत मानी जा रही है।

ब्लाइंड क्रिकेट क्यों अलग है?

ब्लाइंड क्रिकेट एक फिरकीदार सफेद प्लास्टिक गेंद से खेला जाता है जिसमें धातु की गेंदें होती हैं, ताकि वह लुढ़कते समय आवाज करे और खिलाड़ियों को दिशा और दूरी का अंदाजा मिल सके। एक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं, जिनमें दृश्य क्षमता के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों के खिलाड़ी शामिल होते हैं।

बॉक्सिंग में भी भारत का दमदार प्रदर्शन

दृष्टिबाधित महिला टीम के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय मुक्केबाजी दल की भी तारीफ की। विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में भारत ने नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक समेत कुल 20 पदक जीते, जो अब तक का भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पीएम मोदी ने लिखा, 'हमारे मुक्केबाजों ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया है। उनकी मेहनत और संकल्प भारत के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने नौ स्वर्ण पदकों सहित अभूतपूर्व 20 पदक जीते। यह हमारे मुक्केबाजों के दृढ़ संकल्प और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्हें बधाई। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'

भारत ने जीता महिला कबड्डी विश्व कप, हिमाचल की पांच बेटियों की रही धाक

बिलासपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए सोमवार को फाइनल मुकाबले में चाइनीज ताइपे को हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। सोमवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने चाइनीस ताइपे को 35–28 से पराजित कर लगातार दूसरे विश्व कप में विजेता बनने का गौरव हासिल किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाते हुए रेडिंग और डिफेंस दोनों में शानदार तालमेल दिखाया। पहले हाफ में हल्की बढ़त बनाने के बाद टीम ने दूसरे हाफ में आक्रामक खेल के दम पर चाइनीस ताइपे को वापसी का मौका नहीं दिया। पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित, आक्रामक और संतुलित खेल दिखाने वाली भारतीय टीम

खिताबी मुकाबले में चाइनीज ताइपे से आमने-सामने हुई।

टीम का मार्गदर्शन मुख्य कोच तेजस्वी और सहायक कोच प्रियंका ने किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में हिमाचल प्रदेश की पांच खिलाड़ियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी और उप कप्तान पुष्पा राणा हिमाचल से हैं। इनके अलावा चंपा ठाकुर, भावना ठाकुर और साक्षी शर्मा ने भी पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। कप्तान रितु नेगी ने मैच दर मैच रणनीति, संतुलन और नेतृत्व क्षमता का स्तर ऊंचा बनाए रखा, जबकि उपकप्तान पुष्पा राणा ने अपनी तेजतर्रार रेडिंग और शानदार डिफेंस से विरोधी टीमों को मुश्किल में डाला। हिमाचल की इन पांच खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने टीम की ताकत की कई गुना बढ़ाया है। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने हर मैच में अनुशासन, आक्रामकता और टीमवर्क का बेहतरीन संतुलन दिखाया।

ईरान के खिलाफ सेमीफाइनल में शुरुआती मिनटों से ही भारतीय खिलाड़ी दबदबा बनाए रहीं। रेडिंग, डिफेंस और ऑलआउट की रणनीतियों ने विपक्षी टीम को उबरने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हिमाचल प्रदेश कबड्डी संघ के महासचिव कुलदीप राणा ने टीम और प्रदेश की खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिमाचल की बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने उत्कृष्ट खेल से प्रदेश का मान बढ़ाया है। कहा कि कप्तान रितु नेगी और उपकप्तान पुष्पा राणा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने अनुशासित, आक्रामक और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया है। चाइनीज ताइपे के खिलाफ फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा। टीम के खेल और नेतृत्व को देखकर देशभर के खेलप्रेमियों में विश्व कप जीत की लेकर उत्साह चरम पर है। भारतीय महिला टीम की फाइनल तक की यात्रा यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कबड्डी अब और मजबूत, संगठित्त और आत्मविश्वासी होकर उभर रही है।

पैट कमिंस को लेकर कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दिया अपडेट

पर्थ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले पैट कमिंस पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को लगता है कि कमिंस का रिहैबिलिटेशन पूरा होने वाला है। हालांकि, कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ब्रिस्बेन में दूसरे एशेज टेस्ट में कमिंस के खेलने पर आखिरी फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा। पैट कमिंस सोमवार के बजाय मंगलवार को अपना बॉलिंग सेशन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर जल्द ही उनकी वापसी की तैयारी पर चर्चा करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी

एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा दिनों का आराम मिलेगा।

कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, ऐसा लग रहा था कि पैट कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक चीजें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं।

इस बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमर्सट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड ने एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है।

कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे। मुझे पता है कि वह सीरीज में उपलब्ध होंगे। यह तय करने के लिए कि वह सीरीज के किस मुकाबले में खेलेंगे, उन्हें थोड़ा रिहैब करना होगा, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज में खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है। पर्थ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था। सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 दिसंबर से खेला जाना है।

42वीं सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप का शुभारंभ, मुख्यमंत्री खांडू ने किया उद्घाटन

इटानगर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले के युपिया स्थित गोल्डन जुबिली आउटडोर स्टेडियम में रविवार को 42वीं एनटीपीसी सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप का आगाज हुआ। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। युवा तीरंदाजों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चैंपियनशिप देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का बेहतरीन मंच देगी। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के युवाओं के लिए यह सीखने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि तीरंदाजी जनजातीय समाज की परंपराओं में सदियों से रची-बसी है।

उल्लेखनीय है कि इसमें 46 टीमें—28 राज्यों, 8 केंद्रशासित प्रदेशों और 10 संबद्ध टीमों—की भागीदारी के साथ करीब 1,500 खिलाड़ी और अधिकारी सप्ताहभर चलने वाली इस चैंपियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में रिकर्व,कंपाउंड और इंडियन राउंड जैसी तीन मुख्य श्रेणियों में लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रहे हैं। अरुणाचल आर्चरी एसोसिएशन द्वारा भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के तत्वावधान में आयोजित यह चैंपियनशिप 30 नवंबर तक चलेगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि प्रतियोगिता से राज्य की पारंपरिक तीरंदाजी कला को नई पहचान मिलेगी और उभरते खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि तवांग में हाल ही में राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता आयोजित की गई है, ताकि खेल को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा, हम युवा खिलाड़ियों को कंपाउंड और रिकर्व तीरंदाजी में पेशेवर प्रशिक्षण दे रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाएंगे। युवाओं को खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की नौकरी आरक्षण नीति का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सभी विभागों में खिलाड़ियों के लिए 5 प्रतिशत और पुलिस व खेल विभाग में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने खिलाड़ियों से निर्धारित नियमों के अनुसार आवेदन करने की अपील की।

राज्य में तीरंदाजी ढांचे से जुड़ी चिंताओं पर मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि खेल अधोसंरचना को तेजी से उन्नत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और युपिया में अत्याधुनिक तीरंदाजी रेंज स्थापित की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के फुटबॉल स्टेडियमों के उन्नयन पर भी काम चल रहा है। इससे पहले अरुणाचल आर्चरी एसोसिएशन (एएए) के अध्यक्ष और आयोजन समिति के चेयरमैन तदार निग्लार ने बेहतर तीरंदाजी सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी वह पहला खेल है जिसने राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है। निग्लार ने बताया कि 46 टीमें—28 राज्यों, 8 केंद्रशासित प्रदेशों और 10 संबद्ध टीमों—की भागीदारी के साथ करीब 1,500 खिलाड़ी और अधिकारी सप्ताहभर चलने वाली इस चैम्पियनशिप में हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड जैसी तीन मुख्य श्रेणियों में लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रहे हैं। अरुणाचल आर्चरी एसोसिएशन द्वारा भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के तत्वावधान में आयोजित यह चैंपियनशिप 30 नवंबर तक चलेगी।

मार्को यानसेन ने रचा इतिहास, भारत में टेस्ट मैच में अर्धशतक और फाइव विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने

गुवाहाटी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने भारत के खिलाफ गुवाहाटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दौरान इतिहास रच दिया। यानसेन दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने जिन्होंने भारत में किसी टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाने के बाद छह विकेट भी अपने नाम किए। यानसेन की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने भारत की पहली पारी 201 रन पर आउट कर 288 रनों की बढ़त ले ली।

एलीट सूची में शामिल यानसेन

भारतीय जमीन पर आमतौर पर स्पिनरों को फायदा मिलता है, लेकिन ऐसी परिस्थिति में यानसेन ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। यानसेन ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे और कुल छह विकेट लिए। वह 2000 से भारत में टेस्ट मैच में अर्धशतक और फाइव विकेट हॉल पूरे करने वाले एलीट खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। यानसेन से पहले दक्षिण अफ्रीका के निकी बोजे 2000 में बंगलूरू में 85 रन बनाए थे और पांच विकेट लिए थे। वहीं, वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने 2008 में हैदराबाद में 52 रन बनाने के अलावा पांच विकेट झटके थे। हालांकि, अब तक कोई अर्धशतक लगाने के साथ ही छह विकेट नहीं ले सका था और यानसेन इस मामले में शीर्ष पर आ गए हैं।

यानसेन की स्टेन और क्लूजनर के क्लब में एंट्री

मार्को यानसेन ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। साल 2000 से भारतीय सरजमीं पर फाइव विकेट हॉल लेने और 50+ रन बनाने वाले वह तीसरे विदेशी खिलाड़ी बने। इस लिस्ट में उनसे पहले निक्की बोए और वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर शामिल थे। बोए ने ऐसा साल 2000 में और होल्डर ने 2008 में किया था। गुवाहाटी टेस्ट में यानसेन का 6/48 का स्पेल भी उन्हें दिग्गजों के बीच ले गया। यह भारत में विदेशी लेफ्ट-आर्म पेसर का चौथा बेस्ट बॉलिंग स्पेल है।

शिक्षा, सिंचाई और महिला सशक्तिकरण सरकार की शीर्ष प्राथमिकताएं : रेवंत रेड्डी

सीएम ने कोडांगल में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि जनता की सरकार ने शिक्षा, सिंचाई और महिला सशक्तिकरण को शीर्ष प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि राज्य तभी आर्थिक रूप से समृद्ध होगा जब महिलाएं खुश रहें और गरिमापूर्ण जीवन जी सकें।

कोडांगल में मध्याह्न भोजन योजना के लिए केंद्रीकृत रसोई घर सहित विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखने के बाद सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने महिलाओं को आत्मसम्मान के साथ जीने के लिए कई सशक्तिकरण योजनाएं शुरू की हैं।

सरकार द्वारा फाइन राइस वितरण, मुफ्त आरटीसी बस यात्रा और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर जैसी सुविधाएं हर घर में खुशी लेकर आई हैं। सरकार ने महिला समूहों को सोलर पावर संयंत्र स्थापित करने का कार्य भी दिया ताकि वे अदाणी और अंबानी से प्रतिस्पर्धा कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं ने महिला समुदाय को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने में मदद की है। महिला समूहों के उत्पादों के विपणन के लिए हाइटेक सिटी के शिल्परामम में स्टॉल स्थापित किए गए और अमेजन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन विपणन के लिए बातचीत भी चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही सभी के भविष्य और जीवन को उज्जवल बनाने का एकमात्र तरीका है। सरकार कोडांगल विधानसभा क्षेत्र में 312 सरकारी स्कूलों में 28,000 छात्रों को अक्षय पात्र फाउंडेशन के प्रबंधन में नाश्ता उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी छात्र भूख से पीड़ित न हो और मध्याह्न भोजन के लिए केंद्रीकृत रसोई घर के माध्यम से कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

माताओं की तरह हमारी सरकार भी छात्रों की भलाई के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यक्रमों में मेडिकल, वेटरनरी, कृषि, पैरामेडिकल, नर्सिंग, इंजीनियरिंग कॉलेज, एटीसी, इंटीग्रेटेड रेसिडेंशियल स्कूल, जूनियर और डिग्री कॉलेज तथा कोडांगल में एक मिलिट्री स्कूल की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हम कोडांगल को शिक्षा का हब बना रहे हैं ताकि राज्य के सभी लोग यहां पढ़ाई के लिए आएं। हम इसे अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा हब में बदलने का प्रयास कर रहे हैं। कृषकों द्वारा स्वेच्छा से कोडांगल लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट के लिए जमीन देने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना 3 वर्षों में पूरी होगी और सिंचाई सुविधाएं प्रदान करेगी। सरकार लागाचरला औद्योगिक क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक क्षेत्र में बदलने के लिए भी प्रतिबद्ध है। लंबे समय से प्रतीक्षित कोडांगल रेलवे नेटवर्क भी जल्द पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोडांगल लोगों का 70 साल का सपना सच होने वाला है, रेलवे लाइन के कार्य 9 महीनों में शुरू होंगे। इसके अलावा, उन्होंने कोडांगल में सीमेंट उद्योग की स्थापना की घोषणा की और इसे राज्य में विकास का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने का प्रयास किया।

स्थानीय निकाय चुनावों में लोगों से अच्छे उम्मीदवार चुनने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को साड़ी वितरित कर रही है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी को साड़ी मिले। उन्होंने दोहराया कि 'इंदिरम्मा राज्यम' राज्य में 10 वर्षों तक सत्ता में रहेगा और कोडांगल के समग्र विकास के लिए महिलाओं का समर्थन मांगा।

सीएम ने सीजेआई के शपथ ग्रहण में भाग लिया

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत के भारत के नए मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएँ दीं और उनके कार्यकाल को प्रभावशाली व उत्कृष्ट होने की कामना की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, जिन्होंने कई ऐतिहासिक फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, न्यायमूर्ति बी. आर. गवई के उत्तराधिकारी बने हैं। वे लगभग 15 महीनों तक भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर कार्य करेंगे। वे 9 फरवरी 2027 को 65 वर्ष की आयु पूरी करने पर पद से सेवानिवृत्त होंगे।

तेलंगाना की वैश्विक छलांग

'तेलंगाना राइजिंग 2047' रोडमैप से जवान हुआ आर्थिक विज़न अधिकारियों ने अपनी तैयारियों की गति और तेज की

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भविष्य नगरी (फ्यूचर सिटी) में 8 और 9 दिसंबर को होने वाले प्रतिष्ठित ग्लोबल समिट की तैयारियाँ जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा स्थल का दौरा करने के बाद अधिकारियों ने अपनी तैयारियों की गति और तेज कर दी है। सरकार इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अपना तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगी तथा पिछले दो वर्षों में हासिल की गई उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करेगी। अधिकारियों के अनुसार, 2014 में गठन के बाद से भारत के सबसे युवा राज्य तेलंगाना ने शासन, नवाचार और समावेशी विकास के क्षेत्र में तेज़ी से अग्रणी स्थान बनाया है। अब 2047 की ओर देखते हुए, तेलंगाना राइजिंग एक साहसिक एवं भविष्य-उन्मुख रोडमैप प्रस्तुत करता है, जो राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और भारत की जीडीपी में 10% योगदानकर्ता बनने की राह दिखाता है। यह लक्ष्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर आधारित है और सभी के लिए समृद्ध और समान तेलंगान के विचार को केंद्र में रखता है। इस विज़न को जमीनी आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए राज्य सरकार ने शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नागरिक सहभागिता अभियान भी चलाया।

तेलंगाना वर्ष 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखता है। यह वृद्धि नवाचार-आधारित क्षेत्रों और नई प्रौद्योगिकियों एआई, क्वांटम, साइबर सिक्योरिटी, जेनेटेक, एयरोस्पेस, डिफेंस-स्टार्टअप इकोसिस्टम, एमएसएमई , पर्यटन, तथा मीडिया एवं एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों के विकास से संचालित होगी। राज्य ने दीर्घकालिक विकास के लिए तीन-स्तरीय क्षेत्रीय ढाँचा अर्बन कोर, पेरि-अर्बन और ग्रामीण तेलंगाना तैयार किया है। हैदराबाद और अन्य प्रमुख शहरी केंद्र तकनीक, नवाचार और उच्चस्तरीय विनिर्माण के वैश्विक केंद्र बनाए जाएँगे। राज्य उन्नत विनिर्माण, नॉलेज सेक्टर्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसीएस), आरडी हब और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से खुद को वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहा है। आसान व्यवसाय माहौल, कुशल मानव संसाधन और प्रगतिशील नीतियाँ इसे और आकर्षक बनाती हैं। मुख्यमंत्री 1 करोड़ महिला मिलियनेयर तैयार करने का लक्ष्य रखते हैं। इसके लिए जीवन-चक्र आधारित सहायता, कौशल विकास, उद्यमिता प्रोत्साहन तथा विभिन्न वर्गों की महिलाओं के लिए विशेष नीतियाँ तैयार की जा रही हैं।

युवाओं को भविष्य-तैयार कौशल, उभरते क्षेत्रों में रोजगार, वैश्विक साझेदारियों, मेंटरशिप, अप्रेंटिसशिप और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। फसल विविधीकरण, एग्री-टेक, मूल्य संवर्धन, बेहतर बाजार संपर्क, एफपीओएस, सिंचाई और रियल-टाइम सलाह से किसान आय दोगुनी करने का लक्ष्य है। विजन दस्तावेज़ स्वास्थ्य को विकास का मूल स्तंभ मानता है। प्राथमिक और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, डिजिटल हेल्थ, बायोबैंक, स्वास्थ्यकर्मी क्षमता वृद्धि पर विशेष जोर है। वृद्ध देखभाल, पुरानी बीमारियाँ, किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ और अंतिम छोर तक तकनीक आधारित सेवा डिलीवरी प्रमुख लक्ष्य हैं। राज्य ऊर्जा, उद्योग, कृषि और शहरी नियोजन में बड़े बदलावों के साथ एक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन राज्य बनने का लक्ष्य रखता है।

तूप्रान के पास एनएच-44 पुल से कंटेनर लॉरी फिसली, ड्राइवर और हेल्पर बाल बाल बचे

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के तूप्रान में राष्ट्रीय राजमार्ग हल्दी वागु पर बने पुल से एक कंटेनर लॉरी ड्राइवर का गाड़ी से कंट्रोल खो गया, जिससे गाड़ी सड़क से फिसल गई। जानकारी के मुताबिक, कंटेनर लॉरी नई दिल्ली से बेंगलुरू की ओर जा रही थी। ड्राइवर, विमल यादव, कथित तौर पर गाड़ी तेज स्पीड में चला रहा था, तभी उसका स्टीयरिंग व्हील पर से कंट्रोल खो गया। यादव और उसका असिस्टेंट विकास मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, जबकि यादव और विकास को तूप्रान के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संगारेड्डी दूरसंचार नेटवर्कों पर कॉल साइलेंस दरें : उच्च ट्राई के सर्वेक्षण में जानकारी सामने आई

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जरूर, आपने कई बार ऐसा अनुभव किया होगा। आप मोबाइल पर बात कर रहे होते हैं और अचानक लाइन खामोश हो जाती है, भले ही कॉल चालू हो। आपको दूसरे व्यक्ति की आवाज कुछ देर बाद या जब आप फोन काटकर दोबारा कॉल करते हैं, तब सुनाई देती है। मोबाइल तकनीक की भाषा में इसे 'कॉल साइलेंस' कहते हैं, जो मोबाइल नेटवर्क पर पैकेट लॉस के कारण होता है। इसे कॉल साइलेंस रेट (सीएसआर) के रूप में मापा जाता है और अगर यह ज़्यादा हो, तो यह कॉल क्वालिटी या यूजर एक्सपीरियंस को प्रभावित करता है। सभी मोबाइल फोन कम्पनियों द्वारा उत्कृष्ट या बेजोड़ कवरेज का दावा करने के बावजूद, सभी चार प्रमुख दूरसंचार कम्पनियों का सीएसआर उच्च प्रतीत होता है, जैसा कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने संगारेड्डी और उसके आसपास नेटवर्क गुणवत्ता जांच के अपने आकलन में पाया है। ट्राई की टीमों ने 355 किलोमीटर से ज़्यादा के क्षेत्रों में आईडीटी का संचालन किया और शहरी, संस्थागत और आवासीय क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया।

एससीआर महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

सुरक्षा उपकरणों पर सतत निगरानी रखने की सलाह

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और शीतकालीन तैयारियों के लिए कार्ययोजना पर समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में सत्य प्रकाश, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे के साथ-साथ सभी छह डिवीजनों विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के प्रमुख विभागीय अधिकारी और डिविजनल रेलवे मैनेजर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सिद्धांतों और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि ट्रेन संचालन सहज और कुशल रहे। उन्होंने प्रत्येक गतिविधि के लिए गहन मूल कारण विश्लेषण करने के महत्व को रेखांकित किया और विशेष रूप से क्रू प्रबंधन प्रणाली, गेटमैन और शंटिंग स्टाफ द्वारा लक्षित और सावधान कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल बड़े मुद्दों पर ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे मामलों पर भी ध्यान देना आवश्यक है, जो सुरक्षा और प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। अधिकारियों को रेल संचालन के महत्वपूर्ण संसाधनों की स्थिति और सुरक्षा उपकरणों की विश्वसनीयता पर लगातार निगरानी रखने की सलाह दी गई। क्षेत्रीय संचालन में सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए जीपीएस ट्रैकर्स के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। इससे पहले, महाप्रबंधक ने सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 16 कर्मचारियों को 'माह के कर्मचारी' पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार पाने वाले कर्मचारी सिकंदराबाद (02), हैदराबाद (01), विजयवाड़ा (02), गुंटूर (04), गुंटकल (06) और नांदेड़ (01) डिवीजनों से हैं। ये कर्मचारी विभिन्न सुरक्षा श्रेणियों जैसे माल/ट्रेन प्रबंधक, लोको पायलट, पॉइंट्समैन, ट्रैक मेंटेनर आदि से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क और मेहनती बनने के लिए प्रेरित करेंगे ताकि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

दलित युवक की हत्या के लिए पुलिस की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने दलित युवक एरा राजशेखर की कथित हत्या में कांग्रेस सरकार और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया, और दावा किया कि यह जुर्म पुलिस की मदद से प्लान किया गया और किया गया। पीड़ित के परिवार से मिलने के बाद, उन्होंने आरोप लगाया कि नई सरकार के आने के बाद से दलितों पर हमले बढ़ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य के गृह मंत्री के तौर पर अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम रहे हैं। प्रवीण कुमार ने विरोध कार्यक्रम के दौरान, शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एससी/एसटी एट्रोसिटीज़ एक्ट के तहत केस दर्ज करने, ज़ुल्म को रोकने के लिए ग्रेहाउंड्स की तरह एक स्पेशल फोर्स बनाने, जिला-लेवल पर स्पेशल पुलिस स्टेशन बनाने और इंटर-कास्ट मैरिज करने वाले जोड़ों की सुरक्षा के लिए एक नया कानून बनाने की मांग की।

सीपी ने रात में आकस्मिक निरीक्षण कर नाइट पुलिसिंग को मजबूत किया

बिना सायरन या पूर्व सूचना के इलाकों का दौरा किया

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने दक्षिण-पश्चिम ज़ोन में रात के समय ज़मीनी स्तर पर पुलिसिंग की स्थिति का आकलन करने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वयं आधी रात को पेट्रोलिंग की। उन्होंने किसी भी सायरन या पूर्व सूचना के बिना सीधे लंगरहौज़ पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत एमडी लाइंस, आशाम नगर और डिफेंस कॉलोनी क्षेत्रों में कई राउड़ी-शीटरों के घरों का निरीक्षण किया। उन्होंने उनके पिछले व्यवहार, वर्तमान व्यवसाय और जीवनशैली के बारे में पूछताछ की और चेतावनी दी कि यदि वे फिर से आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का प्रयास करते हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सज्जनार ने उन्हें अनुशासित जीवन जीने और समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की सलाह दी। रात 12 बजे से सुबह 3 बजे तक, आयुक्त ने लंगरहौज़ और तोली चौकी पुलिस स्टेशनों की सीमा के अंतर्गत प्रमुख सड़कों, महत्वपूर्ण चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने तोली चौकी क्षेत्र में होटलों, दुकानों और देर रात तक चलने वाले प्रतिष्ठानों का भी दौरा किया और व्यापारियों को निर्धारित समय से अधिक संचालन न करने की चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान सज्जनार ने गश्ती दल और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, गश्त बिंदुओं, प्रतिक्रिया समय और समस्या समाधान प्रक्रियाओं की समीक्षा की। तोली चौकी पुलिस स्टेशन में उन्होंने स्टेशन की जनरल डायरी, नाइट एंट्री, ड्यूटी रोस्टर और उपस्थिति रजिस्टर की जांच की, ताकि कार्यप्रणाली की तैयारी का आकलन किया जा सके। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि ऐसे अचानक निरीक्षण लोगों की कल्याणकारी पुलिसिंग पहल के अंतर्गत नाइट पुलिसिंग को बेहतर बनाने और प्रभावी सेवा सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि इन क्षेत्रीय दौरों का उद्देश्य जवाबदेही मजबूत करना, प्रतिक्रिया क्षमता सुधारना और रात के समय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सज्जनार ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को विज़िबल पुलिसिंग बनाए रखने और हर समय सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सतर्क निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया हैदराबाद की सुरक्षा और जनता के पुलिस पर भरोसे को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जिला कलेक्टर ने प्रजावाणी कार्यक्रम में शिकायतों की सुनवाई की

हैदराबाद, 24 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन हॉल में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी के समक्ष प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित लोक सेवा कार्यक्रम के तहत लोगों द्वारा उठाए गए अनुरोधों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा विचार किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी याचिकाओं का तत्काल समाधान किया जाए और इसे लंबित न रखा जाए। समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जाएगी। प्राप्त याचिकाओं में से 8 आवेदन राजस्व विभाग से और 32 आवेदन अन्य विभागों से प्राप्त हुए। कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त कलेक्टर चंद्र रेड्डी, जिला राजस्व अधिकारी, संगीत अधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगरपालिका अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कल दीक्षा दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा: केटीआर

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कॉरपोरेटरों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आश्वासन दिया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के सभी कॉरपोरेटरों, जिन्होंने पार्टी का समर्थन किया है और समर्पण दिखाया है, को भविष्य में अतिरिक्त पदों और बड़े दायित्वों से नवाज़ा जाएगा। सोमवार को बीआरएस भवन में कॉरपोरेटरों के साथ बैठक के दौरान, रामा राव ने विशेष रूप से आगामी महिलाओं के आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्र सीमांकन को देखते हुए, कॉरपोरेटरों के लिए मौजूद संभावनाओं पर रोशनी डाली। यह बैठक मंगलवार को होने वाली जीएचएमसी परिषद की अंतिम बैठक की रणनीति तय करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। केटीआर ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया और कॉरपोरेटरों की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने बिना किसी भ्रष्टाचार या अनियमितता के अपना कार्यकाल पूरा किया।

उन्होंने कोविड महामारी के दौरान पार्टी के पुनर्निर्वाचन के बाद जीएचएमसी कॉरपोरेटरों द्वारा दी गई सेवाओं को भी सराहा। केटी रामा राव ने कहा कि राज्य में विपक्ष की भूमिका निभाने के बाद हैदराबाद के कॉरपोरेटरों ने महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया और नागरिकों की आवाज़ बनने का काम किया।

उन्होंने कहा, "मैं जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान बीआरएस कॉरपोरेटरों के प्रयासों की सराहना और बधाई देता हूँ। पार्टी का समर्थन करने वाले हर कॉरपोरेटर को भविष्य में और अधिक पदों से पुरस्कृत किया जाएगा।" कॉरपोरेटरों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि वे आगामी चुनावों का सामना नए जोश के साथ करेंगे और जीत हासिल करने का प्रयास करेंगे। रामा राव ने नेताओं को 29 नवंबर को दीक्षा दिवस को भव्य तरीके से मनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने हैदराबाद में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत और तेलंगाना आंदोलन के दौरान झेली गई कठिनाइयों के बावजूद, जनता को 2009 में बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आमरण अनशन की याद दिलाना आवश्यक है, जो तेलंगाना राज्य के गठन में निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने बताया कि 29 नवंबर को शहर में बड़े पैमाने पर दीक्षा दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा।

साइबराबाद सीपी ने इंस्पेक्टर को नेशनल दक्षता पदक प्राप्त करने पर बधाई दी

हैदराबाद, 24 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने सोमवार को इंस्पेक्टर जे. उपेन्धर को राष्ट्रीय स्तर पर मिले सम्मान के लिए बधाई दी। साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) के इंस्पेक्टर जे. उपेन्धर को प्रतिष्ठित केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक-2025 के लिए चयनित किया गया है। यह घोषणा भारत के पहले केंद्रीय गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती (31 अक्टूबर) को गृह मंत्रालय (एमएचए), नई दिल्ली द्वारा की गई। यह पुरस्कार हत्या के मामलों की जांच में उनकी उत्कृष्टता को मान्यता देता है, जिसमें नौ मामलों में आजीवन कारावास की सजा दिलाना शामिल है। यह उनके असाधारण पेशेवर कौशल, जांच क्षमता और न्याय सुनिश्चित करने के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.